भोपाल
रविवार, 5 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष -03
वर्ष : 13, अंक : 03
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 34
न्यून. 21

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

संघ के विविध संगठनों की 'समन्वय बैठक' शुरू

संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और कार्यपद्धति पर चर्चा

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दो दिवसीय समन्वय बैठक का आयोजन राजधानी के केरवा रोड स्थित शारदा विहार परिसर में किया जा रहा है। शनिवार से यह बैठक शुरू हो गई है। इस बैठक में संघ की मध्यभारत प्रांत की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों सहित विविध संगठनों के पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। इसमें भाजपा, विहिप, सेवा भारती, विद्या भारती, अभाविप, आरोग्य भारती, क्रीड़ा भारती, विज्ञान भारती, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद सहित अन्य विविध संगठन शामिल हो रहे हैं। शनिवार दोपहर करीब तीन बजे से यह बैठक शुरू हुई। बैठक में संगठनों द्वारा संगठनात्मक ▸▸ शेष पेज 6 पर

दूसरे महीने में युद्ध और अधिक भीषण, ईरान 50 फीसदी खत्म होने के बाद भी हार नहीं मान रहा

यूएस के दो और लड़ाकू विमान गिराए, ईरान ने 48 घंटे सीजफायर का 'प्रस्ताव' ठुकराया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

ईरान के पास युद्ध में अब कुछ भी खोने के लिए नहीं बचा है। वह ज्यादातर तबाह हो चुका है। वह अपनी मिसाइलों के बूते हार मानने को तैयार नहीं है, हालांकि बैक डोर से वह बात भी कर रहा है

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध दूसरे महीने में पहुंच गया है और यह अधिक भीषण होता जा रहा है। बदले की आग में सुलग रहे ईरान ने शुक्रवार को अमेरिका का एक एफ-15ई लड़ाकू विमान मार गिराया और दूसरा अमेरिकी ए-10 विमान को मार गिराया।

इस विमान के एक पायलट को अमेरिका ने बचा लेने का दावा किया, लेकिन दूसरे पायलट के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में उसकी तलाश में लगे एक अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर को भी ईरान ने मार गिराया और उसमें सवार लोगों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। फारस की खाड़ी में भी एक अमेरिकी लड़ाकू विमान के क्रैश ▸▸ शेष पेज 6 पर

ट्रंप बोले हम युद्ध में हैं, नहीं रुकेगी बातचीत

पायलट ने लैंडिंग की

क्षतिग्रस्त विमान

- **दो पायलटों में से एक को अमेरिका ने बचाने का किया दावा**
- **ईरानी मीडिया का दावा तलाश में जुटे अमेरिकी हेलिकॉप्टर को भी मार गिराया**

ट्रंप ने कहा- ईरान वार्ता पटरी से नहीं उतरेगी

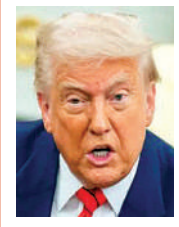

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के ऊपर अमेरिकी विमान के गिराए जाने से तेहरान के साथ चल रही बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईरान के साथ बातचीत पर संभावित प्रभावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। नहीं, यह युद्ध है। हम युद्ध में हैं। ▸▸ पढ़ें पेज 11 भी

पायलट को ईरान से पहले तलाशने बड़ा अभियान

अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिकी सेना ने एफ-15ई विमान के दूसरे पायलट को ईरान से पहले तलाशने के लिए बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। इजराइल इसमें मदद कर रहा है। इस युद्ध में ईरानी क्षेत्र में किसी अमेरिकी लड़ाकू विमान के मार गिराए जाने का यह पहला ज्ञात मामला है और इससे तनाव बढ़ने की आशंका है।

Inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
एसआरएच एलएसजी
दोपहर 3.30 बजे से
आरसीबी सीएसके
शाम 7.30 बजे से

बड़ी घटना: अनूपपुर के कोतमा में भरभराकर गिरा 4 मंजिला होटल

मलबे में दबकर 2 की मौत, 3 लोग गंभीर कई मलबे में दबे, रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन

जेसीबी की मदद से रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोतमा

कोतमा में शनिवार शाम को चार मंजिला भवन गिरने से बड़ा हादसा हो गया। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। ये हादसा शहर के वार्ड नंबर 5 में मौजूद अग्रवाल लॉज बस स्टैंड के पास भीड़भाड़ वाले इलाके मे हुआ है। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। एक शव पहले ही निकाला गया था। देर रात एक और शव बरामद किया गया।

जानकारी के मुताबिक हादसे में घायल तीन लोगों को 7.30 बजे तक अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया है। जिनका इलाज किया जा रहा है। घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना शाम 5:30 बजे की बताई जा रही है। भवन गिरने से आसपास तेज आवाज के साथ ही धूल के गुब्बार ▸▸ शेष पेज 6 पर

क्यों गिरी इमारत? जो इमारत गिरी उसके बगल में निर्माणधीन भवन में बेसमेंट के लिए गड्ढा खोदा गया था और उस गड्ढे में पानी भरा हुआ था, जिसके कारण लॉज का भवन साइड से ऊपर की तरफ से धराशाई होकर गिर गया

मुख्यमंत्री ने प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत व उपचार की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

मलबे में दबा शख्स

बदहवास महिला

भीड़ जुटी

गंभीर घायल

भवन गिरने से आसपास के मकान भी कांपे, बगल की दुकान का छज्जा गिरने से एक घायल, आसपास तेज आवाज के साथ ही धूल का गुब्बार छा गया

जेएमएस और जमुना कंपनी की रेस्क्यू टीम भी जुटी

प्रशासन के द्वारा तत्काल ही आसपास के एंबुलेंस एवं क्रेन को मौके पर बुलाकर राहत एवं बचाव में लगाया गया। 2 घंटे बाद प्रशासन के द्वारा जेएमएस कंपनी एवं जमुना कोतमा क्षेत्र के रेस्क्यू दल को बुलाया गया। घटना की जानकारी लगते ही कलेक्टर ▸▸ शेष पेज 6 पर

प्रशासन अलर्ट मोड पर

बड़ी घटना होने के कारण तत्काल ही प्रशासन के द्वारा स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड में रख दिया गया। तत्काल डॉक्टर एवं स्टाफ को इमरजेंसी ड्यूटी में अस्पताल में बुला लिया गया मौके पर जिला चिकित्सा ▸▸ शेष पेज 6 पर

ये हैं घायल

रामकिशोर (50) वर्ष बगैहा किराना दुकान का कर्मचारी दूसरा जयप्रकाश (50) निवासी फुलगा लॉज मे मजदूरी करता था। दोनों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया गया है। तुलसी मैना निवासी गोबरी थाना जैतहरी बस का इंतजार कर रही थी। ▸▸ शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री ने जताया दुख, देर रात एनडीआरएफ की टीम भेजी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोतमा में हुए दुर्घटना में एक नागरिक की मृत्यु होने पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्घटना अत्यंत ही दुखद और पीड़ादायक है। उन्होंने बताया कि अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत व उपचार की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि स्थानीय मंत्री, जिला प्रशासन, पुलिस एवं एसईसीएल द्वारा ▸▸ शेष पेज 6 पर

कुए के चारों ओर जुटी भीड़, कार को क्रेन की मदद से निकाला गया

नासिक के पास भीषण सड़क हादसा

कुए में जा गिरी कार, एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत

एजेंसी ▸▸ नासिक

- **मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल**

महाराष्ट्र के नासिक जिले के दिंडोरी तालुका में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। एक मारुति एक्सएल 6 कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पानी से भरे कुए में जा गिरी, जिसमें सवार 9 लोगों की मौत हो गई।

इस दर्दनाक हादसे में मरने वालों में एक ही परिवार के 9 सदस्य शामिल थे। हादसा डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पीड़ित लोग डिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। इन बच्चों में सात से 14 साल की उम्र की पांच लड़कियां और 11 साल का एक लड़का शामिल है। परिवार वाले एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। जो रात के अंधेरे में अचानक चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया और कार सीधे सड़क किनारे बने गहरे कुए में गिर पड़ी। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दुर्घटनाग्रस्त कार

खबर संक्षेप

गर्भाशय में छोड़ा नैपकिन ऑपरेशन कर निकाला

खरगोन। जिला अस्पताल में 17 मार्च को सिजेरियन डिलीवरी के

दौरान एक महिला के गर्भाशय में नैपकिन छोड़ने का मामला सामने आया है। पेट दर्द के चलते उन्हें इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां ऑपरेशन कर नेपकिन निकाला गया।

विदेशी महिला ने रिटायर्ड अफसर से 10.43 लाख ठगे

इंदौर। यहां एक सीनियर सिटीजन को फेसबुक पर विदेशी

महिला से दोस्ती भारी पड़ गई। विदेशी महिला बनकर बात करने वाले साइबर ठगों ने गिफ्ट भेजने का झांसा देकर उनसे 10 लाख 43 हजार रुपए ठग लिए।

क्लोरीन गैस रिसाव से करीब 50 लोग बीमार

झाबुआ। जिले के थांदला तहसील मुख्यालय स्थित पद्मावती

नदी किनारे बने वाटर फिल्टर प्लांट में शुक्रवार शाम अचानक क्लोरीन गैस का रिसाव हो गया। इस जहरीली गैस की चपेट में आने से 7 कर्मचारियों सहित करीब 50 लोग बीमार हो गए।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा

संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव घातक होगा

एजेंसी ▸▸ पटना

■ ये राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रहें

लोकतंत्र की मजबूती और निष्पक्ष शासन के लिए संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को बेहद जरूरी बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि चुनाव आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं को राजनीतिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त रहना चाहिए। इससे लोकतंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता ▸▸ शेष पेज 6 पर

मालदा के मालतीपुर की घटना

ममता के हेलिकॉप्टर के पास दिखा 'ड्रोन'

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

■ टीएमसी सुप्रीमो ने जताई नाराजगी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मालदा के मालतीपुर में मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की जनसभा में हड़कंप मच गया। जैसे ही जनसभा खत्म हुई और इससे पहले कि वह अपनी अगली मंजिल के लिए रवाना हो पातीं, मुख्यमंत्री के हेलिकॉप्टर के ठीक सामने एक ड्रोन मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही तृणमूल सुप्रीमो गुस्से ▸▸ शेष पेज 6 पर

खड़े ट्रॉले में जा घुसी कार

दो लोगों की मौत, एक घायल, शाजापुर जा रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नर्मदापुरम

नर्मदापुरम में औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे-46 पर निटाया के पास शनिवार तड़के 4 बजे तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्राले से टकराने के बाद डिवाइडर से जा टकराई। ▸▸ शेष पेज 6 पर

मंडला में दो बाइकों की भिड़ंत, 3 की मौत

मंडला। इधर, नेशनल हाईवे 30 के मंडला-रायपुर रोड पर देर रात एक भीषण बाइक हादसा हुआ। चारटोला के पास आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो ▸▸ शेष पेज 6 पर

राजस्थान ने गुजरात टाइटन्स को 6 रनों से हराया

- आखिरी ओवर में तुषार देशपांडे का कमाल
- राशिद-रबाडा की पारी गई बेकार

ध्रुव जुरेल
75* रन
42 गेंद
05 चौके
05 छक्के

ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल ने दिखाया कमाल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मैच नंबर-9 में शनिवार को गुजरात टाइटन्स का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने 6 रनों से जीत हासिल की। मुकाबले में गुजरात को जीत के लिए 211 रन बनाने थे, लेकिन वो 8 विकेट पर 204 रन ही ▸▸ शेष पेज 6 पर

10 अप्रैल तक ऐसा ही रहेगा मौसम का मिजाज

ओलों-बारिश से फसलों को नुकसान बिजली गिरने से चार लोगों की मौत

श्योपुर में ओले

श्योपुर की सड़कों पर ओले की चादर

बैतूल के मुलताई के डहुआ क्षेत्र में ओले गिरने के बाद का दृश्य

- **बैतूल के मुलताई में 20 मिनट तक बारिश व ओले**

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

शनिवार को सुबह से शाम तक कई जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। ग्वालियर में शाम 4 बजे अचानक तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बैतूल जिले के मुलताई के डहुआ क्षेत्र में भी तेज 20 मिनट तक बारिश व ओलावृष्टि हुई। बेर से बड़े आकार के ओले गिरने से खेतों में खड़ी और कटी फसलों को भी नुकसान पहुंचा। यहां टमाटर व मिर्च की फसल बरबाद हो गई। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार नए पश्चिमी ▸▸ शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सादगी ने जीता वाराणसी के लोगों का दिल

एक मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर स्थानीय लोग बेहद उत्साहित थे

एयरपोर्ट जाते वक्त श्रीराम भंडार पर रुकवाया काफिला कचौड़ी-जलेबी का चखा स्वाद, लोगों से किया संवाद

विशेष प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार की सुबह अपनी सादगी और व्यवहार से वाराणसी के लोगों को दिल जीत लिया। उनका काफिला जब एयरपोर्ट की ओर जा रहा था, तभी अचानक वे मिंट हाउस स्थित श्रीराम भंडार पर रुक गए। पहले तो यहां उन्होंने परिवार के साथ बनारस की मशहूर कचौड़ी, पूरी-राम भाजी, जलेबी और लस्सी का स्वाद चखा। इसके बाद दुकानदार और वहां मौजूद लोगों के साथ संवाद किया।

डॉ. यादव श्रीराम भंडार पर बने व्यंजनों का लुत्फ उठाते हुए

आम लोगों से संवाद करते हुए सीएम

एक मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर पहले तो स्थानीय लोगों को यकीन नहीं हुआ। फिर लोग उनसे मिलकर उत्साहित हुए। लोग डॉ. यादव की सादगी देख प्रभावित हुए और उनकी प्रशंसा की।

व्यंजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के हर प्रांत और शहर की अपनी विशिष्ट खान-पान की शैली होती है, जो वहां की पहचान होती है। स्थानीय स्वाद और पारंपरिक व्यंजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। स्थानीय लोगों ने डॉ. यादव से मुलाकात कर खुशी जाहिर की और उनके इस अंदाज की सराहना की। ▸▸ शेष पेज 6 पर

प्रोजेक्ट पर 4000 करोड़ से ज्यादा खर्च होने का अनुमान

पीएमएवाय-2 के तहत भोपाल में जल्द बनेंगे 40 हजार ईडब्ल्यूएस एलआईजी आवास, अच्छी लोकेशन वाली जमीन की तलाश जारी

निगम प्रशासन ऐसी जगह चिन्हित करना चाहता है जहां का वातावरण शांत, स्वच्छ और आवागमन की दृष्टि से बेहतर हो और शहर से सीधे तौर पर कनेक्टिविटी मौजूद हो

वर्ष 2017 में शुरू हुए पीएमएवाय के पहले चरण के कई प्रोजेक्ट अभी भी अधूरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर निगम के हाउसिंग फॉर आल सेक्शन द्वारा वर्ष 2017 में शुरू किए गए प्रोजेक्ट अभी भले ही पूरे न हुए हों, लेकिन निगम प्रशासन ने उक्त योजना के दूसरे चरण के लिए शहर में 40 हजार नए आवासों के निर्माण के लिए जगह की तलाश शुरू कर दी है। इसके लिए ग्रामीण इलाकों से लगी नगर निगम की सीमा के भीतर निगम के अधिकारी जमीन देख रहे हैं। करीब 4000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट के लिए निगम प्रशासन ऐसी जगह चिन्हित करना चाहता है जहां का वातावरण शांत, स्वच्छ और आवागमन की दृष्टि से बेहतर हो और शहर से सीधी कनेक्टिविटी हो। नगर निगम का हाउसिंग फॉर ऑल सेक्शन इस प्रोजेक्ट के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश में जुट गया है। इसके लिए निगम के अधिकारी शहर की सीमा से लगे ग्रामीण और विकसित होते क्षेत्रों का लगातार सर्वे कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में शुरू हुए पीएमएवाय के पहले चरण के कई प्रोजेक्ट अभी भी अधूरे हैं। निगम प्रशासन का मानना है कि शहर में तेजी से बढ़ती आबादी और आवास की मांग को देखते हुए इस योजना का विस्तार जरूरी है।

- **शहर की सीमा से सटे इलाकों में भूमि देखने अधिकारी लगातार कर रहे हैं विजिट**
- **आवास की मांग को देखते हुए इस योजना का विस्तार जरूरी**

जगह देखी जा रही है, जल्द ही चिन्हित करेंगे

नगर निगम में हाउसिंग फॉर ऑल के प्रभारी नगर यंत्री आरके गोयल का कहना है कि पीएमएवाय-2 के तहत शहर में भूमि की तलाश की जा रही है। यह काम जल्द शुरू होना है। इसलिए लगातार जगह देखने का काम हो रहा है। इसके बाद अन्य आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

संभावित स्थानों का कर चुके हैं निरीक्षण, मंजूरी बाकी

निगम के अधिकारी होशंगाबाद रोड, बावडिया कला, रातीबढ़, कोलार, गांधी नगर क्षेत्र, संत नगर, रायसेन रोड से लगे ग्रामीण इलाकों से सटी नगर निगम की सीमा के भीतर संभावित स्थानों का निरीक्षण कर चुके हैं। कुछ क्षेत्रों को प्राथमिक तौर पर चिन्हित भी किया गया है। जल्द ही जमीन का अंतिम चयन कर परियोजना को औपचारिक मंजूरी के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। इस योजना के पूरा होने पर शहर के हजारों जरूरतमंद परिवारों को सस्ते और सुरक्षित आवास उपलब्ध हो सकेंगे।

खबर संक्षेप

ईस्टर पर्व आज : चर्च में होगी विशेष प्रार्थना

भोपाल। ईस्टर रविवार पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर राजधानी के सभी

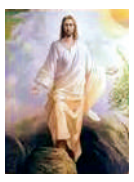

गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार की शाम को शहर के विभिन्न कैथोलिक गिरजाघरों में रात्रि पास्का जागरण आयोजित किया गया। इस विशेष प्रार्थना में पुनर्जीवित प्रभु यीशु मसीह का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद हुए।

निगम अमले ने 168 पानी के सैंपल लिए

भोपाल। नगर निगम के जल कार्य विभाग के अमले ने शनिवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 168 पानी के सैंपल लिए और 49 लीकेज सुधारे। इसके अलावा सीएम हेल्पलाइन और महापौर हेल्पलाइन पर मिलीं शिकायतों का निराकरण किया गया। महापौर मालती राय के निर्देश एवं निगम आयुक्त संस्कृति जैन के आदेश पर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दलों ने शहर की झुग्गी बस्तियों सहित शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से रोजाना पानी के सैंपल जांच के लिए लेकर लैब भेजे जा रहे हैं।

स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत प्रदेश के स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन

प्रदेश भर के विद्यालयों में पहुंचे अधिकारी विद्यार्थियों से किया संवाद, पढ़ाया पाठ

कम्प्यूटर और एआई जैसी तकनीकी सुविधाओं के समावेश पर दिया जोर

पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के माध्यम से शारीरिक सुदृढ़ता का बताया महत्त्व

कार्यक्रम में शामिल अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत शनिवार को प्रदेश के स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के तहत राजधानी भोपाल सहित प्रदेशभर के स्कूलों में प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता पहुंचे और बच्चों से संवाद करने के साथ ही कक्षाओं में पढ़ाया भी। राजधानी के शिवाजी नगर स्थित सुभाष एक्सीलेंस स्कूल में एडीएम सुमित पांडेय पहुंचे। नवीन कन्या तुलसी नगर में बच्चों से संवाद करने गोविंदपुरा एसडीएम एसडीएम भुवन गुप्ता पहुंचे।

वहीं, भीमनगर स्थित शासकीय विद्यालय में भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत हथकरघा विभाग की असिस्टेंट डायरेक्टर रूपाली सक्सेना पहुंची। यहां उन्होंने ना केवल बच्चों से संवाद किया ब्लकि कक्षा में पढ़ाया भी। इनके अलावा अन्य अधिकारी भी स्कूलों में पहुचें और बच्चों को पढ़ाया।

कार्यक्रम में सम्मिलित हुए एडीपीओ

स्कूल चले हम कार्यक्रम के तहत जिला अभियोजन अधिकारी राजेंद्र उपाध्याय ने हायर सेकेंडरी स्कूल छोला भोपाल में स्कूल के प्राचार्य चक्रेश कुमार जैन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर एडीपीओ महेंद्र सिंह दांगी भी उपस्थित रहे। जनसंपर्क अधिकारी भोपाल संभाग एडीपीओ मनोज त्रिपाठी ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सत्र 2026-27 के लिए स्कूल चले हम अभियान के तहत प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित में भोपाल के कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों ने शनिवार को जिले के समस्त विद्यालयों में कार्यक्रमों में शामिल होकर छात्रों को अध्यापन कार्य करवाया।

पीएमश्री नवीन कन्या विद्यालय तुलसी नगर पहुंचे राज्य शिक्षा केन्द्र संचालक

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह भोपाल के पीएम श्री नवीन कन्या विद्यालय तुलसी नगर पहुंचे और बच्चों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से बात करते हुए उन्हें किताबी पढ़ाई के साथ-साथ दैनन्दिनी जीवन में खेलों के माध्यम से शारीरिक सुदृढता एवं कम्प्यूटर और एआई जैसी तकनीकी सुविधाओं के समावेश पर भी जोर दिया।

इंदौर-उज्जैन में बड़ी संख्या में पहुंचे अधिकारी, ग्वालियर में लगाई फटकार

इंदौर में 160 से अधिक अधिकारी सरकारी स्कूलों में पहुंचे। कलेक्टर शिवम वर्मा ने प्रताप नगर स्थित आश्रम क्रमांक-2 में विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं उज्जैन में 106 अधिकारी स्कूलों में पहुंचे।

डिप्टी सीएम के बंगले पर लगा पोस्टर।

सीएमएचओ ने कहा कार्रवाई जारी

एनएसयूआई ने लगाए पोस्टर, लिखा फर्जी अस्पताल खोलने संपर्क करें टीम नटवरलाल 'नट्टू शर्मा' से

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- **उपमुख्यमंत्री निवास और सीएमएचओ कार्यालय में लगाए पोस्टर**
- **सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा पर लगाया सीधा आरोप**

राजधानी भोपाल में फर्जी अस्पताल खोलने के लिए संपर्क करें 'नट्टू शर्मा'। राजधानी में लगे इस पोस्टर ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एनएसयूआई ने फर्जी अस्पतालों के मुद्दे पर पोस्टर वॉर छेड़ते हुए सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा पर सीधा हमला किया है।

उपमुख्यमंत्री आवास से लेकर सीएमएचओ कार्यालय तक लगे पोस्टरों के माध्यम से सीधे सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा को निशाना बना गया है। एनएसयूआई का आरोप है कि शहर में फर्जी अस्पतालों को संरक्षण दिया जा रहा है, जबकि सीएमएचओ ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। एनएसयूआई द्वारा लगाए गए पोस्टर में एक लाइन भोपाल में फर्जी अस्पताल खोलने के लिए संपर्क करें 'नट्टू शर्मा' लिखी है। इसके बाद से यह पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। इसके साथ ही एक अन्य पोस्टर लगाया गया है, जिसमें अस्पताल की फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट बनाने के लिए संपर्क करें टीम नटवरलाल (नट्टू शर्मा) लिखा है। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उपमुख्यमंत्री निवास का घेराव कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

एनएसयूआई ने लगाया पोस्टर।

फर्जी अस्पतालों का एक संगठित नेटवर्क कर रहा काम

एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने आरोप लगाया कि भोपाल में कई अस्पताल कागजों में डॉक्टर और स्टाफ दिखाकर नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। सीएमएचओ से बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही, जिससे यह आशंका मजबूत होती है कि फर्जी अस्पतालों का एक संगठित नेटवर्क काम कर रहा है।

सीएमएचओ बोले यह राजनीतिक विरोध

सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने वीडियो जारी कर उनएसयूआई के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि यह विरोध राजनीतिक उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं और फर्जी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई भी जारी है। कुछ मामलों में कोर्ट में परिवाद भी दायर किए जा चुके है।

जीएम सिंह ने दिया जल्द समाधान का आश्वासन

भेल शिक्षा मंडल के स्कूलों में फीस वृद्धि को लेकर जीएम एचआर से मिला ऐबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भेल शिक्षा मंडल के स्कूलों में हाल ही में की गई फीस की बेतहाशा वृद्धि के विरोध में ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन (ऐबू) संबद्ध निफ्टू का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को जीएम एचआर टी.यू. सिंह से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऐबू यूनियन के इकाई महासचिव एवं निफ्टू के प्रदेश अध्यक्ष रामनारायण गिरी ने किया। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष सतेंद्र कुमार, कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी, कोषाध्यक्ष विशाल वाणी, कार्यालय मंत्री योगेश देवस्कर, वेलफेयर समिति सदस्य जयप्रकाश चौधरी एवं विभागीय सुरक्षा समिति सदस्य रविंद्र साहू शामिल रहे। यूनियन ने जीएम एचआर को अवगत कराया कि भेल शिक्षा मंडल द्वारा स्कूलों की फीस में अत्यधिक वृद्धि की गई है।। यूनियन ने मांग है कि बीएचईएल के स्कूलों में कर्मचारियों के बच्चों के लिए फीस सब्सिडाइज्ड होनी चाहिए।

यूनियन के साथ आईआर मीटिंग जरूरी

यूनियन ने यह भी बताया कि पूर्व में फीस वृद्धि जैसे मुद्दों पर यूनियन के साथ आईआर मीटिंग आयोजित की जाती थी, जिसे पुनः प्रारंभ किया जाना चाहिए। साथ ही बिना पूर्व सूचना के फीस वृद्धि पर रोक लगाने, अन्य बीएचईएल इकाइयों के स्कूलों की फीस का तुलनात्मक अध्ययन करने तथा स्मार्ट क्लास, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि मांगें रखीं। जीएम एचआर सिंह ने बीएचईएल शिक्षा मंडल के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक हेमराम पटेल से चर्चा कर विषय को गंभीरता से लेते हुए समाधान का आश्वासन दिया।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों को सफलता पाने के बताए मूल मंत्र

एसपीएम कॉलेज में शिक्षा के साथ रोजगार विषय पर व्याख्यान, सफलता के दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना ने विद्यार्थियों को सफलता पाने के मंत्र बताए। साथ ही भविष्य में रोजगार के अवसरों का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विद्यार्थी अच्छे पद पर पहुंच कर समाज व देश का उत्थान कर सकते हैं। उन्होंने शासन द्वारा बी कॉम (बीएफएसआई) के विद्यार्थियों को दिए जाने वाले स्टाइपेंड के बारे में बोलते हुए सफलता की भी जानकारी दी।

एसपीएम में आयोजित व्याख्यान।

विशेषज्ञता और स्किल की आवश्यकता बताई

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ पूर्वी करमचंदानी, प्रोफेसर, विद्यासागर इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट भोपाल ने विद्यार्थियों को किसी एक विषय में विशेषज्ञता हासिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। स्नातक एवं स्नातककोत्तर के अध्ययन के सहित विद्यार्थियों की अन्य शंकाओं का समाधान भी किया। संचालन कार्यक्रम की संयोजक डॉ शिवाली शाक्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ कीर्ति जैन, डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ सुधांशुधर द्विवेदी, विभा श्रीवास्तव, डॉ उमाशंकर कुल्हारे, डॉ धीरज दुलहानी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रेलवे की लॉन्ड्री में एआई तकनीक से होगा काम, गंदे चादरों की होगी पहचान

यात्रियों की शिकायतों में आएगी गिरावट, एक सराहनीय पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पश्चिम मध्य रेलवे अपनी लॉन्ड्री में जल्द ही एआई तकनीक से लैस करने जा रहा है। इसके बाद एसी कोच में यात्रा करने वाले लोगों को दिए जाने वाले चादर, कंबल और कटे-फटे कपड़ों को लेकर आने वाली शिकायत पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी। लॉन्ड्री में लगाए जाने वाले एआई तकनीक से लैस कैमरे गंदे व फटे चादरों, कंबलों की पहचान कर उन्हें स्वतः ही हटा देगा। एआई के उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे से एक-एक बेडरोल का विस्तृत चित्र लिया जाएगा और गंदे व फटे बेडरोल उसके सामने आते ही वह उस पर निशान छोड़ देगा। बाद में इन चादर, कंबल की पहचान कर इन्हें अलग कर लिया जाएगा।

पुणे में शुरू हो चुकी है सुविधा

यह कैमरे से लैस मशीनीकृत लॉन्ड्री सुविधा भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह के पास रेलवे की लॉन्ड्री है। वहीं, जबलपुर में भी रेलवे की लॉन्ड्री है, जहां से धुलाई के बाद चादर, कंबल यात्रियों को उपलब्ध कराए जाते हैं। सबसे पहले इन्ही लॉन्ड्री में एआई तकनीक के कैमरे लगाने की योजना बनाई गई है। मशीनीकृत लॉन्ड्री में चादरों को कंवेयर सिस्टम पर डाला जाता है, फिर उन्हें डिटेक्शन क्षेत्र से गुजारा जाता है। उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे विस्तृत तस्वीर लेते हैं और साफ्टवेयर 100 प्रतिशत सटीकता के साथ दाग और क्षति की पहचान करता है। इसमें एल्गोरिदम और डाटा संग्रह की मदद ली जाती है। यह सिस्टम हर चादर पर दाग और क्षति का प्रतिशत रिकार्ड करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यात्रियों को साफ चादर मिलें।

सड़कें खाली कराने उतरा निगम का अमला, 7 ट्रक सामान जब्त

अतिक्रमण हटाता अमला।

भोपाल। शहर के टीटी नगर क्षेत्र में नगर निगम ने शनिवार को बडी कार्रवाई की। निगम का अतिकमण अमला निगम के अधिकारियों, पुलिस बल और यातायात पुलिस को लेकर सडकें खाली कराने पहुंचा। अतिक्रमण हटाने की संयुक्त कार्रवाई के दौरान अमले ने यहां से करीब 7 ट्रक सामान जप्त किया। साथ ही अतिक्रमण दोबारा नहीं करने की भी हिदायत दी। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर एक दर्जन से ज्यादा क्षेत्रों में यह कार्रवाई की गई। निगम के अतिक्रमण दस्ते के दलों ने शनिवार को दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के न्यू मार्केट, टीटी नगर थाना, रंगमहल चौराहा, होटल पलाश रोड आदि क्षेत्रों से टेबिल, गुमठी, काउंटर, स्टूल, लोहे की जाली सहित विभिन्न प्रकार का सामान जप्त किया। कार्रवाई के दौरान निगम अधिकारी, यातायात एवं टीटी नगर पुलिस बल मौजूद रहा।

रेलवे ने ऑपरेशन चलाकर की यात्रियों की मदद

आरपीएफ ने बिछड़े 720 बच्चों को पहुंचाया घर, 973 यात्रियों का सामान भी लौटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रेल सुरक्षा बल ने रेल संपत्ति एवं यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए वित्तीय वर्ष अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के दौरान अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। रेल सुरक्षा बल ने कई महत्वपूर्ण ऑपरेशन चला कर यात्रियों की मदद की। जहां एक ओर घर से भागे हुए बच्चों को वापस घर पहुंचाया, वहीं यात्रियों का गुमा हुआ समान उन्हें वापस किया। महिलाओं की मदद हो या चोरी, नशे पर पाबंदी सहित कई महत्वपूर्ण कार्य किए।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते: वर्ष 2025-26 में 720 बिछड़े-घर से भागे-अपहृत बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों-चाइल्ड लाइन आदि को सुपुर्द किया गया।

ऑपरेशन अमानत

973 यात्रियों को उनका छूटा-खोया सामान, जिसकी अनुमानित कीमत 2,88,11,829 है, सुरक्षित वापस किया गया। 33 यात्रियों-व्यक्तियों का जीवन बचाया गया। महिला सुरक्षा के तहत प्रतिदिन औसतन 110 ट्रेनों में महिला आरपीएफ स्टाफ द्वारा महिला यात्रियों को सहायता प्रदान की गई। 53,566 व्यक्तियों पर प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जिससे 3,81,97,940 जुर्माना वसूला।

अवैध ई टिकट बेचने वाले पकड़े

ई-रेल टिकटों की अवैध बिक्री करने वालों पर 58 प्रकरण दर्ज कर 64 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 52,24,175 मूल्य के 3,361 ई-टिकट जब्त किए गए। 18,166 अनाधिकृत वेंडरों पर कार्रवाई कर 2,20,27,060 जुर्माना वसूला गया। 328 प्रकरणों में 635 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 23,09,471 मूल्य की रेल संपत्ति बरामद की गई। 308 आरोपियों को पकड़कर 283 प्रकरणों का खुलासा किया गया।

अवैध आर्म्स के साथ यात्रा

31 व्यक्तियों को पकड़कर जीआरपी-पुलिस को सुपुर्द किया गया। 501 व्यक्तियों को पकड़कर 492 प्रकरणों का निराकरण किया गया। 10,678 व्यक्तियों पर कार्रवाई कर 52,82,719 जुर्माना वसूला गया।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 5 अप्रैल 2026

5 उपलब्धियां युवाओं के लिए विज्ञान, अनुसंधान....

9 धागों के जरिए मोनालिसा को जीवंत करने के साथ...

3

अभी न रुकेगी बारिश, न छटेंगे बादल न ही मिलेगी आंधी-ओले से राहत

नए पश्चिमी विक्षोभ और तीन सकुर्लेशन से बढ़ेगी मौसम में बदलाव की अवधि, अब एक सप्ताह से अधिक समय तक ऐसा ही मौसम

लगातार चौथे दिन जारी रहा बारिश-आंधी का दौर, दिन का पारा सामान्य से कम और रात का अधिक दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश जिलों में अभी मौसम की करवट जारी है। मौसम के इस बदलाव की अवधि में अब करीब 6 से 7 दिन का इजाफा हो गया है। इसलिए अभी प्रदेश में न तो बारिश कम होगी, न बादल छंटेंगे और न ही आंधी-ओले से लोगों को राहत मिलेगी। यह क्रम अब 10 अप्रैल के बाद तक चलने की उम्मीद है। इससे दिन में तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। मौसम केंद्र के अनुसार अगले दो दिन प्रदेश में आंधी- बारिश जारी रहेगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ के आने के कारण अब बारिश और आंधी की अवधि करीब एक सप्ताह बढ़ जाएगी। इससे उम्मीद है कि 10 अप्रैल के करीब तक प्रदेश में आंधी-बारिश और कुछ जगह ओले का दौर रहेगा। इससे तापमान ज्यादा नहीं बदलेगा।

दिन का पारा सामान्य से कम, रात का ज्यादा

शनिवार को शहर में दिन के तापमान में दशमलव 8 डिग्री की कमी आई, जबकि रात का पारा इतना ही बढ़ गया। दिन का तापमान 35.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री कम है, जबकि रात 21.8 डिग्री रहा। यह नॉर्मल से 1.2 डिग्री ज्यादा रहा है। दिन और रात के तापमान में प्रदेश भर में यही ट्रेंड रहा है। दिन का पारा सामान्य से औसतन 3 डिग्री तक कम और रात का 2 डिग्री तक अधिक बना हुआ है। सबसे अधिक पारा खरगौन में 37.6 डिग्री रहा है।

इसलिए बढ़ी बारिश की अवधि

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ एक सकुर्लेशन के रूप में मध्य पाकिस्तान और आसपास है। एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन पंजाब और हरियाणा के ऊपर है, जबकि एक अन्य साइक्लोनिक सकुर्लेशन छत्तीसगढ़ और आसपास है। जेट स्ट्रीम भी करीब 232 किमी की रफ्तार से सक्रिय है। अब नया पश्चिमी विक्षोभ 7 अप्रैल से हिमालय क्षेत्र में सक्रिय होगा। इससे प्रदेश में दो दिन आंधी बारिश के साथ ही 7 से 10 अप्रैल के बीच मौसम में फिर बारिश और आंधी-ओले का दौर तेज हो जाएगा।

आज यहां बारिश का अलर्ट

रविवार को नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा में बारिश के साथ आंधी का येलो अलर्ट है।

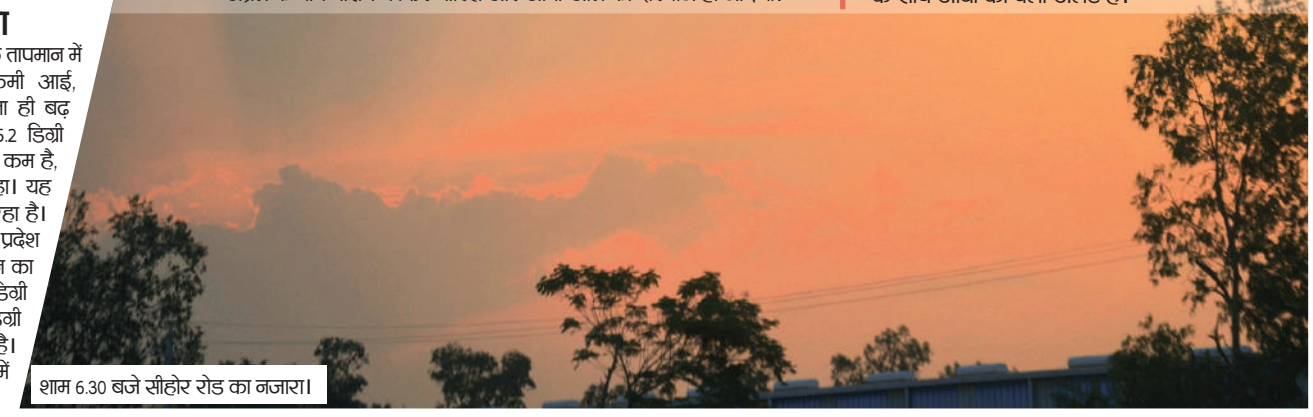

शाम 6.30 बजे सीहोर रोड का नजारा।

भोपाल मेट्रो टनल के लिए ऐसा है शहर का सिक्योरिटी प्रोटोकॉल

जमीन बैठने की जांच के लिए सेटेलमेंट मार्कर, दरारों के लिए क्रेक मीटर लगाए

जर्जर इमारतों की सुरक्षा के लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग तकनीक का होगा उपयोग

टनल बोरिंग मशीन से अभी खुदाई शुरू नहीं, ट्रायल रन और तकनीकी रूप से की जा रही है तैयारी

भोपाल रेलवे स्टेशन से पुल पातरा के बीच टनल रूट के ऊपर हैं कई जर्जर भवन, इन्हें खाली कराने पर असमंजस

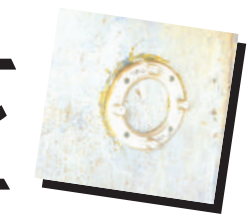

जमीन बैठने की जांच के लिए लगाए गए सेटेलमेंट मार्कर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के रेलवे स्टेशन से पुल पातरा तक मेट्रो टनल बोरिंग मशीन से खुदाई के दौरान जर्जर इमारतों की सुरक्षा के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग तकनीक का उपयोग किया गया है। उक्त रूट पर 45 से 50 साल पुरानी कई इमारतें हैं जिनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इन इमारतों में कई तरह के उपकरण निमार्णकर्ता एजेंसी ने लगाए हैं।

इमारत के झुकाव को मापने ऑटोमैटिक टोटल स्टेशन जबकि दरारें मॉनिटर करने टिल्टमीटर, क्रैक मीटर और जमीन बैठने की जांच के लिए सेटेलमेंट मार्कर लगाए गए हैं। शनिवार को हरिभूमि की टीम ने ट्रैक रूट पर भवनों की सुरक्षा को लेकर जब हाल देखने पहुंची तो यह उपकरण लगे मिले। जिन्हें कई इमारतों की छत, दीवार और जमीन के उपर लगाया गया है। मेट्रो प्रशासन का कहना है कि मेट्रो के लिए जब टीबीएम से टनल का काम शुरू होता है तो उसके सिक्योरिटी प्रोटोकाल के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग तकनीक का उपयोग किया जाता है। उसी के तहत रूट के दायरे में आ रहे भवनों व उनके आसपास उपकरण लगाए गए हैं। हालांकि अभी टीबीएम से खुदाई का काम शुरू नहीं हुआ है। अभी टीबीएम का ट्रायल रन और तकनीकी पहलुओं को जांचा जा रहा है। संभवत दो-तीन दिन के बाद खुदाई का काम शुरू हो जाएगा।

विशेष खबर

अल्पना तिराहे पर स्थित सूर्या होटल एवं राजश्री होटल। इनसेट में छत की दरारें मापने टिल्टमीटर लगाए गए हैं।

नादरा बस स्टैंड तक टनल बनाने की भी तैयारी

इधर, अल्पना तिराहे पर अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन से नादरा बस स्टैंड के लिए भी टनल बनाने का काम जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए निर्माणकर्ता एजेंसी ने तैयारी शुरू कर दी है। मेट्रो प्रशासन का कहना है कि इस तरह की कार्ययोजना बनाई गई है कि दो दिशाओं की टनल का काम एक साथ पूरा हो सके।

स्ट्रक्चरल वैल्युएशन के लिए पहुंचेगी टीम

टनल रूट के दायरे में आ रहे भवनों का स्ट्रक्चरल वैल्युएशन होना है। इसके बाद ही भवनों को खाली करवाना है या नहीं इस पर निर्णय किया जा सकेगा। इधर, इन भवनों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने पर मेट्रो प्रशासन ने नगर निगम की आयुक्त संस्कृति जैन को पत्र लिखा था, जिसे मैनिट भेजा गया है। अब वहां के एक्सपर्ट स्ट्रक्चरल वैल्युएशन करेंगे, उसके बाद ही निर्णय होगा। मेट्रो प्रशासन के अनुसार यह टीम कब तक मौके पर पहुंचेगी इसके बारे में उसे कोई भी जानकारी नहीं है।

इंडेन गैस के डीएसई नंबर अटके बुकिंग फेल, एजेंसियों पर हंगामा

गैस एजेंसियों पर कम नहीं हो रही भीड़

एडीएम, एसडीएम और तहसीलदार गैस एजेंसियों पर पहुंचे, किया मुआयना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत कम होने का नाम नहीं ले रही है। हालात यह हैं कि एचपी और भारत गैस कंपनी के सिलेंडर आठ से दस दिन में मिल भी रहे हैं, लेकिन इंडेन कंपनी के सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं को खासी जद्दोजहद करना पड़ रही है। दो दिन पहले बुकिंग वाले उपभोक्ताओं के बिल जनरेट नहीं होने पर उपभोक्ताओं ने एजेंसी पर हंगामा किया था। इसके बाद शनिवार को बुकिंग करने के बाद भी उपभोक्ताओं के मोबाइल पर डीएसई नंबर जनरेट नहीं हुए। जिसके बाद उपभोक्ता गैस एजेंसियों पर पहुंच गए। संचालकों ने बताया कि बिना डीएसई नंबर बिल जनरेट नहीं होगा। इसके बाद उपभोक्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया। अफसरों की समझाइश पर उपभोक्ता वापस लौटे।

इंडेन कंपनी के उपभोक्ताओं की बुकिंग होने के बाद भी डीएसई नंबर जनरेट नहीं हो रहे हैं। जिसकी वजह से उपभोक्ताओं के साथ भ्रम के हालात बन रहे हैं। अफसरों का कहना है कि बुकिंग के बाद जब तक डीएसई नंबर जनरेट नहीं होगा, बुकिंग फेल मानी जाएगी। कंपनियां बिना जानकारी के नए नियम लागू कर रही हैं। वर्तमान में इंडेन में डीएसई नंबर जनरेट नहीं हो रहा। इससे सिलेंडर की गाड़ियां डिपो से नहीं निकल रहीं। इधर इंडेन कंपनियों ने एजेंसी संचालकों से पिछले साल डिलीवर किए गए सिलेंडरों का ऑनलाइन रिकार्ड भी मांगा है। रिकार्ड पेश नहीं करने वाली एजेंसियों को सिलेंडर की सप्लाई रोक दी गई है। चंद्रकांता गैस एजेंसी से पिछले साल के 1100 सिलेंडर का हिसाब मांगा गया है, जिसकी वजह से सिलेंडर का स्टॉक नहीं आ पा रहा है।

करोंद स्थित इंडेन की हैप्पी गैस एजेंसी पर हंगामा करते उपभोक्ता।

इन एजेंसियों की भी हुई जांच

शनिवार को अफसरों ने नैनिका एचपी गैस एजेंसी शाहपुरा, भारत गैस एजेंसी शाहपुरा, कोलार इंडेन बंजारी और सिद्धार्थ इंडेन शाहपुरा की जांच की गई। अफसरों ने इन एजेंसियों के गोदामों में भी स्टॉक के बारे में जानकारी ली।

बारह सौ सिलेंडर की बुकिंग, स्टॉक में चार सौ सिलेंडर

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सभी एसडीएम को गैस एजेंसियों की जांच आदेश जारी किया था। जिसके तहत शनिवार को अपर कलेक्टर सुमित पांडे शिवाजी नगर जौहर इंडेन एजेंसी पहुंचे, जहां उपभोक्ताओं की लाइन लगी हुई थी, यहां सर्वर की दिक्कत सामने आई। इसी तरह बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय जाहन्वी इंडेन गैस एजेंसी पहुंचे, जहां शनिवार को 12 सौ सिलेंडर की डिलीवरी की जानी थी, लेकिन स्टॉक में चार सौ सिलेंडर थे। शेष को दो से तीन दिन में सिलेंडर लेने की बात कही गई।

प्रदेश का पहला जिला अस्पताल जेपी, जहां शुरू हुई वीडियो ब्रोंकोस्कॉपी जांच

कैंसर-टीबी की जल्द पहचान करने के लिए जेपी में वीडियो ब्रोंकोस्कोपी यूनिट शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अब फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, टीबी और संक्रमण की जांच के लिए मरीजों को बड़े संस्थानों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। राजधानी के मॉडल अस्पताल जेपी में शनिवार से वीडियो ब्रोंकोस्कॉपी जांच सुविधा शुरू हुई है। जेपी अस्पताल यह जांच सुविधा देने वाला प्रदेश का पहला जिला अस्पताल है। यहां पदस्थ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ अंकित तोमर द्वारा यह जांच की गई। ये जांच बेहद महंगी है। निजी अस्पतालों में इस पर 10 से 15 हजार का खर्चा आता है। सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन ने बताया कि पहले ये सुविधा केवल मेडिकल कॉलेजों तक सीमित थी। सरकार द्वारा जिला अस्पतालों में इस सेवा का विस्तार किया जा रहा है, जिसके क्रम में भोपाल के जिला अस्पताल में ये यूनिट स्थपित की गई है।

ब्रोंकोस्कोपी मशीन से जांच करते डॉक्टर।

कई सेवाएं मिलेंगी

ये जांच ट्यूबरक्लोसिस, लंग कैंसर, बार बार होने वाले इन्फेक्शन, निमोनिया, अनेक्सप्लेंड कफ या खून आना जैसी समस्याओं में बेहद उपयोगी है। इसके साथ ही बायप्सी के सैंपल लेना, टिश्यू बायप्सी लेकर इन्फेक्शन या कैंसर कन्फर्म करना, बीएएल से इंफेक्शन का पता करना जैसी सेवाएं भी वीडियो ब्रोंकोस्कोपी से मिल सकेंगी।

डॉ मनीष शर्मा, सीएमएचओ

कैमरे वाले ट्यूब, अंदरुनी हिस्से की हो सकती है लाइव जांच

यह आधुनिक चिकित्सीय जांच प्रक्रिया है, जिसमें एक पतली-लचीली ट्यूब (ब्रोंकोस्कोप) के जरिए नाक या मुंह के रास्ते फेफड़ों और श्वसन नली के अंदर की स्थिति देखी जाती है। इस ट्यूब में कैमरा लगा होता है, जिससे डॉक्टर फेफड़ों के अंदरूनी हिस्सों की लाइव जांच कर सकते हैं।

मोहल्ले की महिलाओं ने घेरा अरेरा हिल्स थाना, आरोपी को फांसी की सजा दिलाने की मांग

छह साल की मासूम से 58 साल के गार्ड ने किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र के एक स्लम क्षेत्र में 6 साल की मासूम से 58 साल के बुजुर्ग द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। घटना गत 27 मार्च की रात करीब 10 बजे की है। जब बच्ची कन्याभोज से घर जा रही थी, तभी आरोपी उसे साथ घर लेकर पहुंचा, वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। वहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है। मामला संवेदनशील होने के कारण पुलिस ने दबा लिया।

दरअसल, 6 साल की बच्ची इलाके के स्लम क्षेत्र में रहती है और पहली कक्षा की छात्रा है। 27 मार्च को वह मोहल्ले में कन्याभोज में खाना खाकर लौट रही थी, तभी रात करीब दस बजे मोहल्ले के दिनेश शाक्य ने उसे अपने घर बुला लिया। घर ले जाकर आरोपी ने उसके साथ गंदी हरकत की। मासूम की मां उसे लेने मोहल्ले में पहुंची। मासूम उसे मिली और आपबीती सुनाई। मासूम की मां तत्काल थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराने के बाद आरोपी को दबोच लिया। उसके खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

मोहल्ले की महिलाओं ने घेरा थाना

शनिवार दोपहर मोहल्ले की महिलाएं इकट्ठी हुईं और अरेरा हिल्स थाने पहुंचीं। थाने के सामने महिलाओं ने नारेबाजी की। इस दौरान एसीपी एमपी नगर पहुंचे और महिलाओं को समझाइश दी। तब जाकर महिलाओं का गुस्सा शांत हो सका। महिलाएं कह रही थी कि आरोपी को फांसी की सजा दिलाई जाए। पुलिस ने महिलाओं को आश्वासन दिया है कि आरोपी के खिलाफ संपूर्ण कार्रवाई की जा चुकी है।

बड़े तालाब से अतिक्रमण हटाने टास्क फोर्स की बैठक

लाल निशान के एक महीने बाद नोटिस, अब एक हफ्ते में हटेंगे कब्जे

प्राइवेट और सरकारी 383 कब्जेदारों को नोटिस

सुनवाई के बाद चलेगा बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बड़े तालाब के फुल टैंक लेबल से पचास मीटर के अंदर निर्माणों को तोड़ने की तैयारी एक बार फिर शुरू हो गई है। इसके 40 दिन पहले जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने बैरागढ़ और टीटी नगर क्षेत्र में निजी और सरकारी अतिक्रमणों को चिन्हित किया था। जिसके बाद बैरागढ़ में 266 अतिक्रमण और टीटी नगर में 117 अतिक्रमण चिन्हित किए गए थे। हालांकि नगर निगम और जिला प्रशासन ने दो अप्रैल को नोटिस जारी किए हैं। जिसके बाद एक हफ्ते की मोहलत दी गई है। अब दस अप्रैल तक बुलडोजर चलाने का दावा किया जा रहा है।

सबसे ज्यादा कब्जे बैरागढ़ सर्कल के कोहेफिजा, खानूगांव, हलालपुर, बैरागढ़ कलां, बेहटा और बोरबन में मिले हैं। यहां 44 पक्के निर्माण मिले हैं, जिसमें बंगले, विला और मल्टी स्टोरी बिल्डिंग शामिल हैं। यहां पर 17 सरकारी अतिक्रमण भी चिन्हित किए गए हैं।

इसके साथ बेहटा और बोरवन में 170 झुग्गियों को भी अतिक्रमण में दर्ज किया गया है। इसी तरह टीटी नगर में 49 सरकारी और 68 निजी अतिक्रमण जद में आए हैं, जिन्हें तोड़ा जाएगा। इसमें सरकारी निर्माणों को लेकर तहसीलदार और निजी निर्माणों के मामले में नगर निगम ने नोटिस दिए हैं।

अतिक्रमण के लाल निशान वाला पूर्व पार्षद माहिरा सलामुद्दीन का घर।

50 मीटर में आने वाले सभी निर्माण टूटेंगे

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि एफटीएल से 50 मीटर के दायरे में जितने भी निर्माण 16 मार्च 2022 के बाद हुए हैं, उन्हें अतिक्रमण के तहत तोड़ा जाएगा। ये बड़ा तालाब का शहरी हिस्सा है, जबकि ग्रामीण हिस्से में एफटीएल से ढाई सौ मीटर की दूरी तय है। अब तक के सर्वे में 383 पक्के निर्माण और झुग्गियां सामने आई हैं।

पूर्व पार्षद के मकान से निशान मिटाया

वीआईपी रोड स्थित पूर्व पार्षद माहिरा सलामुद्दीन के पति आजम के मकान पर भी लाल निशान लगाया गया। यहां पर 15 मीटर अंदर तक करीब पचास फीट का दायरे अवैध निर्माण की जद में आ रहा है। यहां पर लगे लाल निशान को पुताई कर मिटा दिया गया है, जिससे अतिक्रमण का पता नहीं चल सके। अफसरों का कहना है कि निशान मिटाने वालों के निर्माण भी तोड़े जाएंगे।

अतिक्रमणकारियों को मिलेगा सुनवाई का मौका

अपर कलेक्टर अंकुर मेश्राम का कहना है कि जिन अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें सुनवाई का पूरा मौका दिया जाएगा। जिसको लेकर सुनवाई की जा रही है। मार्च-2022 के पहले हुए निर्माणों के संबंध में नगर निगम निर्णय लेगा।

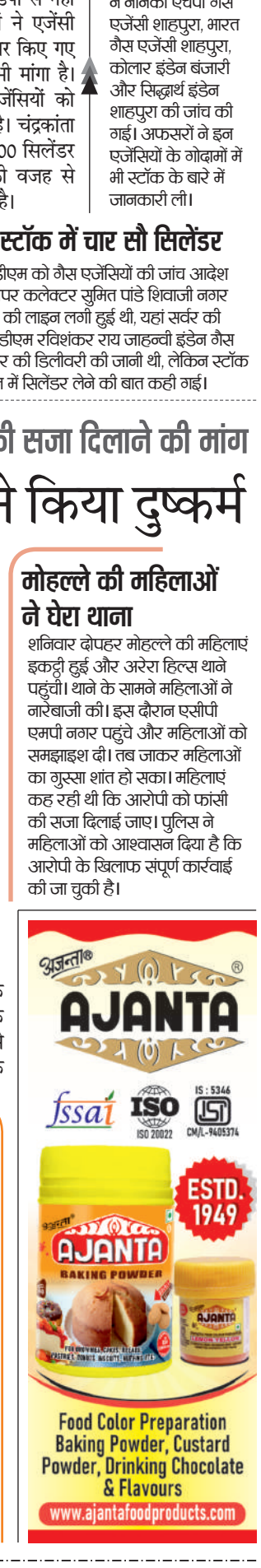

खबर संक्षेप

न्यू मार्केट आइडियल बिजनेस जोन होगा

भोपाल। न्यू मार्केट व्यापारी संरक्षण समिति और दक्षिण पश्चिम के विधायक भगवान दास सबनानी के बीच हुई बैठक में पार्किंग की समस्या को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में पिक पार्किंग अतिक्रमण आदि विषयों को लेकर भी चर्चा हुई। शनिवार को आयोजित हुई बैठक में विभिन्न विषयों पर बातचीत हुई। इसमें न्यू मार्केट को आइडियल बिजनेस जोन बनाने पर चर्चा हुई।

फोर लेन बनने से बदलेगी इटारसी-बैतूल की तस्वीर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के इटारसी-बैतूल सेक्शन में 22 किमी लंबे टाइगर कॉरिडोर को फोर लेन बनाने के लिए 758 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फोर लेन बनाने के लिए मंजूरी प्रदान के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि फोर लेन बनने से इटारसी-बैतूल क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। केंद्र द्वारा फोर लेन निर्माण के लिए मंजूरी देने से अब यहां विकास की नई बयार बहेगी।

भाजपा स्थापना दिवस पर कार्यक्रम कल

औबेदुल्लागंज। जयप्रकाश शर्मा मित्र मंडल के द्वारा भाजपा के

स्थापना दिवस के अवसर पर 6 अप्रैल दोपहर 12 बजे जैन मंदिर भोजपुर में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा। युवाओं के साथ संवाद एवं मार्गदर्शन संगठन की विचारधारा एवं उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। जयप्रकाश शर्मा ने सभी साथियों से कार्यक्रम में उपस्थिति होने की अपील की है।

तीन भाजपा नेताओं के बीच चल रही खींचतान

औबेदुल्लागंज। पंकज कोठारी, बागिश अग्रवाल और अंकित अग्रवाल के बीच राजनीतिक

खींचतान तेज हो गई है। ये तीनों नेता भाजपा के हैं और यह तीनों नेता विधायक पटवा के खास हैं। नपा उपाध्यक्ष नमीता अग्रवाल के पति बागिश अग्रवाल और पंकज कोठारी विधायक सुरेंद्र पटवा के चहेते हैं और मीडिया प्रभारी भी हैं। वहीं अंकित अग्रवाल लोकप्रिय और स्पष्ट वादी हैं। इसीलिए उनकी पंकज कोठारी से खींचतान चलती रहती है। तीनों नेता नगर परिषद अध्यक्ष के दावेदार हैं। वर्तमान में बागिश अग्रवाल की पत्नी नमीता अग्रवाल नगर परिषद की उपाध्यक्ष है एवं मीडिया पैनलिस्ट बनी हैं।

मानस मंडल के प्रवक्ता गुप्ता का मनाया जन्मदिन

औबेदुल्लागंज। मानस मंडल के प्रवक्ता संतोष गुप्ता का शनिवार को जन्म दिन बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। पंकज शर्मा ने फूलमाला पहनाकर दीर्घायु होने की कामना की। मानस मंडल के सदस्य अरविंद राय, अनिल नागर, तेजसिंह नागर, अशोक काका, राहुल महेश्वरी, अंशुल जैन, संदीप माहेश्वरीर, रज्जू महेश्वरी, अनुराग राय, मुकेश रज्जू, नामदेव बंटी जोशी, रामकिशोर, भोरो सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

शुभांक

कल्याणः	1736		
दिनः	138	20	468
रातः	468	82	345
ताराः			
दिनः	138	20	468
रातः	468	82	345

साइबर जालसाज ने 50 फीसदी का मुनाफा होने का दिया था प्रलोभन

जालसाज ने क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर बैंककर्मी से की 2 लाख 80 हजार रुपए की ठगी

एयू स्मॉल बैंक के खाते पर अलग-अलग बार में कुल दो लाख 80 हजार 920 रुपए ट्रांसफर किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कमलानगर थाना क्षेत्र में निजी बैंककर्मी को अज्ञात साइबर जालसाज ने 2 लाख 80 हजार रुपए की चूना लगा दिया। आरोपी ने खुद को क्रिप्टो और शेयर मार्केट का इंवेस्टर बताकर बैंककर्मी से दो लाख 80 हजार 929 रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। साइबर जालसाज ने रकम निवेश करने पर 50 फीसदी का मुनाफा होने का प्रलोभन दिया था। रकम खाते में डालते ही आरोपी ने फरियादी से संपर्क बंद कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक नेहरू नगर निवासी राहुल सोनाने (38) मेपल स्ट्रीट आशिमा मॉल के सामने एयू बैंक में नौकरी करते हैं। विगत 24 मार्च की दोपहर अपने टेलीग्राम नंबर से इंवेस्टमेंट स्टॉक और क्रिप्टो करेंसी सर्च करने पर उन्हें उनके व्हाट्स एप नंबर पर एक अज्ञात व्हाट्स एप नंबर से हैलो मनी इंवेस्टमेंट सर लिखा मैसेज प्राप्त हुआ। कुछ देर बाद अज्ञात मोबाइल नंबर से नार्मल कॉल कर कहा गया कि व्हाट्स एप ओपन करो। जब राहुल सोनाने ने व्हाट्सएप ओपन करके देखा तो उक्त अज्ञात व्हाट्स एप नंबर से किया गया मैसेज मिला। लिहाजा फरियादी ने व्हाट्स एप पर चैटिंग की। उस अज्ञात व्यक्ति ने बताया कि पांच हजार रुपए इंवेस्ट करने पर आपको ढाई हजार रुपए का लाभ प्राप्त होगा।

साइबर सेल में की शिकायत

प्रलोभन में आकर फरियादी राहुल ने 24, 25, 26 और 27 मार्च को बैंक ऑफ इंडिया के खाते से अज्ञात व्यक्ति के बताए एयू स्मॉल बैंक के खाते पर अलग-अलग बार में कुल दो लाख 80 हजार 920 रुपए ट्रांसफर कर दिए, लेकिन रकम ट्रांसफर करने के बाद भी उसे मुनाफे अथवा मूल के रूप में कोई रशि नहीं दी गई। कॉल या मैसेज करने पर कोई जवाब नहीं मिल रहा है। फरियादी का कहना है कि अज्ञात सायबर जालसाज ने शेयर मार्केट और क्रिप्टो करेंसी का निवेशक बनकर उसके साथ दो लाख 80 हजार 920 रुपए की ठगी की है। उसने घटना की शिकायत थाने जाकर साइबर सेल में की थी।

टैक्स सखियों ने 614 गांवों से बकाया राशि 4 करोड़ 65 लाख रुपए वसूली

टैक्स सखियों को मिला दस फीसद कमीशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

तीन साल से बंद पड़ा पंचायतों में टैक्स कलेक्शन इस बार फिर शुरू हो गया है, जिसके तहत जिले की 187 ग्राम पंचायतों के 614 गांवों से 4 करोड़ 65 लाख रुपए की वसूली की गई है। इस वसूली का दस फीसद हिस्सा टैक्स सखियों को भी दिया गया है। वसूली गई राशि से पंचायतों में विकास के काम कराए जाएंगे। जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी का कहना है कि इस पहल के तहत 4 करोड़ 65 लाख रुपए की वसूली गई है। इसके साथ टैक्स सखियों को कमीशन का प्रति माह औसतन 3 से दस हजार रुपए तक का फायदा भी हुआ है। टैक्स में संपत्ति कर 200, स्वच्छता कर (50-60), व्यावसायिक टैक्स (1400) और जलकर 60 से 100 रुपए तक वसूल किए जाते हैं।

सीईओ ने बताया कि इस व्यवस्था के तहत जिन पंचायतों में टैक्स सखियों ने सबसे ज्यादा कलेक्शन किया है। उन्हें सम्मानित किया जाएगा। जबकि कम प्रगति मामले में मार्गदर्शन किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने किया अरेस्ट

भेल के खंडहर में युवकों से लूट करने वाले आरोपी पूरब पिस्टल और मार्टिन गिरफ्तार

पुलिस ने किया आरोपियों के पास से चाकू बरामद, लूट में हाथ लगने रुपए खर्च कर दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित भेल के सुभाष मार्केट स्थित खंडहर में दो युवकों से चाकू की नोक पर लूट करने वाले आरोपी पूरब पिस्टल और मार्टिन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से चाकू भी बरामद कर लिया है, जबकि लूट में हाथ लगने रुपए आरोपियों ने खर्च कर दिए।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में एक आरोपी चाकू दिखाकर दो युवकों से रुपए और मोबाइल सहित गाड़ी की चाबी मांगते हुए नजर आ रहा था। आरोपी का साथी घटना का वीडियो मोबाइल पर बना रहा था। वीडियो में दिखे युवकों से पुलिस ने संपर्क किया। इस दौरान पता चला कि दोनों युवक गौरव मीना निवासी अशोका गार्डन और उसका दोस्त है। उन्होंने बताया कि गत 17 मार्च को वह भेल सुभाष मार्केट के पीछे खंडहर में गए थे। वहां पर्स छूट गया, जिसे देखने के लिए अगले ही दिन 18 मार्च को एक बार वह फिर खंडहर में पहुंचे।

वहां पर अन्ना नगर का मार्टिन अपने साथी पूरब पिस्टल के साथ मिल गया। मार्टिन ने हमारा वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जबकि पूरब पिस्टल बड़ा सा चाकू दिखाकर धमकाने लगा। वह गालियां दे रहा था और चाकू के पिछले वाले हिस्से से मारकर डरा रहा था। वह कह रहा था कि जो भी है दे दो नहीं हाथ पैर काट दूंगा। डर के कारण गौरव मीणा और उसके साथी ने अपने पास रखे क्रमशः पंद्रह सौ और एक हजार रुपए निकालकर आरोपी को दे दिए। बाद में आरोपी ने मोबाइल मांगे डर के कारण मोबाइल भी दे दिए। गौरव और उसके दोस्त ने कहा कि हमारे मोबाइल लौटा दो बदले में हम तुम्हे चार हजार रुपए की व्यवस्था करा देंगे। आरोपी ने उन्हें मोबाइल लौटा दिए और चार हजार रुपए लेकर निकल गया।

पूरब पिस्टल, आरोपी

मार्केट, आरोपी

धमकाते हुए कहा- मुझे पूरब पिस्टल कहते है ...

आरोपी जाते समय गौरव और उसके साथी को धमकी देकर गया था कि मुझे पूरब पिस्टल कहते हैं यदि किसी को कुछ बताया तो समझ लेना। गौरव और उसके साथी डर गए। लिहाजा उन्होंने घटना की जानकारी किसी को नहीं दी। इधर, कुछ दिन बाद घटना का वीडियो आरोपियों ने वायरल कर दिया। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी मार्टिन व पूरब उर्फ पिस्टल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी पूरब और उसका साथी मार्केट के खंडहर की तरफ जाते हुए देखे गए। पुलिस टीम मुखबिर के ठिकाने पर पहुंची और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने लूट की घटना स्वीकार ली। आरोपियों से लूट में इस्तेमाल चाकू जब्त कर लिया है, जबकि लूट में हाथ लगे रुपए वह खर्च कर चुके थे।

पहचान छिपाने मुंडवा लिया सिर

थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि आरोपी पूरब पिस्टल को लगा कि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस उसे गिरफ्तार कर लेंगी। उसने अपनी पहचान छिपाने सिर मुंडवा लिया था।

बरखेड़ा में ज्वेलर्स की दो दुकानों पर डकैती डालने की बनाई थी योजना

भेल खंडहर में डकैती की योजना बनाते पांच धराए

गोविंदपुरा पुलिस ने सिक्योरिटी लाइन के पास भेल के खंडहर से पांच आदतन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की दलील है कि यह सभी आरोपी डकैती की योजना बना रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार सभी पांचों आरोपियों पर पूर्व में आपराधिक प्रकरण दर्ज है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि सिक्योरिटी लाइन के पास भेल के खंडहर क्वार्टर में कुछ आदतन बदमाश हथियार लिए बैठे हुए हैं। वह सभी डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस की टीम सिक्योरिटी लाइन पहुंची। इस दौरान भेल खंडहर क्वार्टर में लाइट नजर आई। पुलिस की टीम ने खंडहर की घेराबंदी की और अंदर बैठे पांचों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम नागू नरवाडे थाना चूनाभट्टी भोपाल, मोहम्मद इकबाल हनुमानगंज, संजय प्रजापति उर्फ सोनू उर्फ भूरा कोलार, इरशाद खान, ऐशबाग बताया। उनके साथ दो नाबालिग मौजूद थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार चाकू, मास्क, मिर्च पाउडर, दुकान का ताला तोड़ने का सामान (टामी, पेचकस, रॉड) और दो बाइक बरामद की है। आरोपियों ने विजय मार्केट बरखेड़ा में ज्वेलर्स की दो दुकानों पर रात्रि में डकैती डालने की योजना बनाई थी। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह वह दुकानों की रैकी भी कर चुके थे। 3-4 अप्रैल की दरमियानी रात उन्हें डकैती डालनी थी। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

अशोका गार्डन थाना के कैलाश नगर सेमरा का मामला

छत पर बैठा युवक नीचे गिरा, अस्पताल में मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित कैलाश नगर सेमरा में छत से गिरकर युवक घायल हो गया। उसका जीजा उसे ऑटो से हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। करीब बीस फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण उसे सिर और शरीर में गंभीर चोट थी। प्राथमिक जांच में पुलिस इसे हादसा मानकर चल रही है।

पुलिस के अनुसार जीतू गौड़ (34) मूलतः डबरा, जिला ग्वालियर का था। भोपाल में वह कैलाश नगर में अपने जीजा के साथ किराए से रहता था और कारपेंटरी का काम करता था। करीब पंद्रह दिन पहले ही उसने कैलाश नगर में गुप्ता के मकान में किराए का कमरा लिया था। शुक्रवार रात करीब 9 बजे वह जीजा के कमरे था। उसने खाना खाया और अपने कमरे पर आ गया। रात करीब 1 बजे छत पर वह बैठा हुआ था। छत पर रखा गमला और वह नीचे गिर गया। कुछ दूरी पर मौजूद युवक ने आवाज सुनी और वह पास पहुंचा था। इस दौरान उसने जीतू को नीचे पड़े देख मकान मालिक को जानकारी दी। मकान मालिक ने जीतू के जीजा को बुलाया। जीतू का जीजा उसे लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर जीतू को मृत घोषित कर दिया।

कार्यालीन प्रक्रिया एवं सेवा प्रावधानों पर दो दिवसीय सेमिनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी में 1 एवं 2 अप्रैल को कार्यालीन प्रक्रिया, अवकाश, पेंशन, ग्रेजुएटी, खाते रिकॉर्ड, सेवा पुस्तिका एवं विभिन्न प्रकार की सहायता संबंधी प्रावधान विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा संबंधी नियमों एवं कार्यालयीन प्रक्रियाओं की गहन एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक (ग्रामीण), भोपाल संजय तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कार्यालीन प्रक्रियाओं की शुद्धता एवं समयबद्धता को प्रशासनिक कार्यकुशलता का आधार बताते हुए अधिकारियों को नियमों की स्पष्ट समझ विकसित करने पर बल दिया। सेमिनार में प्रदेश की विभिन्न पुलिस इकाइयों से आए प्रतिभागियों के साथ-साथ प्रशिक्षणरत 44वें उप पुलिस अधीक्षक बैच के अधिकारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान अवकाश, पेंशन, ग्रेच्युटी, सेवा पुस्तिका संधारण, सेवा संबंधी प्रावधानों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई।

हिरानिया की सबसे पुरानी बावड़ी और तालाब में गंदगी ही गंदगी

रहवासियों ने की सीएमओ से सफाई कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

हिरानिया नगर परिषद वार्ड 8 में आता है। रेलवे स्टेशन से डेढ़ सौ मीटर दूर पुरानी बावड़ी है। इस बावड़ी से औबेदुल्लागंज के रहवासी और हिरनिया लोग 1952 से पीने का पानी भरते थे। हिरानिया के आरडी सेरिया, द्वीज चौरसिया, पूर्व पार्षद उमेश नागर, वरिष्ठ योगेश तिवारी, रवि नागर, डॉ. नंदू नागर, उत्तम यादव, नारायण सेन, महेंद्र नागर ने बताया कि वर्तमान में बावड़ी का पानी प्रदूषित हो गया है। बावड़ी में कचरा होने के कारण पानी गंदा हो गया है।

बावड़ी अंग्रेजों ने बनवाई थी। भोपाल के नवाब के समय हिरानिया सबसे बड़ा गांव था। हिरानिया में बावड़ी और खेड़ापति माता मंदिर का तालाब प्रसिद्ध रहा है। वर्तमान में बावड़ी और तालाब अतिक्रमण

गंदगी से भरी बावड़ी।

के कारण प्रदूषित हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गंगाजल सर्वधन योजना के तहत बावड़ी तालाबों की सफाई करके शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए हैं। मगर 2025 में बावड़ी की सफाई नहीं हुई, न तालाब की सफाई कराई गई, जिसके कारण तालाब और बावड़ी का पानी दूषित हो गया है। रहवासियों ने नगर परिषद के सीएमओ और पार्षद सरोज रामेश्वर नागर से बावड़ी और तालाब की सफाई कराने और अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

घर से गायब दो नाबालिग नर्मदापुरम बैतूल से बरामद, परिजनों को सौंपा

एक आरोपी को कोर्ट में पेश कर भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

16 मार्च और 25 मार्च को फरियादियों द्वारा औबेदुल्लागंज थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी नाबालिग पुत्रियों को अज्ञात आरोपी द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया हैं। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर विवेचना में लिया।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत विवेचना के दौरान गठित टीम द्वारा अपहृत बालिकाओं एवं आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई। मुखबिर सूचना के आधार पर दोनों अपहृता जिला नर्मदापुरम् एवं जिला बैतूल में प्राप्त हुई। पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए एक अपहृता को 31 मार्च को जिला होशंगाबाद से दस्तयाब किया। दूसरी अपहृता को

3 अप्रैल को जिला बैतूल से सकुशल दस्तयाब कर आवश्यक कार्रवाई के बाद दोनों को परिजनों के सुपुर्द किया गया। इसके साथ ही प्रकरण में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया वहां से उसे जेल भेजा दिया।

मादक पदार्थ चरस की तस्करी के दोषी को 2 वर्ष 6 माह का कारावास

भोपाल। मादक पदार्थ चरस की तस्करी कर राजस्थान से मध्यप्रदेश लाकर अवैध रूप से बेचने वाले आरोपी आकाश सौदा पुत्र राममूर्ति सौदा (25) निवासी नारियलखेड़ा गौतम नगर भोपाल को विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट डॉ. मुकेश कुमार मलिक ने एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा-8 (सी) सहपठित धारा-20(बी) के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष 6 माह के सश्रम कारावास और 10,000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक नीरेंद्र शर्मा और विक्रम सिंह द्वारा पैरवी की गई थी।

अभियोजन के अनुसार पुलिस थाना मंगलवारा भोपाल के सहायक उपनिरीक्षक ओमप्रकाश यादव ने 18 जनवरी 2023 को रात्रि 8 बजे मुखबिर की सूचना पर पुष्पा अपार्टमेंट के पास मंगलवारा भोपाल पर आरोपी को 350 ग्राम मादक पदार्थ चरस अवैध रूप से रखे हुए गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा-8 (सी) सहपठित धारा-20(बी) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। विवेचना में घटनास्थल का नक्शा, पंचनामा व साक्ष्य संकलित किए गए। विवेचना के बाद विशेष न्यायालय भोपाल में आरोपी के खिलाफ अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

स्व. माता की स्मृति में अस्पताल को पलंग और व्हीलचेयर भेंट

औबेदुल्लागंज। हिंदू उत्सव समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक जायसवाल ने अपनी स्व. माता राजवंशी जायसवाल की स्मृति में अस्पताल को एक पलंग और व्हीलचेयर दान स्वरूप भेंट की है। यह सराहनीय पहल स्थानीय अस्पताल में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है। इस पलंग और व्हीलचेयर से मरीजों को काफी मदद मिलेगी। इस अवसर पर सिंधी समाज के अध्यक्ष रमेश वासवानी, अस्पताल के डॉक्टर गौर और डॉ. राजपूत उपस्थित रहे।

हाथ में रॉड और डंडे लेकर पहुंचे युवक, वीडियो वायरल

रेपिडो के किराए को लेकर विवाद, काउंटर प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रेपिडो बुक कराने के बाद किराए देने की बात को लेकर हुए विवाद में दो पक्ष आमने सामने हो गए। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से मारपीट हुई है। हालांकि मारपीट में किसी को गंभीर चोट नहीं है। चूनाभट्ठी थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से काउंटर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार सचिन जायसवाल (21) पंचशील नगर, टीटी नगर में रहता है। शिकायत कर बताया कि वह रेपिडो, ओला में गाड़ी चलाता है। 3 अप्रैल की रात करीब पौने 11 बजे एक युवक ने रेपिडो राइड बुक की। कंपनी की ओर से ऑर्डर मिला और सचिन अपने भाई अंकित के साथ राइड लेने सेवाय कांप्लेक्स पहुंचा था। उक्त युवक ने सेवाय कांपलेक्स गुलमोहर से सी सेक्टर शाहपुरा जाने के लिए राइड बुक की थी। रेपिडो का चार्ज 150 रुपए हुआ। उसे सी सेक्टर शाहपुरा में उसने 90 रुपए यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए। सचिन ने कहा कि 60 रुपए और चाहिए, इसी बात पर विवाद हो गया। वह गाली-गलौज करने लगा। सचिन और उसके भाई अंकित ने गाली देने से मना किया तो आरोपी भड़क गया। वह अपने घर के अंदर गया और एक चाकू निकालकर ले आया। उसके दो साथी और आ गए और सभी ने सचिन और अंकित से मारपीट की, जिसने राइड बुक की थी उसने अपना नाम यादवेन्द्र सिंह बताया था। सचिन और अंकित ने मोबाइल पर वीडियो बनाकर रेपिडो यूनियन को कॉल कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। इसी प्रकार आशुतोष सिंह (40) सी सेक्टर शाहपुरा ने बताया कि वह प्रॉपर्टी ब्रोकर है। 3 अप्रैल की रात करीब 11 बजे की बात है। उनका भाई यदुवेन्द्र सिंह एक रेपिडो कार से घर आया। रेपिडो के ड्राइवर ने यदुवेंद्र से एक्सट्रा पैसे मांगे थे।

सीसीटीवी फुटेज में दिखे हाथों में डंडे और राड लिए आरोपी।

ज्यादा पैसे मांगने का लगाया आरोप

ज्यादा रुपए देने से इंकार करने पर रेपिडो ड्राइवर और उसके साथी ने यदुवेंद्र से गाली-गलौज करने लगे। गाली-गलौज का विरोध करने पर मारपीट करने लगे। इस पर आशुतोष अपने दोस्त आदित्य दुबे के साथ पहुंचा और उन्हें समझाइश दी। इसी बीच रेपिडो ड्राइवर ने अपनी यूनियन के लोगों को बुलवा लिया। एक कार से दो लोग और आ गए। कुछ देर बाद चार लोग और पहुंचे। उनके साथ ज्यादा लोग होने के कारण हम लोग जान बचाकर घर में घुस गए। घटना का एक सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में युवा हाथ में रॉड और डंडे लेकर कॉलोनी में घूमते हुए नजर आ रहे हैं।

ड्यूटी से लौट रहे सब इंस्पेक्टर ने घायल को अस्पताल पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

परवलिया सड़क थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर राजकुमार उईके ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए घायल की जान बचाई। दरअसल, एसआई राजकुमार उइके ड्यूटी से शुक्रवार-शनिवार की रात न्यू जेल रोड होते हुए घर लौट रहे थे। इसी बीच आईटी पार्क संजीव नगर ब्रिज के पास अंधेरे में उन्हें एक युवक गंभीर रूप से घायल पड़ा नजर आया। पास ही उसकी बाइक भी पड़ी थी। बाइक क्षतिग्रस्त हालत में थी। लिहाजा हादसे का अनुमान है घायल के सिर पर गंभीर चोट थी।

एसआई उइके ने तत्काल घटना की शिकायत 108 एंबुलेंस को दी, लेकिन समय बीतने लगा और एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी। इसी बीच वहां से गुजर रही निजी अस्पताल की एंबुलेंस को उईके ने रोका और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। समय पर अस्पताल पहुंचने पर युवक की जान बच गई। उसकी स्थिति स्थिर बनी हुई है।

घायल की मदद करते एसआई राजकुमार।

राज्यपाल पटेल ने खंडवा जिले में जननायक टंट्या भील के स्मारक पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

ग्राम बड़ौदा अहीर में जननायक टंट्या भील के स्मारक पर हर वर्ष 4 से 6 अप्रैल तक लगेगा दिन दिवसीय विशाल मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देश की आजादी के आंदोलन में भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, भीमा नायक, शंकर शाह, रघुनाथ शाह जैसे जनजातीय जननायकों का योगदान अभूतपूर्व और अभिनंदनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाऐं समाज के सबसे गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही हैं।

यह बात राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कही। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शनिवार को खंडवा जिले के ग्राम बड़ौदा अहीर में जननायक टंट्या भील के स्मारक पर जननायक टंट्या भील के जन्म दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

आयुष्मान, सिकल सेल कार्ड, रक्त मित्रों, सिकल सेल मित्र को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए

हितग्राही को राशि का चेक वितरित करते राज्यपाल, सांसद व मंत्री।

विद्यार्थियों के साथ सहभोज और संवाद किया

कार्यक्रम में जननायक टंट्या भील की वंशज सोनीबाई और मांगीलाल का शॉल-श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया। आयुष्मान, सिकल सेल कार्ड, रक्त मित्रों, सिकल सेल मित्र को प्रशस्ति पत्र और प्रमाण पत्र प्रदान किए। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र, कामधेनु योजना के हितग्राही को 35 लाख 70 हजार रुपए की राशि का चेक वितरित किया। राज्यपाल पटेल ने खंडवा के बड़ौदा अहीर में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ सहभोज और संवाद किया। उन्हें लेखन सामग्री प्रदान कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आदिवासी जन योद्धाओं पर पीएचडी करने पर मिलेगी प्रोत्साहन राशिः मंत्री डॉ. शाह

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने जननायक टंट्या भील स्मारक स्थल पर हर वर्ष 4 से 6 अप्रैल तक तीन दिवसीय मेले का संस्कृति और जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संयुक्त आयोजन करने और कार्यक्रम स्थल पर शेड निर्माण हेतु 50 लाख रूपए स्वीकृत करने की घोषणा की। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि आदिवासी लोक संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी जन योद्धाओं के योगदान विषय पर पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को जनजाति कार्य विभाग की ओर से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

मंगुभाई जनजातीय जीवन रक्षा एवं सिकल सेल हितैषी संवाद कार्यक्रम में हुए शामिल

विवाह से पहले जेनेटिक कार्ड और गर्भावस्था के समय जांच से आने वाली पीढ़ी सुरक्षित होगी सिकल सेल सेः राज्यपाल पटेल

सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए जेनेटिक काउंसलिंग और व्यापक जन-जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। विवाह से पूर्व जेनेटिक कार्ड का मिलान और गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच से आने वाली पीढ़ी को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सकता है। यह उद्गार राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शनिवार को खरगोन जिले के प्रवास के दौरान जनजातीय जीवन रक्षा एवं सिकल सेल हितैषी संवाद को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी क्षेत्रीय विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। राज्यपाल ने रक्षा अस्पताल में नवनिर्मित सिकल सेल यूनिट का लोकार्पण कर

उपचार संबंधी जानकारी लेते राज्यपाल।

पीड़ित बच्चों से उपचार के संबंध में भी जानकारी प्राप्त कर उन्हे नियमित दवाई, सुपाच्य भोजन, अधिक मात्रा में पानी पीने, व्यायाम एवं ठंडे पानी से नहीं नहाने की समझाइश दी।

अंतरिक्ष उपलब्धियां और सफलताएं देश की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

उपलब्धियां युवाओं के लिए विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के लिए प्रेरणादायकः मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत जानकारियों को अत्यंत रोचक बताते हुए भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने चंद्रयान-3 जैसी सफलताओं पर देश के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां युवाओं को विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकाल : द मास्टर ऑफ टाइम' के दूसरे दिन उज्जैन जिले की वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला, डोंगला में 'भारत में खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान का वर्तमान और भविष्य' विषय पर आयोजित सत्र में सहभागिता की। सत्र में मुख्यमंत्री देश की अंतरिक्ष उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत हुए। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने स्पेस इकोनॉमी, निजी क्षेत्र की भागीदारी और युवाओं के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ते अवसरों पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक न केवल वैज्ञानिक प्रगति बल्कि आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

खास बातें

- उज्जैन में खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान पर आयोजित सत्र में शामिल हुए डॉ. मोहन
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकाल : द मास्टर ऑफ टाइम' में दी अंतरिक्ष मिशनों की जानकारी

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

'विक्रम लैंडर' की सफल सॉफ्ट लैंडिंग ऐतिहासिक उपलब्धि

फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी अहमदाबाद के निदेशक प्रो अनिल भारद्वाज ने सत्र में चंद्रयान-3 मिशन की उपलब्धियों पर बताया कि 'विक्रम लैंडर' की सफल सॉफ्ट लैंडिंग खास उपलब्धि रही। वहीं भारत चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में पहुंचने वाला विश्व का पहला देश बना। इस मिशन की सफलता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'प्रज्ञान रोवर' ने चंद्रमा की सतह पर वैज्ञानिक अध्ययन किए और इस लैंडिंग स्थल को 'शिव शक्ति पॉइंट' नाम दिया गया। उन्होंने चंद्रयान-4 (लूनर सैंपल रिटर्न मिशन), चंद्रयान-5 (ल्यूपेक्स - भारत-जापान संयुक्त मिशन), वीनस ऑर्बिटर मिशन और मंगल लैंडर मिशन और वर्ष 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की भारत की महत्वाकांक्षी योजनाओं की भी जानकारी दी।

खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान पर हुआ मंथन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन आयोजित 'खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी में प्रगति' एवं 'विकसित भारत के लिए स्पेस इकोनॉमी : राष्ट्र की सेवा में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी' सत्रों में खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्पेस इकोनॉमी और भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक आयाम, विज्ञान-अध्यात्म के समन्वय पर विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. तरुण पंत, निदेशक, स्पेस फिजिक्स लेबोरेटरी, विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, तिरुवनंतपुरम ने बताया कि अंतरिक्ष की गतिविधियां पृथ्वी के वातावरण और जलवायु को प्रभावित करती हैं और इनका अध्ययन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए महत्वपूर्ण है।

अंतरिक्ष तकनीक राष्ट्रीय सुरक्षा का मजबूत आधार

नीति आयोग के सदस्य (विज्ञान) डॉ. वीके सारस्वत ने 'भारत की रक्षा के लिए अंतरिक्ष आधारित रणनीतियां' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरिक्ष तकनीक आज विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रक्षा तकनीक तेजी से बदल रही है और पारंपरिक हथियारों से आगे बढ़कर ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियां विकसित हो रही हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र और स्टार्ट-अप्स की बढ़ती भूमिका को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। राजा रामन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आरआरकैट) के पूर्व निदेशक डॉ. शंकर नाखे ने कहा कि विज्ञान और अध्यात्म एक-दूसरे के पूरक हैं और इनके समन्वय से मानव समाज का संतुलित विकास संभव है।

संत दादा गुरु और मंत्री प्रह्लाद का श्रमदान जनसेवा का बना संदेश

नर्मदा तट पर मंत्री पटेल, संत और आमजन ने किया श्रमदान

बुदनी गुंजारी नर्मदा संगम घाट पर श्रमदान करने पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बुदनी गुंजारी नर्मदा संगम घाट पर शनिवार को जनप्रतिनिधि, संत और आमजन एक साथ श्रमदान किया। इस अवसर पर प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने श्रमदान कर यह स्पष्ट किया कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से प्रेरणा देता है।

उनके द्वारा किया गया श्रमदान जनसामान्य के लिए एक सशक्त संदेश बनकर उभरा। मंत्री पटेल ने भी स्पष्ट रूप से कहा कि नदियों का संरक्षण केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि समाज की चेतना का दर्पण है। उन्होंने स्वच्छता को अभियान से आगे बढ़ाकर जीवन

नर्मदा तट पर पूजा-अर्चना करते मंत्री पटेल।

का संस्कार बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उनके अनुसार, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों को व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करेगा, तभी स्थायी परिवर्तन संभव हो सकेगा। इस अवसर पर नर्मदा परिक्रमा के तपस्वी, दादा गुरु महाराज की उपस्थिति ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया। पटेल ने संगम स्थल पर चल रहे स्वच्छता एवं संरक्षण कार्यों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि इस पावन स्थल का विकास निरंतर और सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ता रहे।

साधना, आत्मशुद्धि और आंतरिक जागरण का केंद्रः दादा गुरु

दादा गुरु महाराज ने संगम के समग्र विकास पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसे केवल एक भौतिक स्थल नहीं, बल्कि साधना, आत्मशुद्धि और आंतरिक जागरण का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि नदियां केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का धर्म है। साथ ही उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

मंत्री पटेल ने किया श्रमदान

असम के गोलाघाट विधानसभा में बैठक को किया संबोधित

सांसद शर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा- संगठन को बूथ स्तर पर और ज्यादा सशक्त बनाना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

असम प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत गोलाघाट विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पोलिंग एजेंट्स एवं रिलीवर की प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं को भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

टाउन मंडल एवं अठखेलिया तथा पदुमोनी मंडलों में आयोजित इन प्रशिक्षण सत्रों में नगर क्षेत्र सहित विभिन्न पंचायतों के बूथ अध्यक्ष, बूथ सेक्रेटरी, बूथ पालक, शक्ति केंद्र प्रमुख, पोलिंग एजेंट्स एवं रिलीवर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित संपन्न कराएंः शर्मा

बैठक में कार्यकर्ताओं के साथ सांसद आलोक।

पोलिंग एजेंट्स को मतदान की प्रक्रियाओं की जानकारी दी

अपने संबोधन में सांसद शर्मा ने 9 अप्रैल को होने वाले मतदान को लोकतंत्र का महापर्व बताते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराए। उन्होंने पोलिंग एजेंट्स को मतदान प्रारंभ होने से पूर्व की तैयारियों से लेकर मतदान समाप्ति तक की सभी प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी। फर्जी मतदान पर निगरानी रखने, आवश्यकतानुसार आपत्ति दर्ज कराने तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि रिलीवर पोलिंग एजेंट्स के सहयोगी के रूप में कार्य करते हुए अहम योगदान दें।

66 महिलाएं रीना की टीम में शामिल

महिला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी हुई घोषित

पूर्व मंत्री शर्मा की बहू रूपाली महासचिव बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया ने महिला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें पूर्व मंत्री पीसी शर्मा की बहू रूपाली शर्मा को महासचिव बनाया गया है।

रीना बोसी की टीम में कुल 66 पदाधिकारी नियुक्त की गई है। नई कार्यकारिणी को राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर जारी किया गया। पार्टी का मानना है कि इस नई टीम से प्रदेश में महिला कांग्रेस की गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी।

कार्यकारिणी में महिलाओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी

घोषित कार्यकारिणी में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से महिलाओं को शामिल किया गया है। उन्हें संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और महिला मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही जिला स्तर पर भी महिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का ऐलान किया जा सकता है, जिससे संगठन को और व्यापक बनाया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय ने सीएम डॉ. यादव को लिखा पत्र

लाखों शिक्षकों के हित में टीईटी अनिवार्यता पर पुनर्विचार जरूरी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एक पत्र लिखकर प्रदेश के शासकीय स्कूलों में कार्यरत दो लाख से अधिक शिक्षकों की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

उन्होंने आग्रह किया है कि सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय के संदर्भ में राज्य सरकार को रिव्यू पिटिशन या क्यूरेटिव पिटिशन दायर

कर टीईटी अनिवार्यता को भूतलक्षी के बजाय भविष्यलक्षी प्रभाव से लागू कराने की मांग करनी चाहिए। सिंह ने लिखा कि वर्ष 2009 में केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा का अधिकार कानून लागू किया गया था, जिसे मध्यप्रदेश में 1 अप्रैल 2010 से लागू किया गया। इसके पालन में सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र से संबंधित सिविल अपील क्रमांक 1385/2025, 1386/2025 एवं अन्य मामलों में निर्णय देते हुए सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया है। हालांकि जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष शेष हैं, उन्हें छूट प्रदान की गई है। परीक्षा में असफल रहने पर सेवा समाप्ति या सेवानिवृत्ति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता से लाखों शिक्षक चिंतित

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन के शिक्षा विभाग द्वारा मार्च 2026 में जारी आदेश के अनुसार सभी शिक्षकों को टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया है, जिसकी परीक्षा जुलाई-अगस्त 2026 में संभावित है। इस आदेश के बाद से स्कूल शिक्षा विभाग एवं आदिवासी विकास विभाग के दो लाख से अधिक शिक्षकों में गहरी चिंता व्याप्त है। 25-30 वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के लिए सेवा के अंतिम चरण में इस प्रकार की परीक्षा अनिवार्यता अनुचित है। असफलता की स्थिति में हजारों शिक्षकों की आजीविका संकट में पड़ सकती है तथा उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकता है।

अजाक्स ने आदेश संशोधन की मांग को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) ने सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पत्र लिखकर 2 अप्रैल 2026 को जारी पत्र में संशोधन की मांग की है।

संघ का कहना है कि जारी पत्र में मुकेश मौर्य को प्रांतीय अध्यक्ष संबोधित किया गया है, जबकि इस संबंध में मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए यह तथ्यात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण बताया गया है। संघ के अनुसार प्रांतीय अध्यक्ष पद से संबंधित अपील प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के समक्ष लंबित है। साथ ही मुकेश मौर्य द्वारा स्वयं को प्रांतीय अध्यक्ष घोषित किए जाने के विरुद्ध जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल में दो प्रकरण भी विचाराधीन हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि 20 मार्च 2026 को अजाक्स भवन में अनाधिकृत प्रवेश के मामले में थाना टीटी नगर में आवेदन दिए गए हैं तथा पुलिस आयुक्त को भी शिकायत प्रस्तुत की गई है। अजाक्स संघ ने अतिरिक्त मुख्य सचिव से प्रकरण का परीक्षण कर संशोधित आदेश जारी करने की मांग की है।

कृषि और किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस ने सत्ता पक्ष पर साधा निशाना

खाद्यान्न उपार्जन, भंडारण व लॉजिस्टिक्स में 150 करोड़ रुपए का घोटालाः पटवारी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

फर्जी बिलिंग, घटिया सामग्री और अधिकारियों-ठेकेदारों की मिलीभगत का परिणामः जीतू

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में खाद्यान्न उपार्जन, भंडारण एवं लॉजिस्टिक्स व्यवस्था में व्याप्त व्यापक भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और राजनीतिक संरक्षण का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि यह केवल कुप्रबंधन नहीं, बल्कि संगठित लूट का एक बड़ा तंत्र है, जिसने किसानों के अधिकारों और गरीबों की खाद्य सुरक्षा दोनों को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि रायसेन जिले के वेयरहाउसों में 35 करोड़ रुपए की लागत से खरीदा गया लगभग 20,000 मीट्रिक टन गेहूं, रखरखाव और कीटनाशक के नाम पर 150 करोड़ रुपए का बोझ बनाकर सड़ने के लिए छोड़ दिया गया। 34 बार कीटनाशक छिड़काव के बावजूद अनाज का 'जहर' बन जाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यह पूरा मामला फर्जी बिलिंग, घटिया सामग्री और अधिकारियों-ठेकेदारों की मिलीभगत का परिणाम है। पटवारी ने कहा कि यह एक अकेला मामला नहीं है। पिछले चार वर्षों में प्रदेश में 10 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं सड़ चुका है, जिसमें से लाखों टन अनाज पूरी तरह नष्ट हो गया। इस सड़े हुए अनाज की नीलामी से भी सरकार को लगभग 200 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, जो सीधे तौर पर जनता के पैसे की बर्बादी है।

गेहूं खरीदी में हो रही देरी दुर्भाग्यपूर्ण, किसानों के घाव पर नमक छिड़कने जैसाः अजय सिंह

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने प्रदेश में गेहूं खरीदी में लगातार हो रही देरी को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, किसान-विरोधी और असंवेदनशील बताया है। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही प्राकृतिक जोखिम, बढ़ती लागत, कर्ज के बोझ और मंडी की अनिश्चितताओं से जूझ रहा है।

ऐसे में सरकार द्वारा गेहूं खरीदी को टालते रहना किसानों के घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। सिंह ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि जब किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने की उम्मीद लगाए बैठा है, तब उसे मजबूरी में व्यापारियों को बहुत कम दाम पर गेहूं बेचना पड़ रहा है। इससे किसानों को सीधा आर्थिक नुकसान हो रहा है और बैंक से कर्ज लेकर खेती करने वाले अनेक किसान डिफाल्टर होने की कगार पर पहुंच गए हैं। बारदाने का बहाना लेकर खरीदी में विलंब अजय सिंह ने कहा कि सरकार बारदाने की कमी का बहाना बनाकर खरीदी में विलंब कर रही है, जबकि खुले बाजार में और व्यापारियों के पास पर्याप्त बारदाना उपलब्ध है। यदि व्यापारी बड़े पैमाने पर खरीदी कर सकते हैं, तो सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं क्यों नहीं खरीद सकती? उन्होंने कहा कि राजस्थान सहित कई राज्यों में गेहूं खरीदी पहले ही शुरू हो चुकी है, लेकिन मध्य प्रदेश में किसानों को लगातार इंतजार कराया जा रहा है। इससे यह आशंका मजबूत होती है कि व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए ही सरकार खरीदी में देर कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि वह तत्काल गेहूं खरीदी शुरू करे। किसानों से एक-एक दाना समर्थन मूल्य पर खरीदा जाए।

पेज एक का शेष....

संघ शताब्दी वर्ष ...

विस्तार, शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और कार्यपद्धति पर महत्वपूर्ण कार्यवृत्त रखा जाएगा। वहीं, रविवार को इस बैठक में भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल शामिल हो सकते हैं।

यूएस के दो और लड़ाकू ...

होने की खबर है, जिसके पायलट को बचा लिया गया है। ईरानी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज के पास इस ए-10 विमान को मार गिराया गया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि वह क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों में प्रमुख पुलों को निशाना बनाएगा। ऐसे पुलों की सूची भी प्रकाशित की। वहीं, ईरान ने अमेरिका के 48 घंटे के सीजफायर ऑफर को ठुकरा दिया है। यह प्रपोजल बुधवार को एक तीसरे देश के जरिए तेहरान तक पहुंचाया गया था। यह स्पष्ट नहीं है कि प्रपोजल को ठुकराने के पीछे क्या वजह रही।

48 घंटे बाद ईरान पर कहर टूट पड़ेगा: राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को धमकी दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि याद है, जब मैंने ईरान को डील करने या हॉर्मुज को खोलने के लिए दस दिन का समय दिया था? अब समय निकलता जा रहा है। 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।

ईरान का दावा: नए एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम से यूएस जेट गिराया

ईरान ने दावा किया है कि उसने अपने नए एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम की मदद से अमेरिकी फाइटर जेट को मार गिराया है। ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फाघरी ने टीवी संबोधन में इस घटना को डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के उलट बताया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह खत्म कर दिया है। अब तक यूएस के 7 विमान तबाह हो चुके हैं।

मलबे में दबकर...

छा गए। भीड़भाड़ वाली जगह होने के कारण अफरा तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बगल में निर्माणधीन भवन में बेसमेंट के लिए गड्ढा खोदा गया था और उस गड्ढे में पानी भरा हुआ था जिसके कारणलाज का भवन साइड से ऊपर की तरफ से धराशाई होकर गिर गया। भवन गिरने की धमक से आसपास के मकान में भी तेज भूकंप के झटके जैसे महसूस हुआ। यहां तक की अगल-बगल दुकानों के दुकानदार एवं ग्राहकों को भी दुकान का छज्जा गिरने से चोट लगी है। बताया जा रहा है कि अग्रवाल लॉज का निर्माण कार्य हुए लगभग 10 साल हो गए। लॉज संचालक का नाम लालू प्रसाद अग्रवाल बताया जा रहा है । घटना की जानकारी लगते ही विद्युत विभाग एवं नगर पालिका का अमला तत्काल पहुंच गया। विद्युत विभाग के सहायक अभियंता आशुतोष चंद्रा कनिष्ठ अभियंता लालमणि प्रजापति के द्वारा स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचकर तत्काल ही विद्युत आपूर्ति नगर की बंद करवा दी गई। मौके पर तत्काल ही थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। तत्काल ही नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ के द्वारा राहत एवं बचाव कर शुरू करवाया गया। मौके पर स्थानीय प्रशासन तहसीलदार दशरथ सिंह राजस्व विभाग के साथ पहुंचकर व्यवस्था में जुट गए। घटना की जानकारी लगते ही भारी संख्या में मौके पर लोगों का हुजूम जुट गया। वहीं नगर के समाजसेवी युवा एवं मीडिया कर्मी के द्वारा धराशाई भवन में दबे लोगों को निकालने के प्रयास में जुट गई।

देर रात तक दो शव निकाले गए: रात 8:00 बजे तक दबे लोगों में से चार लोगों को निकाला गया। एक मृतक की पहचान हनुमान दीन यादव (55) निवासी वार्ड क्रमांक चार दर्री टोला कोतमा है, जो लॉज मे मजदूरी का काम कर रहा था। दूसरे मृतक की पहचान राम कृपाल यादव (40), फुनगा के रूप में हुई। शेष अन्य दबे लोगों को निकालने का रेस्क्यू किया जा रहा है ।

जेएमएस और जमुना...

हर्षल पंचोली पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान अपर कलेक्टर दिलीप पांडे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ सिंह एवं यातायात विभाग का अमला भी जिले से पहुंच गया।

प्रशासन अलर्ट ...

एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अलका तिवारी भी पहुंच गई। घटना की जानकारी लगते ही मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल भी मौके पर पहुंच गए।

मुख्यमंत्री ने जताया ...

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। तीन नागरिकों को रेस्क्यू कर सकुशल बाहर निकाल लिया गया है। एनडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकसंतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की है।

संवैधानिक संस्थाओं...

बनी रहती है। पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि संविधान ने जानबूझकर ऐसी संस्थाओं का निर्माण किया है, जो शासन के अहम क्षेत्रों की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि अगर इन संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव बढ़ेगा, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और सत्ता संतुलन बिगड़ सकता है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि चुनाव सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की नींव है। भारतीय चुनाव आयोग की स्वतंत्रता जरूरी है, क्योंकि यही संस्था चुनावों को निष्पक्ष तरीके से कराती है। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई, तो पूरे लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे।

ममता के हेलिकॉप्टर...

से लाल हो गईं। उन्होंने तुरंत ड्रोन के सोर्स की जांच करने और उसे उड़ाने वाले व्यक्ति की पहचान करने के आदेश दिए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, ड्रोन की हरकतें रहस्यमयी लग रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि मालदा के मालतीपुर में अपनी जनसभा समाप्त करने के बाद ममता बेनर्जी अपने हेलिकॉप्टर में सवार होने वाली थीं। उसी समय ममता ने अपने ठीक ऊपर एक ड्रोन उड़ते हुए देखा। तुरंत गुस्से में आकर उन्होंने वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों से जवाब मांगा कि ड्रोन को वहां उड़ने की अनुमति क्यों दी गई। हाथ में माइक लेकर तृणमूल सुप्रीमो ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि पुलिस को इस पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है। जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए।

दो लोगों की मौत...

हादसे में कार सवार हिंगनघाट (नागपुर) निवासी विशाल बाड़कुरे (28) और मासोध (मुलताई) निवासी ज्ञान सिंह (62) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक रूपेश गहलोत गंभीर रूप से घायल है। तीनों कार से रिश्तेदारी के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नागपुर से शाजापुर के बेरछा जा रहे थे। वर्तमान में पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करा दिया है और घायल चालक का सरकारी अस्पताल नर्मदापुरम में इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक कार काफी तेज रफ्तार में थी। अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्राले से टकरा गई और फिर डिवाइडर से भिड़ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

मंडला में दो ....

गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं, जिस कारण टक्कर जोरदार हुई। हादसे में मृतक बिछिया थाना क्षेत्र के निवासी थे।

धुव जुरेल और ...

बना सकी। आखिरी ओवर में गुजरात टाइटन्स को जीत के लिए 11 रन बनाने थे लेकिन तुषार देशपांडे ने उस ओवर में कमाल की गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 4 रन दिए। ध्रुव जुरेल की बेस्ट आईपीएल इनिंग और यशस्वी जायसवाल के शानदार अर्धशतक के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में छह विकेट खोकर 210 रन बनाए। जुरेल ने 42 गेंदों पर 75 रनों की पारी खेली, जिसमें पांच चौके और इतने ही छक्के मारे। ये उनका आईपीएल में बेस्ट स्कोर है। वहीं यशस्वी ने 36 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 55 रनों की पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने अभी अपने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और 18 गेंदों पर 31 रनों की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने पांच चौके और एक छक्का मारा।

ओलों-बारिश से ...

विक्षोभ और तीन सकुर्लेशन के असर से अब प्रदेश में आंधी-बारिश और ओले का दौर 10 अप्रैल तक चलने की उम्मीद है। इसी बीच शुक्रवार रात से शनिवार के बीच सिवनी जिले में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई।
बरघाट के मंडी गांव में 6 साल के प्रांशु मरकाम और डूंडासिवनी के बंजारी गांव में रमजान खान की मौत हो गई। रीवा जिले के हरदिहा गांव में बिजली गिरने से भाई-बहन की मौत हो गई। बताया गया है कि दोनों जंगल में महुआ बीनने गए थे। शनिवार को प्रदेश भर में दिन का पारा कुछ गिरावट के साथ सामान्य से औसतन 3 डिग्री तक कम रहा। दिन का औसत पारा 35 डिग्री तक रहा है। रात में यह नॉर्मल से दो डिग्री तक अधिक रहने से दिन में गर्मी से राहत और रात में हल्की उमस का असर रहा है।

व्यंजन हमारी समृद्ध ...

कई लोगों ने उनसे बातचीत भी की। लोगों का कहना था कि डॉ. यादव से मिलकर ऐसा लगा ही नहीं कि वे किसी मुख्यमंत्री से बात कर रहे हैं।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला अशोकनगर म.प्र.

पत्र क्रमांक/ई-निविदा/2026-27/ 5087 E-mail: cmhoashmp@nic.in अशोकनगर दिनांक 01/04/2026

// GEM PORTAL पर खुली निविदा हेतु सूचना //

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला अशोकनगर के अंतर्गत, कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर से प्राप्त प्रशासकीय स्वीकृति के क्रम में 01 ए.एल.एस. एम्बुलेंस वाहन एवं 01 डेन्टल चेयर के उपार्जन हेतु GEM Portal पर निविदा आमंत्रित की जाती है। विड से संबंधित जानकारी निम्नानुसार है:-

S.no	Item	Bid No.	Starting date for Submitting bids	End Date for Submitting bids
1	Custmise Advance life support Ambulance Dental Chair	GEM/2026/B/7407165	07/04/2026 at 04.00 PM	20/04/2026 at 04.00 PM

G-11108/26 " स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता " मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला अशोकनगर म.प्र.

VICTORIA COLLEGE OF EDUCATION, BHOPAL
{ Recognized By NCTE (WRC) }
72/10 Madhuban Farm House Nayapura Kolar Road Bhopal (M.P.) 462042
APPOINTMENT
Application are invited for the post and qualification as under:-

D.El.Ed.

Post	No. of Post	Qualification
Lecturer	4	P.G. and M.Ed. WITH 50% Marks

Qualification for all above shall be strictly as NCTE Norms to Apply send you CV To vceprincipal378@gmail.com within 03 days.
Principal

VICTORIA COLLEGE OF EDUCATION, SEHORE
{ Recognized By NCTE (WRC) }
Gram Barkhedi, Sehore (M.P.) 466001
APPOINTMENT
Application are invited for the post and qualification as under:-

D.El.Ed.

Post	No. of Post	Qualification
Lecturer	4	P.G. and M.Ed. WITH 50% Marks

Qualification for all above shall be strictly as NCTE Norms to Apply send you CV to principalvcsehore@gmail.com within 03 days.
Principal

खंड - I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन वन विभाग
कार्यालय वनमण्डल अधिकारी, वनमंडल हरदा उत्पादन
दूरभाष क्रमांक- 07577-222025 Email- dfopharda@mp.gov.in
ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 06/स्टोर/2026/2280 दिनांक 23/03/2026

वनमंडल अधिकारी वनमंडल हरदा उत्पादन द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधन-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	सामग्री का विवरण	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तवेजों का मूल्य
1	फार्म एवं पंजियां	15000	500

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखें और डाउनलोड किए जा सकते है।
2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट / कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिग के माध्यम पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 23-03-2026 प्रातः 10.00 बजे से दिनॉक 13-04-2026 दोपहर 3.00 बजे तक केवल ऑनलाईन खरीद सकतें है।
3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियॉ लागू होगी।
4. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट यदि कोई है तो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किये जाएगें, समाचार पत्रों में नहीं ।
5. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल:- https://mptenders.gov.in/

G-11107/26 " स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता " वनमंडलाधिकारी, वनमंडल हरदा (उत्पादन)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला डिण्डौरी, (म.प्र.)
एनआईटी नं.- 09/2026 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/जी/मु.अ. (भ.).... जबलपुर दिनांक 27.03.2026
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है:-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWPIU_496217_1	जिला मुख्यालय डिण्डौरी में 100 सीटर आयुर्वेदिक अस्पताल, 100 सीटर आयुर्वेदिक महाविद्यालय, 200 सीटर बालक एवं 200 सीटर बालिका छात्रावास, 01 नग ई, 15 नग एफ, 16 नग एच, 16 नग आई टाइप तथा रिटेल जोन एवं कैफेटेरिया आदि का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	डिण्डौरी	7657.83	3828915.00	50000.00	24 माह वर्षाऋतु सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट https://mpeproc.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 01.04.2026 समय 09:00 से दिनांक 15.04.2026 समय 18:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी -11097/26 स्वच्छता ही सेवा **कार्यपालन युत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग डिण्डौरी, (म.प्र.)**

R- 31/03/26 to 17/05/26 not 03,14/04/26, 01/05/26

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए- हिंदू (महार)-34/5''6, गोरा, स्मार्ट, ग्रेज्युएट, लड़का मासिक आय - 35,000 + 55,000 नोकरी + बिजनेस हेतु- गोरी -खुबसुरत लड़की चाहिए संपर्क करें 9890502587 (6624)

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 6186

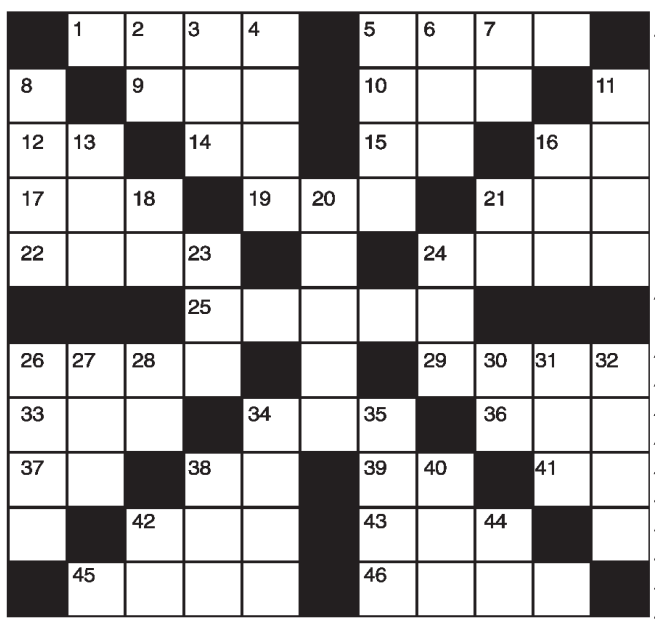

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 6185 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

सूडोकु नवताल- 6196

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6195 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्कि बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम

●

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया

●

मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें

●

सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

शेयर बाजार में हाहाकार
कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

रिटायरमेंट के बाद पैसा खत्म न हो

सही प्लानिंग और अनुशासन से बनाएं सुरक्षित भविष्य
बिजनेस डेस्क। हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी जिंदगी आरामदायक और चिंता मुक्त हो। लेकिन जैसे ही नियमित आय का स्रोत बंद होता है, सबसे बड़ा सवाल सामने आता है। "क्या मेरी बचत पूरी जिंदगी साथ दे पाएगी?" बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर का खर्च और बदलती लाइफस्टाइल जरूरतें इस चिंता को और बढ़ा देती हैं। कई लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि हर साल कितना खर्च करना सुरक्षित रहेगा ताकि पैसा जल्दी खत्म न हो। यहीं पर 4% रूल एक आसान और व्यवहारिक गाइडलाइन के रूप में सामने आता है। यह कोई जटिल फाइनेंशियल फॉर्मूला नहीं, बल्कि एक सरल तरीका है जो यह समझने में मदद करता है कि आपकी बचत को कितने संतुलित तरीके से खर्च किया जाए।

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम
पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इससे आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

होर्मुज की लहरों पर भारत का दबदबा: तनाव के बीच सुरक्षित निकला 44,000 टन एलपीजी वाला टैंकर

ये महज एलपीजी से भरा जहाज नहीं है बल्कि भारत की कूटनीतिक जीत का जहाज है

- भारत की कूटनीति का कमाल, ईरान ने दिया रास्ता, सुरक्षित घर लौटा भारतीय पोत ग्रीन सान्वी
- समंदर में 'कवच' बनी भारतीय डिप्लोमेसी, युद्ध के साए में भी नहीं रुकेगी आपकी रसोई की गैस
- ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत का मास्टरस्ट्रोक
- ईरान के विदेश मंत्री ने कहा- भारत के लिए हमेशा रास्ता खुला है
- फारस की खाड़ी के इस क्षेत्र में भारत के कुल 17 जहाज मौजूद हैं, जिनमें कच्चे तेल, गैस और रसायनों से भरे टैंकर शामिल हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के संकट के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। भारतीय ध्वज वाला विशाल एलपीजी टैंकर ग्रीन सान्वी दुनिया के सबसे खतरनाक और संवेदनशील समुद्री मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर गया है। जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस रास्ते को सुरक्षित पार करने वाला यह सातवां भारतीय पोत है। इस टैंकर में लगभग 44,000 टन एलपीजी मौजूद है, जो भारत की करीब आधे दिन की गैस खपत के बराबर है। भारत की यह सफलता केवल एक समुद्री यात्रा नहीं, बल्कि उसकी मजबूत डिप्लोमेसी का नतीजा है।

भारत सरकार ने अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए ईरान के साथ उच्च स्तरीय कूटनीतिक संपर्क बनाए रखा। इसी का परिणाम है कि ईरान ने भारत, रूस और चीन जैसे मित्र देशों के जहाजों को सुरक्षित गलियारा देने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी स्पष्ट किया है कि भारत जैसे गैर-दुश्मन देशों के जहाजों को इस मार्ग पर कोई खतरा नहीं होगा। वर्तमान में फारस की खाड़ी के इस क्षेत्र में भारत के कुल 17 जहाज मौजूद हैं, जिनमें कच्चे तेल, गैस और रसायनों से भरे टैंकर शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 'ग्रीन सान्वी' के बाद अब 'ग्रीन आशा' और 'जग विक्रम' जैसे दो और बड़े टैंकर भी जल्द ही भारत की सीमा में दाखिल होंगे। वैश्विक अस्थिरता और तनाव के इस दौर में, होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग से भारतीय जहाजों का सुरक्षित निकलना यह साबित करता है कि भारत अपनी समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा जरूरतों को लेकर पूरी तरह सजग और सक्रिय है।

चीन की ओर नहीं मुड़ा ईरान से आ रहा कोई जहाज सरकार ने भुगतान से जुड़ी खबरों को बताया बेबुनियाद

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ईरानी कच्चे तेल की खेप को लेकर फैल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को सिरे से खारिज किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है कि भुगतान संबंधी दिक्कतों के कारण गुजरात के वडीनार से ईरान का कच्चा तेल चीन की ओर मोड़ा गया। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को सुरक्षित कर लिया है, जिसमें ईरान से आयात भी शामिल है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि ईरानी कच्चे तेल के भुगतान को लेकर किसी तरह की कोई बाधा नहीं है, जैसा कि कुछ अफवाहों में दावा किया जा रहा है। सरकार ने दोहराया कि आने वाले महीनों के लिए भारत की कच्चे तेल की आवश्यकताएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और सप्लाई को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है।

अमेरिका का ईरान के बुशहर परमाणु प्लांट पर मिसाइल अटैक, इजराइल-लेबनान में भी धमाके

ईरान में अमेरिकी पायलट के लापता होने के बाद अब अमेरिका ने हमले तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में ईरान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास एक जोरदार धमाका हुआ। सुबह करीब 8:30 बजे गिरे इस रॉकेट की जद में आकर वहां तैनात एक सुरक्षा गार्ड की जान चली गई। राहत की बात यह रही कि परमाणु संयंत्र की मुख्य इमारतों और सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक,यह हमला अमेरिका और इजराइल की साझा साजिश का हिस्सा था। ईरान के औद्योगिक ढांचे को भी चोट पहुंचाने की कोशिश की गई है। ईरान के दक्षिणी खुजेस्तान प्रांत में स्थित बंदर इमाम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स पर भी हवाई हमला हुआ है। इस हमले में कॉम्प्लेक्स को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान पर हुए इन हमलों के जवाब में लेबनान के हथियारबंद संगठन हिजबुल्लाह ने मोर्चा खोल दिया है। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजरायल के किरिअत शमोना शहर को निशाना बनाते हुए रॉकेटों की बौछार कर दी है।

रडार को चकमा देने वाली मिसाइलों का जखीरा बाकी

टकरा रहा ईरान, 50 प्रतिशत क्षमता खत्म, फिर भी डटा

ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों ने अमेरिका इजराइल समेत खाड़ी देशों की नाक में दम कर रखा है। सच ये है कि ईरान ने आधुनिक युद्ध की परिभाषा ही बदलकर रख दी है। ईरान ने दुनिया के सामने युद्ध का एक ऐसा मॉडल रखा है जहां वैश्विक शक्तियों का वर्चस्व खत्म होता है और पारंपरिक सेना की जरूरत खत्म होती है। ईरान की एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में थाड और आयरन डोम जैसे मोस्ट एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम भी सौ फीसदी काबिल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में कोई कम शक्तिशाली देश अपनी मिसाइल शक्ति से वैश्विक शक्तियों को घुटने पर लाने की काबिलियत रखता है। ईरान की मिसाइल क्षमता ने देशों के मनोविज्ञान पर असर डाला है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू हुआ था और सिर्फ अमेरिका ने अभी तक ईरान पर साढ़े 12 हजार से ज्यादा टारगेट पर हमले किए हैं। फिर भी अमेरिका की खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि ईरान की 50 प्रतिशत से ज्यादा मिसाइल क्षमता बनी हुई है।

ईरान ने आधुनिक युद्ध की परिभाषा बदली

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को पहले हमले में ही ईरान के कमांड सेंटर को तबाह कर दिया था। प्रतिबंधों की वजह से ईरान कभी भी एक मजबूत वायुसेना नहीं बना पाया। लेकिन उसने अपनी मजबूत बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहनों के दम पर युद्ध को एक महीने से ज्यादा खींच लिया। ये ईरान की जीत कही जाएगी। ईरान ने अपने हथियारों के जखीरे को एक आक्रामक हथियार के तौर पर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक निवारक और शासन के अस्तित्व की गारंटी के तौर पर पेश किया है। इसी वजह से वह अलग-अलग स्थितियों का जवाब अलग-अलग तैयारियों के साथ देता है।

ईरान की विनाशक मिसाइल भंडार 2022 के आंकड़ों के मुताबिक क्रूज मिसाइलों को छोड़कर ईरान के पास 3 हजार से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों के होने का अंदाजा लगाया गया था। ईरान के पास मध्य पूर्व में सबसे बड़ा और सबसे विविध मिसाइल भंडार है। पिछले एक दशक में इसने अपनी मिसाइलों की सटीकता और अचूकता में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस युद्ध से पता चलता है कि ईरान ने पिछले 15-20 सालों में मिसाइल युद्ध लड़ने की जो रणनीति अपनाई थी वो सही साबित हुई है। वो इससे ज्यादा कुछ और कर भी नहीं सकता था। उसने ड्रोन युद्ध की नई परिभाषा लिख डाली है और यकीन मानिए दुनिया के तमाम देश ड्रोन युद्ध से सबक सीख रहे होंगे।

कमांडो और लड़ाकू हेलिकॉप्टर तैनात

लापता अमेरिकी पायलट के लिए 'रेस अगेंस्ट टाइम एलीट' को भेजा

ईरान के आसमान में शुक्रवार को मार गिराए गए अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान के लापता पायलट को खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच एक खतरनाक चूहे-बिल्ली का खेल शुरू हो गया है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन को सैन्य विशेषज्ञ रेस अगेंस्ट टाइम (समय के खिलाफ दौड़) करार दे रहे हैं, क्योंकि पायलट की सुरक्षा पर न केवल उसकी जान, बल्कि क्षेत्र के भविष्य का समीकरण भी टिका है। इजराइली रक्षा वेबसाइट वायनेट के अनुसार, अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज अपने अत्याधुनिक लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और एलीट इकाइयों के साथ दक्षिण-पश्चिमी ईरान के कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत में सघन तलाशी अभियान चला रही हैं। यह क्षेत्र अपनी भौगोलिक जटिलता के लिए कुख्यात है। 1,600 किमी लंबी जाग्रोस पर्वतमाला, जिसकी चोटियां 4,200 मीटर से अधिक ऊंची हैं, घने जंगलों और संकरी घाटियों से भरी हुई है। अमेरिकी सेना के लिए यह इलाका एक किल जोन साबित हो सकता है।

66,000 डॉलर का इनाम रखा

लापता पायलट को अमेरिकी हाथों में जाने से रोकने के लिए ईरान ने मनोवैज्ञानिक युद्ध का सहारा लिया है। ईरानी मीडिया ने घोषणा की है कि पायलट को पकड़ने वाले को 66,000 डॉलर का नकद इनाम दिया जाएगा। यह कदम मुख्य रूप से स्थानीय कबीलों को लुभाने के लिए है, जो इन पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे से वाकिफ हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस दुर्गम इलाके में दुनिया की कोई भी सेना स्थानीय लोगों की विशेषज्ञता का मुकाबला नहीं कर सकती। वहीं ईरान के एक चैनल पायलट को शूट करने की अपील की है।

ट्रंप प्रशासन के लिए साख की लड़ाई

पायलट का लापता होना डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ी कूटनीतिक और घरेलू चुनौती बन गया है। हाल ही में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर पूर्ण हवाई बढ़त हासिल कर ली है। ऐसे में विमान का गिरना और पायलट का लापता होना प्रशासन के लिए शर्मिंदगी का सबब है। यदि ईरान पायलट को बंधक बनाने में सफल होता है, शर्तों को मनवाने के लिए हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगा।

लेबनान के टायर बंदरगाह और बेरूत के रिहायशी इलाकों पर बमबारी

लेबनान की सरकारी एजेंसी के मुताबिक, दक्षिण लेबनान के ऐतिहासिक शहर टायर में मछुआरों के बंदरगाह पर इजराइल ने हवाई हमला किया.इसमें एक शख्स की मौत हो गई। इजराइली सेना अब सीमावर्ती गांवों जैसे आयता अल-शाब और राम्या में हमले कर रही है। लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी इलाके की तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं।

खबर संक्षेप

वॉशिंगटन की मेयर बन सकती हैं रिनी संपत

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

इसी कड़ी में भारतीय मूल की रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं।

रूस का यूक्रेन पर हमले में 5 की मौत

कीव। रूस द्वारा शुक्रवार रात यूक्रेन पर किए गए ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि

30 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय किए गए हैं। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुर्किये के अपने समकक्ष रजब तैयब एर्दोआन के साथ वार्ता के लिए इस्तांबुल की यात्रा पर हैं। जेलेंस्की का ईस्टर्न क्रिश्चियन के आध्यात्मिक नेता हैं।

पेट्रोल की कीमतों को लेकर पाकिस्तान में आक्रोश

इस्लामाबाद। ईंधन की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के कारण भारी जनाक्रोश पैदा होने के एक दिन

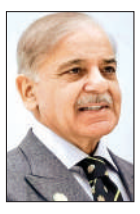

बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पेट्रोल की कीमत में 80 पाकिस्तानी रुपए की कटौती की घोषणा की है। शरीफ ने संबोधन में कहा कि सरकार ने पेट्रोल पर लगाए अतिरिक्त शुल्क में 80 रुपए प्रति लीटर की कमी की है।

पीएम मोदी ने कहा-कांग्रेस चाहती है वेस्ट एशिया भारत को दुश्मन मान ले...

खाड़ी देशों की सरकारों से हमारी दोस्ती अच्छी, वे भारतीयों को 'परिवार' मान रहे

- कांग्रेस गल्फ कंट्री को नाराज करने वाले बयान दे रही है
- केरल के लोगों की सुरक्षा के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के तिरुवल्ला और पथनमथिट्टा में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में खाड़ी देशों और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईरान युद्ध के बीच कांग्रेस समेत विपक्ष द्वारा लगाए आरोपों पर कड़ा पलटवार किया है। पीएम मोदी ने केरल के तिरुवल्ला में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। हम यहां ऐसा कोई बयान दे दें और गल्फ कंट्री से भारतीयों को बाहर निकाल दिया जाए। इसलिए कांग्रेस गल्फ कंट्री को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और उसे मोदी को गाली देने का मौका मिल जाए। पीएम मोदी ने कहा कि वो तो हमारी दोस्ती अच्छी है कि गल्फ की सभी सरकारें हमारे सभी भारतीयों को अपना ही परिवार मानकर रक्षा कर रही हैं। पीएम मोदी ने केरल की चुनावी रैली में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद बिगड़े हालात और भारत में विपक्ष की बयानबाजी पर खूब तीर चलाए। पीएम मोदी ने कहा कि अरे, राजनीति अपनी जगह है, चुनाव आते-जाते रहेंगे। मेरे लिए केरल के लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ा काम है और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूं। पीएम मोदी ने कहा कि लेकिन यहां से ऐसी-ऐसी भाषा बोली जा रही है। मैं उनको कहकर थक गया कि ये बोलने का समय नहीं है।

पीएम मोदी के भाषण की 4 प्रमुख बातें

1. *भारतीयों की सुरक्षा सर्वोपरि : प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि खाड़ी देशों में रह रहे लाखों भारतीयों, विशेषकर केरल के लोगों की सुरक्षा उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा तनाव के बावजूद, भारत सरकार वहां फंसे भारतीयों और मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है।*
2. *खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंध : पीएम मोदी ने खाड़ी देशों की सरकारों के साथ भारत के प्रगाढ़ संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि खाड़ी देशों की सरकारें वहां रहने वाले भारतीयों को अपना परिवार मानती हैं और उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखती हैं। यह भारत की मजबूत विदेश नीति और व्यक्तिगत संबंधों का ही परिणाम है कि संकट के समय में भी हमारे नागरिकों को वहां प्राथमिकता दी जा रही है।*
3. *विपक्ष (कांग्रेस) पर कड़ा प्रहार: पीएम ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला करते हुए उन पर 'खतरनाक राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ऐसे बयान दे रहे हैं जिससे खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्ते खराब हो सकते हैं। पीएम का आरोप था कि कांग्रेस चाहती है कि खाड़ी देश भारत को अपना दुश्मन समझें, ताकि वहां रह रहे भारतीयों के लिए मुसीबत खड़ी हो और कांग्रेस को मोदी पर हमला करने का मौका मिल सके। उन्होंने विपक्ष को चेतावनी दी कि वे राजनीतिक फायदे के लिए खाड़ी देशों में रह रहे लोगों की जान जोखिम में न डालें और बकवास बयानबाजी बंद करें।*
4. *संकट के समय कूटनीति : प्रधानमंत्री ने बताया कि वह खाड़ी देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष पैनिक (डर) फैलाने की कोशिश कर रहा है, जबकि सरकार कूटनीतिक रास्तों से यह सुनिश्चित कर रही है कि हमारे युवाओं और बेटियों को वहां कोई परेशानी न हो।*

विदेश मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में जताया आर्मेनिया की सरकार के प्रति आभार

ईरान से आर्मेनिया के रास्ते भारत पहुंचे 345 मछुआरे: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में संकट से उपजे तनाव के मध्य भारत ने अब तक ईरान से अपने 1200 नागरिकों को सड़क मार्ग से आर्मेनिया और अजरबैजान पहुंचाया है। यहां से जल्द ही इन लोगों की वतन वापसी होगी। वहीं, विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने शनिवार को 'एक्स' पर की गई अपनी एक पोस्ट में बताया कि ईरान से आज भारत के मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते भारत तक पहुंचाने को लेकर प्रदान की गई सुविधा के लिए नई दिल्ली, आर्मेनिया की सरकार और वहां के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान का धन्यवाद करती है। इस कवायद के जरिए 345 मछुआरे चेन्नई पहुंच गए हैं। ज्ञात हो कि ईरान से उसके पड़ोसी देशों आर्मेनिया और अजरबैजान पहुंचे भारतीयों का यह आंकड़ा बीते दिनों राजधानी में हुई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दिया था। जिसमें उन्होंने यह भी कहा था कि ईरान के अंदर भी देश के लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। इसके अलावा 1200 लोगों में 800 से अधिक छात्र भी शामिल हैं।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर भी लगातार ईरान के शीर्ष नेताओं जैसे राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित खाड़ी क्षेत्र के अन्य देशों के अपने समकक्षों से संपर्क में बने हुए हैं। जिसमें युद्ध से जूझ रहे इलाके में रहने वाले लगभग 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा होर्मुज के साथ-साथ समुद्री नौवहन से जुड़े सभी जलमार्गों पर जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही की पैरवी करते हुए सभी पक्षों से बातचीत और कूटनीति के माध्यम से जल्द से जल्द इस संघर्ष का समाधान निकालने की अपील की है।

पाकिस्तान से कहा- कर्ज तुरंत वापस करो

जंग के बीच यूएई ने पाकिस्तान से मांगे अपने 3.5 अरब डॉलर

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान संयुक्त अरब अमीरात के 3.5 अरब डॉलर के कर्ज का पूरा भुगतान करेगा, ऋण को किस्तों में चुकाने की अवधि बढ़ाने की प्रथा समाप्त करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात को देय 3.5 अरब डॉलर का भुगतान इसी महीने करने का फैसला किया है, जो लंबे समय से चली आ रही किस्तों में भुगतान की अवधि बढ़ाने की व्यवस्था से एक बदलाव का संकेत है। मामले से परिचित अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि इस कदम का उद्देश्य अबू धाबी द्वारा हाल ही में जमा राशि को अल्पकालिक,

फाइल फोटो

मासिक आधार पर विस्तारित राशि में बदलने के बाद उत्पन्न अनिश्चितता को दूर करना है। एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि यह निर्णय रजमा राशि के भविष्य को लेकर संदेह दूर करने और बार-बार अल्पकालिक विस्तार से बचनेर के उद्देश्य से लिया गया है। कई वर्षों से पाकिस्तान खाड़ी देशों के साझेदारों से प्राप्त जमा राशि के पुनर्चक्रण पर निर्भर रहा है।

जर्मनी ने पुरुषों के देश छोड़ने पर लगाई रोक

सरकार का ऐलान, 17-45 साल के लोग देश के बाहर नहीं जा सकेंगे

- बड़ा सवाल: क्या फैसला सैन्य तैयारी से जुड़ा है
- जर्मनी की सेना में करीब 1.84 लाख सैनिक हैं
- सैनिक बढ़ाकर 2035 तक 2.55 से 2.70 लाख तक करने का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶ बर्लिन

जर्मनी में 17 से 45 साल के पुरुषों की विदेश यात्रा को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। सरकार ने नई व्यवस्था लागू की है, जिसके तहत इस आयु वर्ग के पुरुषों को तीन महीने से ज्यादा समय के लिए देश छोड़ने से पहले अनुमति लेनी होगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब जर्मनी अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब अगर कोई पुरुष तीन महीने से ज्यादा समय के लिए पढ़ाई, नौकरी या किसी अन्य कारण से विदेश जाना चाहता है, तो उसे जर्मन सेना यानी बुंडेसवेहर से मंजूरी लेनी होगी। यह नियम 1 जनवरी 2026 से लागू किया गया है। पहले यह नियम सिर्फ आपात स्थिति या युद्ध जैसे हालात में लागू होता था, लेकिन अब इसे सामान्य समय में भी लागू कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत 17 से 45 साल के पुरुषों को लंबी अवधि के लिए विदेश

एआई इमेज

जाने से पहले सैन्य प्राधिकरण से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह अनुमति बुंडेसवेहर के करियर सेंटर से मिलेगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि जरूरत पड़ने पर सेना के लिए योग्य लोगों की जानकारी और उपलब्धता बनी रहे। जर्मनी सरकार इस कदम को सैन्य मजबूती से जोड़कर देख रही है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में सेना की संख्या बढ़ाई जाए। फिलहाल जर्मनी की सेना में करीब 1.84 लाख सैनिक हैं, जिसे बढ़ाकर 2035 तक 2.55 से 2.70 लाख तक करने की योजना है। ऐसे में संभावित सैनिकों का रिकॉर्ड रखना जरूरी माना जा रहा है।

युवाओं को सेना से जोड़ने की तैयारी

नई नीति के तहत 2008 या उसके बाद जन्मे युवाओं को सेना में रुचि से जुड़ा एक फॉर्म भरना होगा। यह पुरुषों के लिए अनिवार्य है, जबकि महिलाएं स्वेच्छा से इसमें भाग ले सकती हैं। सरकार का उद्देश्य युवाओं को भविष्य की सैन्य जरूरतों के लिए तैयार रखना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यूरोप में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच जर्मनी अपनी सुरक्षा नीति को मजबूत कर रहा है। कुछ विश्लेषकों ने यह भी कहा है कि जर्मनी नाटो में एक अहम भूमिका निभाता है, इसलिए उसे अपनी रक्षा क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

नागरिक स्वतंत्रता पर सवाल

इस नियम को लेकर कुछ लोगों ने चिंता भी जताई है कि इससे नागरिकों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। पहले ऐसा नियम सिर्फ युद्ध या संकट के समय लागू होता था, लेकिन अब सामान्य हालात में भी इसे लागू करना एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इससे जर्मनी की नीति में बदलाव का संकेत मिलता है।

देश के एक केंद्र शासित राज्य समेत कुल पांच राज्यों में जल्द विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध भी जारी है, जिसके चलते देश में ऊर्जा संकट की संभावना को लेकर विपक्ष भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने में जुटा है। हालांकि इन राज्यों में स्थानीय मुद्दे भी हैं, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर एसआईआर, चुनाव आयोग के मामले भी गर्म हैं। उधर, राजग खासतौर पर प. बंगाल में घुसपैठ और अल्पसंख्यकों की अनदेखी जैसे मुद्दों को लेकर बाजी पलटने के मुड में है। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। केरल की सत्ता में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

क्या राजनीतिक सरप्राइज देंगे चुनावी नतीजे

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की। बिहार पिछले वर्ष का अंतिम चुनाव था, जिसमें भाजपा जद यू और अन्य दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने ऐसी विजय प्राप्त की, जिसकी कल्पना उसके घोर समर्थक भी नहीं कर रहे थे। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने ऐसा माहौल बनाया था कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राजग के राष्ट्रीय और राज्यों की राजनीति में प्रभावी रहने के दिन गिने-चुने बचे हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की।

विपक्ष के खेमे में घोर हताशा

प्रांतीय चुनावों ने इस सोच को 360 डिग्री मोड़ दिया। विपक्ष के खेमे में घोर हताशा है जबकि भाजपा और राजग के अंदर उत्साह और उम्मीद चरम पर है। इस चुनाव में विपक्ष सफलता प्राप्त करेगा तो देश में मनोवैज्ञानिक रूप से वातावरण बनाने की कोशिश करेगा। क्या भाजपा का प्रदर्शन इन पांचों राज्यों में पिछले विधानसभा चुनाव की तरह ही अपेक्षित है? इसका सीधा उत्तर है, नहीं। तो फिर? इन पांच राज्यों में असम में पिछले 10 वर्षों से उसकी सरकार है और पुडुचेरी जैसे छोटे स्थान में भाजपा सरकार में शामिल है। तमिलनाडु में तो वह एक छोटी पार्टी के रूप में लड़ रही है। केरल में किसी को उम्मीद नहीं है कि भाजपा सत्ता में आ सकती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने जबरदस्त उपस्थिति 2018 के स्थानीय निकाय चुनाव से दिखाई है और विधानसभा में पिछली बार उसने 77 सीटें जीती। भाजपा के पक्ष और विपक्ष में वातावरण के मूल्यांकन की एकमात्र कसौटी असम में उसका प्रदर्शन होगा। इसके अलावा उसने अगर पिछले चुनाव से बेहतर किया तो फिर इसका निष्कर्ष राष्ट्रीय राजनीति में क्या होगा, यह बताने की आवश्यकता नहीं।

युद्ध से संकट का असर

इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध चल रहा है। इसका प्रभाव हमारे देश में भी है। यद्यपि पेट्रोल-डीजल, पीएनजी-सीएनजी की अभी तक देश में कमी नहीं है, किंतु विरोधियों ने लगातार ऐसा वातावरण बनाया है, जैसे देश मोदी सरकार की नीतियों के कारण संकट में फंस गया है।

यह सभी राज्यों में विपक्ष की ओर से एक बड़ा मुद्दा बनाया जा चुका है। हालांकि अफवाह नहीं हो तो देशव्यापी ऐसी शिकायत नहीं कि किसी की गाड़ी में पेट्रोल डीजल नहीं मिला या कहीं पीएनजी, सीएनजी की आपूर्ति में कमी है। एलपीजी की समस्या है, लेकिन अभी ऐसी स्थिति नहीं आई जिसमें किसी को अपने घर में खाना बनाने में समस्या हो। अब चूंकि विपक्ष ने एक बड़ा मुद्दा बनाया है, वातावरण बना हुआ है तो यह नहीं कह सकते कि चुनाव इससे प्रभावित बिल्कुल नहीं होगा। दूसरे, यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमन के विरुद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने की कोशिश हुई और इसका भी असर है।

चुनाव आयोग व एसआईआर

कोई पार्टी इसके विरोध में नहीं है, कांग्रेस ने इसका समर्थन कर दिया, बावजूद सबकी कोशिश है कि वातावरण बना रहे और हम इसके समर्थन या विरोध में न बोलें ताकि इससे भाजपा और उसके सहयोगियों को क्षति हो। इसके विरोधी दूसरे राज्यों में जाकर भी भाजपा के विरुद्ध सभाएं कर रहे हैं या यह कह सकते हैं कि विरोधी दलों द्वारा उन्हें प्रायोजित किया गया है। तीसरा मुद्दा चुनाव आयोग और एसआईआर है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस इन दोनों ने इसे चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। हालांकि बिहार में इसका कोई असर नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल का मामला अलग है। सुप्रीम कोर्ट इस पर निर्णय दे चुका है। मालदा में एसआईआर के काम करने वाले न्यायिक अधिकारियों को रातभर बंद करने का संज्ञान लेने के बावजूद वहां तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने चुनाव आयोग और एसआईआर के विरोध में ऐसा वातावरण बना दिया है, जिसमें उन्हें अपेक्षित सहयोग और अनुकूल वातावरण नहीं मिला। बंगाल में अगर भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तथा अन्य विपक्षी दल हमलावर होकर बोलेंगे कि चुनाव आयोग और एसआईआर के बावजूद लोगों ने इन्हें निकाल दिया। अब इन्हें इस प्रक्रिया को वापस लेनी चाहिए।

अगर भाजपा ने बढ़िया प्रदर्शन कर दिया तो यही कहा जाएगा कि एसआईआर के कारण मतदाताओं के नाम कटवा कर जीती है और चुनाव आयोग की इसमें भूमिका है। लोकसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव भेजा हुआ है। दोनों परिस्थितियों में विपक्ष चुनाव के बाद एसआईआर और चुनाव आयोग के विरुद्ध अभियान चलाएगा। वैसे अभी तक की गणना में सबसे ज्यादा नाम तमिलनाडु में कटे हैं। वहां भी मुद्दा है पर पश्चिम बंगाल की तरह नहीं। चौथा, इस बार हर राज्य में हिंदुत्व और मुस्लिम कट्टरवाद मुद्दा है।

घुसपैठ बना बड़ा मुद्दा

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी समारोह के मार्च लगातार रोकने की कोशिश हुई। बंगाल और असम दोनों जगह घुसपैठ को भाजपा ने सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। बंगाल में ही तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रख दी । तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय के आने से मामला त्रिकोणीय हुआ है। अगर वहां विजयकांत अच्छा करते हैं तो भविष्य में राष्ट्रीय राजनीति में उसका महत्व बढ़ेगा। इस तरह पांच राज्यों में चुनाव राष्ट्रीय राजनीति में मुद्दे, पक्ष-विपक्ष के बीच संबंध, आंशिक रूप से राजनीतिक समीकरण तथा हिंदुत्व सनातन की दृष्टि से स्पष्ट दिशा देने वाला हो सकता है।

केरल चुनाव : स्थानीय मुद्दे बाजी न पलट दें

समीकरण

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

केरल राज्य के 1957 में गठन के बाद से मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही हैं जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नहीं रहा। 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी?

विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशकभर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि बीते लोकसभा चुनाव की बात करें तो उनके खेमें में 140 में से 99 सीटें आई थी, जिसको मजबूत स्थिति माना गया था। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की थी, जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में सार्थक हो पाती है? मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्य में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है।

मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं।

इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। वहीं, इसके इसके विपरीत कांग्रेस सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है जिसके अहम मुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बड़े स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है, जिससे युवा बेरोजगार हैं। युवाओं का राज्य से पलायन लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रूप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है। इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंट एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था। वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बर्बादी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वायनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालत में खाली पड़े हैं, चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जिस बारे में कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नहीं मिली, इससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है। इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं, जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं। इसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें तो केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं। वहीं लड़कों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नहीं है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं। कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नहीं समाया हुआ, जिससे वह स्थानीय जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। चूंकि कई बार बड़े मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपने किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुनः अपने आप को स्थापित करती है।

तमिल चुनाव में देखने को मिलेगा विजय का प्रभाव

त्रिकोणीय

योगेंद्र माथुर

स्वतंत्र पत्रकार

पांच राज्यों के चुनाव के महासमर में सीटों के लिहाज से दूसरे सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदाता अपना मत डालेंगे। राज्य में कुल 234 सीटों पर चुनाव होना है और सभी पार्टियां अपनी कमर कस कर मैदान में आ जुटी हैं। तमिलनाडु एक समृद्ध व प्रगतिशील राज्य है और यहां के मतदाता अन्य चार राज्यों की अपेक्षा अधिक शिक्षित व बुद्धजीवी माने जाते हैं। यहां सामान्यतः शांतिपूर्ण चुनाव होते रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति परम्परागत रूप से क्षेत्रीय दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। मुख्यतः यहां द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच मुख्य मुकाबला होता रहा है। इस बार अभिनेता से राजनेता बने विजय ने चुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। राज्य की राजनीति में विजय के तेजी से उभार व उनके नई पार्टी के साथ मैदान में उतरने से यहां का चुनाव अधिक दिलचस्प हो गया है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) राज्य की सभी 234 सीटों पर चुनाव चुनाव मैदान में उतरी है। दूसरी ओर, गहन पुनरीक्षण की अंतिम सूची आने के बाद भी यहां का राजनीतिक परिदृश्य काफी बदला हुआ नजर आने की संभावना है। एसआईआर में तमिलनाडु में सबसे अधिक नाम कटे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य में कुल 6.6 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। पुनरीक्षण में 74 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कटने के बाद अब 5.7 करोड़ मतदाता इस चुनाव में अपने मत का उपयोग कर सकेंगे। मतदाताओं की संख्या के इस बदलाव का प्रभाव राज्य की विधानसभा सीटों के समीकरण पर भी देखने को मिल सकता है। राजनीतिक दलों को समीकरण बदलाव की इन संभावनाओं के दृष्टिगत अपनी रणनीति तय करनी होगी। वर्तमान में राज्य में एमके स्टालिन के नेतृत्व में 8 पार्टियों के द्रमुक गठबंधन की सरकार सत्ता में है। परंपरागत रूप से उसका मुकाबला अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी अन्नाद्रमुक से ही है, लेकिन अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के मैदान में आने से मुकाबला रोचक बन गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में द्रमुक गठबंधन को कुल 159 सीटें मिली थीं और अन्नाद्रमुक गठबंधन को 75 सीटों के साथ विपक्ष में बैठना पड़ा था। इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है। अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम को तोड़कर द्रमुक में शामिल करने के बाद एम के स्टालिन का उत्साह बढ़ा हुआ नजर आ रहा है और वे सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि 1971 के बाद से द्रमुक की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी नहीं हुई है। मुकाबले में अन्नाद्रमुक अपेक्षाकृत कमजोर दिख रही है। पार्टी प्रमुख जयललिता के निधन के बाद पार्टी में बिखराव व असंतोष की लहर पार्टी के चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है। पार्टी के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम के द्रमुक में जाने के बाद जयललिता की सहयोगी रहीं शशिकला के अलग पार्टी बना लेने से अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता ई.पलानीस्वामी के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ गई हैं। इस चुनाव में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में भाजपा प्रमुख पार्टी है, जो विगत लंबे अरसे से दक्षिण में पैठ बनाने की जद्दोजहद कर रही है, लेकिन उसका अपेक्षित जनाधार बढ़ता दिख नहीं रहा है। 2001 में भाजपा ने करुणानिधि के नेतृत्व में द्रमुक के साथ राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ा था और 4 सीटें जीते थीं। विगत 2021 के चुनाव में भी भाजपा 4 सीटों पर ही सीमित रही। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसका अप्रत्यक्ष लाभ जरूर अन्नाद्रमुक गठबंधन को मिल सकता है। ऐसे में विजय की पार्टी के प्रदर्शन पर राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान केंद्रित हो गया है। आरंभिक ओपिनियन पोल के नतीजों को मानें तो टीवीके का प्रभाव राज्य के दक्षिणी भाग में अधिक देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर युवाओं में भी विजय खासा प्रभाव डालने में सफल होते दिख रहे हैं। चुनावी विश्लेषकों के एक वर्ग के अनुसार विजय की पार्टी सत्ता विरोधी मतों का विभाजन कर अन्नाद्रमुक को नुकसान पहुंचाएगी। वहीं, एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि विजय के ईसाई समुदाय का होने से स्टालिन की परेशानियां बढ़ेंगी। बहरहाल चुनाव के नतीजे कुछ भी रहें, सरकार में विजय की पार्टी का हस्तक्षेप व प्रभाव बढ़ना तय है।

इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है।

द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में भाजपा की सेंध पर संशय

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में बीजेपी 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में बीजेपी का कद बढ़ा है, लेकिन क्या द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में सेंध लगा पाएगी 'भगवा' ब्रिगेड? सबसे बड़ा सवाल यही है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। लगभग छह करोड़ वोटर नए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। 21 राजनीतिक पार्टियों ने करीब 2,200 उम्मीदवार उतारे हैं। कई तरह के समीकरण, नया जनादेश और नए चेहरे पांच मई से अगले पांच साल के लिए विधायक बनेंगे। पिछले 70 साल से राज्य में बारी-बारी से डीएमके या एआईएडीएमके की सरकार बनती रही है। अबकि पहली बार डीएमके 234 में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एआईएडीएमके ने 167 उम्मीदवार उतारे हैं। क्या यह सहयोगियों को ज्यादा सीट देने का संकेत है, या फिर उनके प्रभाव में कमजोरी दिखाता है? दोनों द्रविड़ पार्टियों के गठबंधन में एक-एक राष्ट्रीय पार्टी शामिल है। दोनों ने अपनी नजर में 'कमजोर' सीटें सहयोगियों को दी हैं-डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीटें दी हैं, जबकि एआईएडीएमके ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। इससे भी त्रिशंकु विधानसभा की संभावना का संकेत मिलता है। बहरहाल, राज्य में बीजेपी के लिए चुनौती अलग तरह है। यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क है। हालांकि पार्टी धीरे-धीरे अपने आधार को बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी ने आक्रामक रणनीति अपनाई है। उनकी 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा ने बीजेपी को गांव-गांव तक पहुंचाया। 2024 लोकसभा चुनाव में सीट नहीं जीत पाने के बावजूद

यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क माना जा रहा है।

बीजेपी का वोट शेयर 11.2 फीसदी तक पहुंच गया, जो पहले 2.6 फीसदी था। अब 2026 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन कर बीजेपी खुद को एक मजबूत विकल्प के तौर पर स्थापित करना चाहती है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने केवल 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और चार पर जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार पार्टी 27 सीटों पर अपना पूरा दम दिखाने को तैयार है। यहां बीजेपी का प्रदर्शन दक्षिण भारतीय राज्यों में उसकी नई तस्वीर पेश कर सकती है। पिछले दो चुनावों के आंकड़े देखें तो बीजेपी नेतृत्व वाली एनडीए और डीएमके नेतृत्व सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस के बीच पांच से छह फीसदी वोटों का अंतर रहा। अब एनडीए नए-नए जाति समूहों और संगठनों को पाले में लाकर वोटों के इस अंतर को खत्म करने में जुटा है। राज्य की राजनीति में वन्नियार, थेवर, दलित और ओबीसी समुदायों का बड़ा प्रभाव है। बीजेपी इन समुदायों के बीच पैठ बनाने के लिए सामाजिक अभियानों, स्थानीय नेताओं को आगे लाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर जोर दे रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में एआइएडीएमके से गठबंधन टूट जाने पर अकेले लड़ने वाली बीजेपी 18.28 फीसदी वोट हासिल करने में सफल रही। बीजेपी को 79 लाख से ज्यादा वोट मिले। इससे पूर्व 2021 के विधानसभा चुनाव में कुल 234 सीटों में से सत्ताधारी डीएमके गठबंधन को 159 सीटें तो भाजपा-एआइएडीएमके को 75 सीटें मिलीं थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर बीजेपी और एआईएडीएमके का वोट शेयर मिला दें तो 41.33 फीसदी वोट होता है, जबकि सत्ताधारी डीएमके नेतृत्व इंडिया गठबंधन सिर्फ पांच फीसदी अधिक 46.97 फीसदी वोट हासिल कर सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रहा था। रणनीतिकारों का मानना है कि अगर 2024 का लोकसभा चुनाव दोनों दलों ने मिलकर लड़ा होता तो 12 सीटों पर संभावनाएं बन सकती थीं। एआईएडीएमके को 23 फीसदी और बीजेपी को 18 फीसदी वोट मिले थे। कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है, जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।

तृणमूल संग सीधी स्पर्धा में भाजपा का पलड़ा भारी

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आजकल बड़ा मुद्दा यही है कि क्या ममता का दुर्ग दरक रहा है? राज्य की राजनीतिक स्थिति वर्तमान में एक ऐसे मोड़ पर है, जहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बौखलाहट केवल राजनीति से प्रेरित बयानबाजी नहीं, बल्कि गहरे जमीनी बदलावों का संकेत दे रही है। 2011 में परिवर्तन का नारा देकर वामपंथ के अभेद्य किले को ढहाने वाली ममता आज स्वयं वैसी ही घेराबंदी का सामना कर रही हैं, जैसी उन्होंने कभी बुद्धदेव भट्टाचार्य के विरुद्ध की थी।

यदि 2016 से लेकर 2021 तक के चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण करें तो तृणमूल के प्रति मूल बंगालियों में अविश्वास उत्पन्न हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से बंगाल के चुनावी परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। जहां पहले स्पर्द्धा वामपंथ और तृणमूल के बीच थी, वहां अब वामपंथ का स्थान भाजपा ने ले लिया है। आंकड़ों को देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 44.91 प्रतिशत मतों के साथ 211 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा मात्र 10.16 प्रतिशत वोट और 3 सीटों पर सिमट गई थी। उस समय वाम मोर्चा और कांग्रेस के गठबंधन को लगभग 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव तक आते-आते स्थिति पूरी तरह बदल गई। तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 215 सीटें हासिल कीं, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत 10 से बढ़कर सीधे 38.13 प्रतिशत पर पहुंच गया और उसकी सीटों की संख्या 3 से बढ़कर 77 हो गई। आश्चर्य ये रहा कि वाम मोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन मात्र 10 प्रतिशत मतों और 1 सीट पर सिमट कर रह गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा अब राज्य में कोई अस्थायी लहर नहीं बल्कि एक स्थायी और शक्तिशाली विपक्ष बन चुकी है। बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। राज्य की लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है। हालांकि, निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे कड़े मतदाता पुनरीक्षण ने तृणमूल की रणनीतियों को प्रभावित किया

बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है।

है। निर्वाचन सूचियों से फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों का हटना ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों जैसे उत्तर और दक्षिण 24 परगना, मालदा और मुर्शिदाबाद में यदि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम सूचियों से हटते हैं, तो इसका सीधा असर तृणमूल के सुरक्षित वोट बैंक पर पड़ेगा। हाल के वर्षों में भारतीय सेक्युलर फ्रंट के उभार और मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ते असंतोष ने यह संकेत दिया है कि यह वोट बैंक अब विभाजित हो सकता है। यदि मुस्लिम मतों में 5 से 7 प्रतिशत की भी गिरावट आती है, तो दर्जनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को सीधा लाभ मिल सकता है। 2021 के चुनावों में ऐसी लगभग 50 सीटें थीं, जहां जीत का अंतर बेहद कम था। वहां मतदाता सूची की शुद्धता भाजपा के पक्ष में फलीभूत हो सकती है। ममता की बौखलाहट के पीछे अनेक कारण हैं। मुख्यमंत्री की हालिया आक्रामक बयानबाजी उनके राजनीतिक आधार के खिसकने की घबराहट को दर्शाती है। शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन घोटाला और संदेश खाली जैसी घटनाओं ने सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। साथ ही, आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने ममता के सबसे मजबूत वोट बैंक यानी महिला मतदाताओं के बीच एक अविश्वास पैदा किया है। प्रशासनिक पकड़ का ढीला होना और स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर का प्रबल होना तृणमूल के लिए खतरे की घंटी है। आगामी चुनाव में बहुसंख्यक हिंदुओं तथा मूल बंगालियों की पहली पसंद भाजपा ही होगी, इसमें संदेह नहीं है, किंतु सत्तारूढ़ होने की स्थिति में भाजपा को इस सीमावर्ती प्रांत में एक सशक्त, दृढ़निश्चयी तथा कठोर निर्णय लेने वाला नेता बैठाना होगा। बंगाल में भाजपा के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, लेकिन इसके लिए पार्टी को एक सशक्त और निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। आगामी दिनों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भाजपा सत्तारूढ़ गठबंधन एआईएनआरसी के साथ शासन में भागीदार है। शेष तीन राज्यों क्रमशः पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में विपक्ष की सरकारें हैं। बंगाल तो भाजपा के लिए अनुकूल प्रतीत होता है, किंतु तमिलनाडु और केरल में स्थितियां अभी भी प्रतिकूल ही हैं।

धागों के जरिए मोनालिसा को जीवंत करने के साथ सपनों को उड़ान देती पेंटिंग

रविंद्र भवन स्थित ललित कला आर्ट गैलरी में पेंटिंग एग्जीबिशन लगाई

ललित कला आर्ट गैलरी में दिखा रंग, धागों और भावनाओं का अनोखा संगम

देशभर से आए 70 कलाकारों ने दिखाया अपने हाथों का जादू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एक स्वतंत्र औरत के सपनों और उसकी उड़ान को दर्शाती भावनात्मक अभिव्यक्तियों से सजी पेंटिंग्स ने शनिवार शाम रविंद्र भवन स्थित ललित कला आर्ट गैलरी को खास बना दिया। रिद्धि सिद्धि आर्ट स्टूडियो द्वारा आयोजित इस पेंटिंग एग्जीबिशन में देशभर से आए करीब 70 कलाकारों ने अपनी पेंटिंग्स, हैंडीक्राफ्ट और मूर्तिकला के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में ऐसी कलाकृतियां देखने को मिलीं, जिनमें न केवल रंगों का जादू था, बल्कि धागों, लेयर्स और तकनीकों का अनूठा प्रयोग भी नजर आया। कहीं एक महिला अपने सपनों को साकार करने की जद्दोजहद में दिखी, तो कहीं धागों के जरिए मोनालिसा और अजीत डोभाल की जीवंत छवि उकेरी गई। इसके साथ ही प्रदर्शनी में स्वतंत्रता की तलाश में छटपटाती चिड़िया भी खास आकर्षण का केंद्र रही।

रविंद्र भवन स्थित ललित कला आर्ट गैलरी में आयोजित पेंटिंग एग्जीबिशन में उपस्थित युवतियां।

26 साल बाद हुआ एमए करने का सपना पूरा

जहीर कागजी की पेंटिंग्स में सपनों की दुनिया को पक्षी के रूप में दर्शाया गया, जिसमें एक महिला अपने सपनों को पूरा करने के संघर्ष में लगी हुई नजर आती है। उनकी चारकोल पेंटिंग में भी यही भाव स्पष्ट झलकता है। उन्होंने बताया कि 26 साल बाद एमए पूरा करने का अनुभव उनकी कला में प्रेरणा बनकर उभरा है।

एक सप्ताह में तैयार की धागों से सजी पेंटिंग

शुभम कुशवाह ने धागों और कीलों की मदद से मोनालिसा और अजीत डोभाल की अनोखी पेंटिंग तैयार की। उन्होंने कैनवास को गोलाकार में बांटकर धागों की विभिन्न लेयर्स से डार्क और लाइट शेड्स को बारीकी से उकेरा। उन्होंने कहा इस पेंटिंग को बनाने में मुझे एक सप्ताह का समय लगा।

ऑइल पेंट से बनी भगवान परशुराम की पेंटिंग

ऋषभ निगम की तीन बाय चार फीट की भगवान परशुराम की पेंटिंग भी आकर्षण का केंद्र रही। ऑइल पेंट से बनी इस कलाकृति में आध्यात्मिकता की गहरी झलक दिखाई दी। उन्होंने बताया कि बचपन से सुनी आध्यात्मिक कहानियों का असर उनकी कला में स्पष्ट नजर आता है।

मोहिनीअट्टम नृत्य पर आधारित पेंटिंग

निधि पांडेय की मोहिनीअट्टम नृत्य पर आधारित पेंटिंग ने भी दर्शकों का मन मोह लिया। उन्होंने नृत्य की सुंदर मुद्राओं को अपनी कला में जीवंत किया। निधि ने बताया कि बचपन से ही नृत्य के प्रति उनके लगाव ने उनकी पेंटिंग्स को विशेष पहचान दी है।

शनिवार शाम रवींद्र भवन में नाटक 'चाणक्य' का किया मंचन

मैं आर्य चाणक्य, तुम्हें संपूर्ण भारत का चक्रवर्ती सम्राट देने के लिए तत्पर रहूंगा...

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

30 सदस्यीय कलाकारों की टीम ने दी शानदार प्रस्तुति

कलाकारों की शानदार प्रस्तुति ने बांधा समां, मानव जीवन की सीमाओं को दर्शाते दो स्तंभों का प्रयोग

शनिवार की शाम रवींद्र भवन में 'चाणक्य' नाटक के मंचन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। करीब 30 सदस्यीय कलाकारों की टीम ने अपने प्रभावशाली अभिनय से ऐसा समां बांधा कि हर एक डॉयलाग्स पर दर्शक ताली बजा उठे। नाटक में मुख्य चाणक्य का किरदार फिल्म और टीवी अभिनेता मनोज जोशी ने निभाया और उनका कहा संवाद- मैं आर्य चाणक्य, तुम्हें संपूर्ण भारत का चक्रवर्ती सम्राट देने के लिए तत्पर रहूंगा- जैसे ही गूंजा, पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। चाणक्य के जीवन पर आधारित इस नाटक में 30 कलाकारों ने विभिन्न भूमिकाएं निभाईं। जिसमें कई कलाकार बीस साल से अपने किरदार को निभा रहे हैं, मंच पर साज-सज्जा दृश्यों के अनुरूप बेहद आकर्षक और प्रभावी रही।

2 घंटे 45 मिनट के इस नाटक को देखने के लिए हर वर्ग के दर्शक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कई कलाकार पिछले 20 वर्षों से जुड़े हुए हैं, जो इसकी मजबूती और निरंतरता को दर्शाता है। मंचन की एक खास विशेषता दो स्तंभों का प्रतीकात्मक प्रयोग रहा, जिसके द्वारा मानव जीवन की सीमाओं और संघर्षों को दर्शाया गया।

शाम रवींद्र भवन में नाटक 'चाणक्य' का मंचन करते कलाकार।

नाटक के प्रमुख बिंदु

- मगध के राजा धनानंद द्वारा अपमानित किए जाने के बाद चाणक्य की प्रतिज्ञा।
- चंद्रगुप्त मौर्य जैसे योग्य शासक की खोज और उनका प्रशिक्षण।
- छोटे-छोटे राज्यों को एकजुट कर अखंड भारत के निर्माण का सपना।
- कूटनीति, गुप्तचर व्यवस्था और रणनीति के जरिए धनानंद का पराभव।
- अंत में चंद्रगुप्त के राज्याभिषेक के साथ मौर्य साम्राज्य की स्थापना।

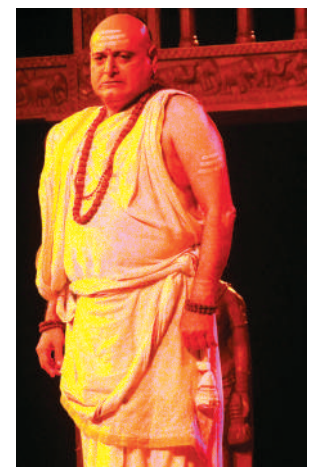

कथासार

यह नाटक विष्णुगुप्त (चाणक्य) के जीवन, मगध के राजा धनानंद द्वारा उनके अपमान और चंद्रगुप्त मौर्य के साथ मिलकर अखंड भारत के निर्माण की ऐतिहासिक गाथा को प्रस्तुत करता है। इसमें चाणक्य की कूटनीति, उनकी अटूट प्रतिज्ञा, राष्ट्रप्रेम और मौर्य साम्राज्य की स्थापना को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया।

चाणक्य का किरदार मेरी 38 वर्षों की महत्वपूर्ण साधना है

1752 बार चाणक्य का किरदार निभा चुके मनोज जोशी ने कहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मेरे फैंस मुझे शहीद भगत सिंह के रोल में देखेंगे

मेरे लिए थिएटर प्राणायाम के समान है। जिस प्रकार एक स्वस्थ शरीर के लिए प्राणायाम आवश्यक है, उसी प्रकार एक रंगकर्मी के लिए थिएटर जरूरी है। मेरी बात की जाए तो थिएटर मेरे लिए मां समान है, जिसकी गोद में मैं पला-बढ़ा और आज इस मुकाम पर पहुंचा हूं।" यह कहना है मशहूर अभिनेता मनोज जोशी का। उन्होंने शनिवार को रविंद्र भवन में 'चाणक्य' का किरदार 1752वीं बार निभाया। करीब 38 वर्षों से इस भूमिका को जीवंत कर रहे मनोज जोशी ने कहा कि वे स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं कि ईश्वर ने उन्हें इतना बड़ा किरदार निभाने का अवसर दिया, जिसने उन्हें एक अलग पहचान दी।

हरिभूमि चर्चा

उन्होंने बताया कि नीम करौली बाबा में उनकी गहरी आस्था है और वे उनके आराध्य हैं। उनकी सफलता की कहानी भी वहीं से शुरू हुई। अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दर्शक उन्हें शहीद भगत सिंह के किरदार में देखेंगे, जो उनका ड्रीम रोल है। इसके अलावा नीम करौली बाबा पर भी उनका एक प्रोजेक्ट आने वाला है।

वसुधैव कुटुंबकम की शिक्षा लेनी चाहिए

चाणक्य की 'साम, दाम, दंड, भेद' नीति पर बात करते हुए मनोज जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में शासन व्यवस्था इन नीतियों के आधार पर चलनी चाहिए। हालांकि आज के वैश्विक हालात को देखकर ऐसा लगता है कि कई विदेशी ताकतें केवल 'दंड' की नीति को ही अपनाए हुए हैं, जबकि उन्हें भारत से 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना सीखनी चाहिए।

अखा सिंधी बोली साहित्य सभा के अवॉर्ड घोषित

अशोक मनवानी को सिंधियत और आसुदो को साहित्य अवॉर्ड

भोपाल। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा ने वर्ष 2024 -25 के लिए सम्मान घोषित कर दिए हैं। इस वर्ष महाराष्ट्र को तीन और मध्य प्रदेश को दो अवॉर्ड मिल रहे हैं। इस वर्ष 19 अप्रैल को नागपुर में डॉ. आंबेडकर सभागार में संस्था के वार्षिक समारोह में साहित्य, सिंधियत,भाषा विकास, नाटक, संगीत, चित्रकला आदि के क्षेत्र में कार्य करने वाले कलमकारों और कला धर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष जयसिंघानी ने बताया कि कई साल से अपने-अपने क्षेत्र में कार्य कर रहे अनेक लेखक और कलाकार सम्मानित किए जा रहे हैं। सभा ने इस वर्ष के पुरस्कार चयन समिति की बैठक के पश्चात घोषित किए हैं। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा ने इस वर्ष गायन और संगीत अवॉर्ड गिरीश साधवानी मुंबई, साहित्य अवॉर्ड आसुदो लछवानी भोपाल, सिंधियत अवॉर्ड अशोक मनवाणी भोपाल, नाटक अवॉर्ड मोहन टहलियानी दिल्ली, अदीब अवॉर्ड रोमा जयसिंघानी, मुंबई को देने का निर्णय लिया है। लेंग्वेज प्रमोशन अवार्ड किशन रतनानी कोटा, चित्रकला अवॉर्ड संजना रामचंदानी मुंबई और फनकार अवॉर्ड कल्पना अशोक चेलानी, वडोदरा को दिया जाएगा। विजय इसरानी, दिल्ली को वर्ष 2023-24 के लिए सिंधियत अवॉर्ड दिया जाएगा। कार्यक्रम में युवा नृत्यांगना काव्य नावाणी, दिल्ली भी सम्मानित होंगी। उनकी नृत्य प्रस्तुति भी होगी। प्रत्येक पुरस्कार में 50 हजार की सम्मान निधि, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाता है।

70 वर्ष से अधिक आयु के गायकों ने प्रस्तुत किए हिंदी फिल्म के सदाबहार नगमें

गाता रहे मेरा दिल-सीजन 1 में सजी मधुर सुरों की यादगार सुरीली शाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर में संगीत प्रेमियों के लिए आयोजित 'गाता रहे मेरा दिल-सीजन 1' म्यूजिकल कार्यक्रम एक यादगार और सुरमयी शाम के रूप में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विभिन्न आयु के 40 प्रतिभागियों ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें 18 वर्ष से लेकर 70 वर्ष से अधिक आयु तक के प्रतिभागियों ने भाग लिया। विशेष रूप से चार गायक ऐसे थे जिनकी आयु 70 वर्ष से अधिक थी और उन्होंने मंच पर शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। इनमें 79 वर्षीय रमेश शाहपुरकर विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जो इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विशेष रूप से महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर से भोपाल आए थे। उन्होंने मंच पर बार बार देखो... गीत प्रस्तुत किया।

लोकप्रिय गीतों ने दर्शकों का मन जीता

कार्यक्रम में पुराने हिंदी फिल्मों के लोकप्रिय गीतों ने विशेष रूप से दर्शकों का मन जीत लिया। इनमें पिया तू अब तो आजा, बचना ऐ हसीनों और बदन पे सितारे लपेटे हुए जैसे सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। इस कार्यक्रम की एक और विशेषता यह रही कि यह पूरा मंच महिलाओं के एक समूह द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शौकिया गायकों को एक ऐसा मंच देना था जहां वे बिना किसी प्रतियोगिता और दबाव के सिर्फ संगीत का आनंद ले सकें।

स्ट्रीट जैमर बैंड ने बिखेरा संगीत का जादू

आरएनटीयू के 'रिदम 2के26' की सेलेब्रिटी नाइट

शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'रिदम 2के26' के सोलहवें संस्करण के अंतर्गत आयोजित सेलेब्रिटी नाइट में स्ट्रीट जैमर बैंड ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही बैंड ने मंच संभाला, पूरा परिसर संगीत की धुनों और दर्शकों की तालियों से गूंज उठा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

संगीत से सराबोर रही शाम

सेलेब्रिटी नाइट की शुरुआत स्ट्रीट जैमर बैंड ने अपने लोकप्रिय गीत देवा-देवा से की, जिसके साथ ही दर्शकों में उत्साह चरम पर पहुंच गया। इसके बाद 'कबीरा', 'हवाएं', 'दिल से' और 'मेरे महबूब' जैसे गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को और भी ऊर्जावान बना दिया। हर प्रस्तुति के साथ दर्शकों की तालियां और सीटियां गूंजती रहीं, जिससे पूरा प्रांगण एक भव्य लाइव कॉन्सर्ट में तब्दील हो गया।

मध्य प्रदेश चैप्टर का वार्षिक मिलन समारोह, सभी ने अपने-अपने अनुभव साझा किए

आईआईएमसी एलुमनी का 'कनेक्शन्स 2026': एक्टर चंदन रॉय बने 'एलुमनी ऑफ द ईयर'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) एलुमनी एसोसिएशन के मध्य प्रदेश चैप्टर का वार्षिक मिलन समारोह 'कनेक्शन्स 2026' भोपाल में उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में लोकप्रिय ओटीटी सीरीज 'पंचायत' से चर्चित अभिनेता चंदन रॉय को 'एलुमनी ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

आईआईएमसी के पूर्व छात्र रहे चंदन रॉय ने अपने कॅरियर की शुरुआत पत्रकारिता से की थी और आज वे अभिनय की दुनिया में एक सशक्त पहचान बना चुके हैं। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से संस्थान के पूर्व विद्यार्थी बड़ी संख्या में भोपाल पहुंचे और कार्यक्रम में सहभागिता की।

आईआईएमसी का वार्षिक मिलन समारोह 'कनेक्शन्स 2026' में आए पूर्व विद्यार्थी फोटोशूट कराते हुए।

वक्ताओं ने अनुभव साझा किए

समारोह की अध्यक्षता मध्य प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. आशीष जोशी ने की। कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, उपाध्यक्ष दीप्ति चौरसिया, पूर्व अध्यक्ष अनिल सौमित्र, महासचिव मानसी समाधिया, वरिष्ठ एलुमनी दिनेश कुमार, पी.के. मोहंती तथा सिद्धार्थ सामल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अपने-अपने पेशेवर अनुभव साझा करते हुए संवाद, सहयोग और नेटवर्किंग (संपर्क-संवर्धन) की इस परंपरा को और मजबूत करने पर जोर दिया।

आईआईएमसी जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी

अपने संबोधन में चंदन रॉय ने संघर्षपूर्ण यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आईआईएमसी उनके जीवन की एक महत्वपूर्ण कड़ी रहा, जिसने उनके अभिनय के सपने को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाई। वहीं प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने कहा कि आईआईएमसी के योगदान के बिना भारतीय पत्रकारिता का इतिहास अधूरा रहेगा। पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सौमित्र ने अपने अनुभवों से सभी को प्रेरित किया और संगठनात्मक ऊर्जा को नई दिशा दी। कार्यक्रम के सफल संचालन में अंकित फ्रांसिस, कोमल बडोडेकर और अनंत सिंह सहित कई सक्रिय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरलम में भाजपा की चुनावी रैली को किया संबोधित

केरलम को बताया अपार संसाधन और संभावनाओं वाला प्रदेश, कांग्रेस, एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने अनदेखी की, लोग इनसे सावधान रहें

पीएम ने केरल के तिरुवला में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ तिरुवला

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के तिरुवला में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है। राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि अब एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में केरल को फायदा होगा, भले ही उन्हें खुद व्यक्तिगत रूप से कुछ नुकसान उठाना पड़े। अनूप 5 वर्षों से उनके साथ समर्पण के साथ काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताया

सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी किया उल्लेख

मंच पर प्रधानमंत्री का स्वागत करते नेतागण

गनता ने एनडीए के समर्थन में मानव दीवार खड़ी की

रैली में आने के दौरान पूरे रास्ते लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। वाम दल जहां मानव श्रृंखला की बात करते हैं, वहीं केरल की जनता ने एनडीए के समर्थन में मानव दीवार खड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सरकारों ने इस क्षेत्र की लंबे समय तक अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि यहां की सड़कें खराब हालत में हैं, वर्षों से नए पुल नहीं बने हैं और मेडिकल कॉलेज की स्थिति भी चिंताजनक है। बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण लोगों की जीवन गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा है।

ईसाई समुदाय के लिए 5 गुना तक फंड बढ़ाया

उन्होंने कहा कि जब एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में सत्ता में थे, तब केरल को कम फंड मिलता था। लेकिन मोदी सरकार में राज्य को 5 गुना ज्यादा फंड दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों में, जहां बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय रहता है, वहां एनडीए की सरकारें बनी हैं और विकास कार्य हुए हैं।

संगीतकार विनायकम के 'गमक बॉक्स' की तारीफ की

प्रधानमंत्री ननें शनिवार को चुनावी यात्रा के दौरान चेन्नई में प्रसिद्ध संगीतकार रमेश विनायकम और उनके परिवार से मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर ले जाने के उनके प्रयासों की सराहना की।पीएम मोदी ने बताया कि रमेश विनायकम ने उन्हें 'गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम' की झलक दिखाई।

बंगाल में चुनाव प्रचार करने पहुंची सीएम रेखा

भय और भ्रष्टाचार की राजनीति का अंत होगा

खड़गपुर। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दिल्ली की सीएण रेखा गुप्ता भी भाजपा का प्रचार करने खड़गपुर पहुंचीं। उम्मीदवार दिलीप घोष के नामांकन से पहले शहर में रैली निकाली गई। सुवेंदु अधिकारी भी शामिल हुए। रेखा ने कहा कि ममता सरकार के भय और भ्रष्टाचार की राजनीति का अंत होगा।

पीएम मोदी और सीएम विजयन पर भड़के राहुल

सत्ता के नशे में चूर और अहंकारी हो गए...

अलाप्पुझा। केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अलाप्पुझा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर तीखा हमला बोला। राहुल ने आरोप लगाया कि लंबे समय तक सत्ता में रहने की वजह से दोनों नेताओं में अहंकार आ गया है।

थरूर के काफिले पर हमला

गनमैन को पीटा, पुलिस ने 2 को हिरासत में लिया

मलप्पुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के काफिले पर केरल में उस समय हमला हो गया, जब वे चुनाव प्रचार के सिलसिले में मलप्पुरम जिले पहुंचे हुए थे। कुछ अज्ञात लोगों ने उनके काफिले को रास्ते में रोक लिया और उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट भी की। पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है।

मुर्शिदाबाद में चौधरी पर कथित हमला

कांग्रेस ने टीएमसी पर लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाया। मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर से चौधरी ने दावा किया कि उन पर हमला किया गया।

टीएमसी सभी माओवादी चरमपंथियों और राष्ट्रविरोधी ताकतों की संरक्षकः सुवेंदु

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पूरे बंगाल में भाजपा की लहर है। टीएमसी माओवाद पर आधारित दिख रही है।

सीएम ममता का हमला

2026 में गिर जाएगी मोदी सरकार

मानिकचक। सीएम ममता बेनर्जी ने कहा है कि मोदी सरकार 2026 में गिर जाएगी।भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह बंगाल को टारगेट कर रहे हैं, हम दिल्ली को करेंगे।

ये भी बोले

जब अन्याय कानून बन जाए, तो विरोध ही रास्ताः सलीम

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हिंसा को लेकर सियासत तेज हो गई है। माकपा के वरिष्ठ नेता मोहम्मद सलीम ने इस घटना का बचाव करते हुए कहा कि जब अन्याय कानून बन जाता है, तो विरोध ही एकमात्र रास्ता बचता है।यह केंद्र और राज्य सरकार की विफलताओं का परिणाम है।

पीएम मोदी से मिलने केरल से लौटे अन्नामलाई

चेन्नई। दक्षिण भारत के भाजपा के चर्चित और युवा नेता के अन्नामलाई केरल में चुनाव प्रचार छोड़कर तमिलनाडु लौट आए। वे चेन्नई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

असम के श्रीभूमि में भाजपा की जनसभा

नबीन ने गिनाईं विकास योजनाएं, जीत का दावा

श्रीभूमि। असम के श्रीभूमि में जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भाजपा-एनडीए की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सभा में उमड़ी भारी भीड़ इस बात का साफ संकेत है असम में भाजपा की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है। भाजपा सरकार ने असम के विकास और उसकी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाया।

नेय्यत्तिनकारा में नड्डा ने किया रोड शो

सोना तस्करी के दोषियों को जेल भेजकर दम लेंगे

तिरुवनंतपुरम । केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी शनिवार को नेय्यत्तिनकारा में मेगा रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगा। नड्डा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एलडीएफ और यूडीएफ यहां एक-दूसरे से लड़ते हैं लेकिन दिल्ली में संसद में वे गठबंधन सहयोगी बनते हैं। दोनों ही दल पूरी तरह भ्रष्ट हैं। सोना तस्करी पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आरोपियों को जेल भेजकर रहूंगा।

खबर संक्षेप

सिलवासा औद्योगिक इकाई में विस्फोट, 4 मरे

नई दिल्ली। दादरा और नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश के सिलवासा में एक गोदाम में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। विस्फोट सुबह करीब 9 बजे एस के एंटरप्राइज में हुआ, जब नाइट्रोजन गैस भरी जा रही थी। 6 लोग घायल हैं, जिनमें से 4 ने दम तोड़ दिया। 2 का नमो अस्पताल में इलाज चल रहा है।

गोदावरी में डूबने से 3 छात्रों की मौत

अत्रेयपुरम। आंध्र प्रदेश के अत्रेयपुरम मंडल में शनिवार शाम गोदावरी नदी में नहाते समय 3 इंजीनियरिंग छात्र डूब गए। राजमहेंद्रवरम के 4 छात्र पिकुचलंका में नदी किनारे गए थे, जहां तेज बहाव में 3 बह गए। एक को सुरक्षित नदी से निकाल लिया गया। एक छात्र का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि 2 अन्य की तलाश जारी है।

दादी की अंतिम विदाई में 4 भाई गंगा में डूबे

मेरठ। यहां के इंचौली थाना इलाके के जलालपुर गांव के एक ही परिवार के 3 किशोर और 1 युवक गंगा नदी में डूब गए। चारों युवक चचेरे भाई हैं। एक अन्य युवक को डूबने से बचा लिया गया। चारों का सुराग नहीं लग सका। घटना शुक्रवार को दोपहर में करीब 3:30 बजे मखदूमपुर गंगा घाट पर हुई।

कुल्लू में ट्रैवलर खाई में गिरी, 3 की मौत

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के जिला कुल्लू के बंजार उपमंडल में औट-लुहरी-सैंज राष्ट्रीय राजमार्ग-305 पर सोझा के नजदीक शनिवार देर रात ट्रैवलर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन में 20 पर्यटक सवार थे, जो जलोड़ी जोत से घूमकर लौट रहे थे। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। बंजार के एसडीएम पंकज शर्मा ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है। 15 घायल हुए हैं।

आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा

वैश्विक परिस्थितियों में युवाओं की भूमिका अहम ग्लोबल सोच रखें और देश को आत्मनिर्भर बनाएं

छात्रों से कहा- पढ़ाई तक ही सीमित न रहें, सियासी और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में देश के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने छात्रों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच युवाओं की भूमिका और उनकी तैयारी पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि ये तेज़ी से बदलावों का है, जहां सीमाओं के पार होने वाली घटनाएं सीधे हमारे जीवन और करियर को प्रभावित करती हैं। ऐसे में छात्रों के लिए जरूरी है कि वे केवल अपनी पढ़ाई या क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि दुनिया में हो रहे राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें। भारत की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देश ने बीते वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर मजबूत पकड़ बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और सशक्त किया है।

यहां के छात्रों को किया आगाह

15वें दीक्षांत समारोह में यह बात कही

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के साथ विदेश मंत्री जयशंकर

बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला

उन्होंने बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में सड़कों, रेल नेटवर्क और बंदरगाहों के विस्तार के साथ-साथ डिजिटल क्रांति ने व्यापार और जीवन को सुगम बनाया है। इससे युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुले हैं। उन्होंने आत्मनिर्भरता को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करने की बात कही।

कौशल का उपयोग करें और देश का नाम दुनिया में ऊंचा करें

उन्होंने कहा कि यह केवल कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार और उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। छात्रों को उन्होंने प्रेरित किया कि वे वैश्विक सोच के साथ अपने कौशल का उपयोग करें और भारत का नाम दुनिया में ऊंचा करें। अंत में उन्होंने छात्रों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा हर क्षेत्र में मौजूद है, इसलिए निरंतर मेहनत, नेतृत्व क्षमता और मजबूत संबंध बनाना बेहद जरूरी है।

भारतीयों की सुरक्षा और ब्रांड इंडिया को प्राथमिकता दें

जयशंकर ने बताया कि विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुश्किल परिस्थितियों में उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, विदेश नीति भारत की सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक क्षमता को विश्व के सामने प्रस्तुत करती है। यह 'ब्रांड इंडिया' को एक विश्वसनीय और मजबूत पहचान दिलाती है। यह भारत के हितों की रक्षा करती है।

हमारा समाज महत्वपूर्ण आशावादी, कुछ लोग इसे भी नहीं मान रहे

कुछ समाज इन बदलावों को स्वीकार करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सैन्य क्षमताओं, कनेक्टिविटी और संसाधनों में नए विकास ने एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में जोखिम लेने को बढ़ावा दिया है। जयशंकर ने चेतावनी देते हुए कहा कि आजकल लगभग हर चीज को लीवरेज किया जा रहा है, अगर नहीं तो हथियार बनाया जा रहा है। दुनिया अब खुद को शत्रुतापूर्ण और अनिश्चित वातावरण में सुरक्षित रखने की चुनौती का सामना कर रही है। जयशंकर ने भारत के सकारात्मक नजरिए पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे समाज में एक आशावाद है जो दुनिया के कई अन्य हिस्सों में नहीं दिखता। पिछले 10 साल काफी बेहतर रहे हैं, जिसने यह विश्वास पैदा किया है कि अगले 10 साल और उसके बाद के साल भी अच्छे होंगे।

प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र ने कहा

अब मैसूरू में बनेगा आधुनिक छात्रावास, मिलेट्स को बढ़ाएं

एजेंसी ▶▶ मैसूरू

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर में प्रशिक्षुओं के लिए 30 एकल अधिभोग वाले हॉस्टल का शिलान्यास किया।

सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय तकनीक से विकसित बाजरा आधारित व्यंजन अब मैकडॉनल्ड्स जैसी अंतरराष्ट्रीय फूड चेन में भी परोसे जा रहे हैं। यह पहल भारत के बाजरा अभियान को नई गति देगी, जिसमें तकनीक और जमीनी स्तर पर क्षमता निर्माण दोनों को समान रूप से मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर के पारंपरिक पनीर उत्पाद 'कैलारी' से भी इसी तरह के टिकाऊ खाद्य उत्पाद विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

आरकेवीवाई के तहत तैयार होगा आधुनिक परिसर

यह परियोजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत विकसित की जा रही है। एमजीहल्ली परिसर में बन रहा यह कॉम्प्लेक्स लगभग 50 प्रतिभागियों को ठहराने की क्षमता रखेगा और इसमें रसोई व डाइनिंग जैसी सुविधाएं भी शामिल होंगी। इसके एक वर्ष के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। इस केंद्र में जम्मू-कश्मीर के पारंपरिक 'कलारी' चीज से टिकाऊ खाद्य उत्पाद विकसित करने पर भी काम किया जा रहा है, जिससे वैल्यू-एडेड फूड इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा।

उन्नत प्रोसेसिंग क्षमता से केंद्र लैस

मिलेट्स सेंटर में सात इंटीग्रेटेड प्रोसेसिंग लाइनें स्थापित हैं, जो सफाई, डीहुलिंग, पॉलिशिंग और सॉर्टिंग जैसी प्रक्रियाओं के साथ आटा, सूजी, फ्लेक्स, बेक्ड और एक्सट्रूडेड उत्पादों के निर्माण को सक्षम बनाती हैं। इसकी प्रोसेसिंग क्षमता 1,000 किलोग्राम प्रति घंटा तक है और यह मिलेट आटे की शेल्फ लाइफ को एक महीने से बढ़ाकर लगभग 10 महीने तक करने में सक्षम है।

9 प्रकार के मिलेट्स पर काम होगा

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, 20 करोड़ रुपए की इस सुविधा में नौ प्रकार के मिलेट्स को प्रोसेस करने की क्षमता है। यह केंद्र स्वच्छ, स्वचालित वातावरण में बड़े पैमाने पर उत्पादन और पोषक तत्वों को बेहतर बनाए रखने में मदद करेगा।

दिल्ली में कमर्शियल गैस पर नया नियम लागू

एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए पीएनजी कनेक्शन लेना जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब दिल्ली के व्यापारियों, रेस्टोरेंट और उद्योगों को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर तभी मिल सकेगा, जब उन्होंने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन कर दिया होगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के नए आदेश के अनुसार किसी भी कमर्शियल या इंडस्ट्रियल उपभोक्ता के लिए एलपीजी सिलेंडर पाने के लिए संबंधित तेल कंपनियों के पास रजिस्टर्ड होना और पीएनजी के लिए आवेदन करना अनिवार्य है।

पीएनजी गैस को माना जा रहा ज्यादा सुरक्षित

पहले व्यावसायिक प्रतिष्ठान अपनी जरूरत के हिसाब से बड़ी मात्रा में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर मंगवाते थे, लेकिन अब इस प्रणाली को धीरे-धीरे खत्म करने की तैयारी है। पीएनजी को ज्यादा सुरक्षित माना जा रहा है।

चड्ढा की आप नेताओं के आरोपों पर दो टूक, लाइव बोले

मैं घायल हूं तो घातक हूं, हर झूठ को बेनकाब करुंगा

मेरे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद और चुनिंदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने एक वीडियो जारी कर अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर सफाई दी है। फेसबुक पर लाइव आकर चड्ढा ने एक-एक करके सभी आरोपों का जवाब दिया है और दो टूक कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद और चुनिंदा हैं। इनका मकसद संसद में उनकी आवाज को दबाना है। चड्ढा ने कहा कि मेरे खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पहले मुझे लगा कि इसका जवाब नहीं देना चाहिए लेकिन फिर लगा कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वो सच लगने लगता है।

100 बार झूठ बोलने से सच नहीं बदलता

फुटेज देख लीजिए, सब साफ हो जाएगा

चड्ढा ने कहा कि आपकी तरफ से 3 बड़े आरोप लगाए गए हैं। पहला आरोप है कि जब विपक्ष सदन से वॉकआउट करता है तो चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। ये सरासर झूठ है। एक दिन ऐसा बताया जाए जब विपक्ष ने वॉकआउट किया हो संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरे हैं, आप उसकी फुटेज निकालकर दिखा दीजिए। सब साफ हो जाएगा।

ईसीआई मामले में सारा दोष मुझ पर ही क्यों?

राघव ने कहा कि उन पर दूसरा आरोप लगाया गया कि मैंने चीफ इलेक्शन कमिश्नर को हटाने वाली याचिका पर साइन नहीं किए। ये आरोप सरासर गलत है। उन्हें आप के किसी नेता ने इस याचिका पर साइन करने के लिए नहीं कहा। राज्यसभा में पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से 6-7 सांसदों ने खुद ही इस याचिका पर साइन नहीं किया।

ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए हर मुद्दे उठाए

चड्ढा ने कहा कि तीसरा आरोप जो उन पर लगाया गया वो ये था कि वो डर गए हैं और इसलिए वो बेकार मुद्दे उठाते हैं। मैं संसद में चीखने चिल्लाने, गाली देने या माइक तोड़ने नहीं गया। मैं वहां जनता के मुद्दे उठाने गया हूं। मैंने कौन से मुद्दा नहीं उठाए। जीएसटी से लेकर पानी तक, पंजाब के पानी से लेकर दिल्ली की हवा की बात की। बेरोजगारी से लेकर महंगाई तक के मुद्दे उठाए। मेरा ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। मैं संसद में इंपेक्ट क्रिएट करने गया हूं।

तेज रफ्तार जीवनशैली में हेल्थ को न करें इग्नोर

विशेषः विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल

आज के दौर में हम सभी की जीवनशैली बहुत व्यस्त और तेज रफ्तार हो गई है। ऐसे में हम अकसर अपनी हेल्थ को इग्नोर करने लगते हैं। इससे हम हेल्दी लाइफ नहीं जी पाते हैं। अपनी हेल्थ के प्रति सभी को अवेयर करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष वर्ल्ड हेल्थ-डे मनाया जाता है। इस दिन की क्या महत्ता है, इसकी शुरुआत कैसे हुई और इसे कैसे मना सकते हैं? आपको जानना चाहिए।

{ कवर स्टोरी / रेखा देशराज }

हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व स्वास्थ्य दिवस महज एक औपचारिक दिन भर नहीं है बल्कि यह दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक वैश्विक अभियान है। साल 2026 की नजर से देखें तो यह दिन पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल, आज तेज रफ्तार दुनिया ऐसी-ऐसी स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रही है, जिन्हें अब के पहले कभी नहीं जाना या देखा गया था। एक तरफ बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, दूसरी तरफ हर दिन विकराल होता जलवायु परिवर्तन, इन दोनों के मेल से लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हो रही है। इसलिए साल 2026 हाल के दूसरे स्वास्थ्य दिवसों के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

बढ़ता मानसिक-सामाजिक असंतुलनः वर्तमान में स्वास्थ्य का लक्ष्य सिर्फ देखे जाने वाली बाह्य शारीरिक बीमारियों से बचना ही नहीं है बल्कि मानसिक और सामाजिक संतुलन भी बढ़ाना है। आज अपना देश डायबिटीज और हाइपरटेंशन की वैश्विक राजधानी बनता जा रहा है और अमेरिका के बाद अब दूसरा नंबर मोटापे का शिकार भी भारत हो चुका है। ये बीमारियां आज से दो दशक पहले हमारे हेल्थ एजेंडे में कहीं नहीं थीं, पर आज सारा स्वास्थ्य फोकस, ये लाइफस्टाइल बीमारियां ही खींच रही हैं। बड़ी बात यह है कि अपने देश में जहां पहले बड़े-बूढ़े तक मानसिक स्वास्थ्य के बहुत कम शिकार होते थे, वहीं अब बड़े पैमाने पर युवा भी मानसिक रोगी हो रहे हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन के कारण हीट स्ट्रोक, एलर्जी और संक्रामक रोगों की जो भयावहता आई है, उसमें भी भारत सबसे अगली कतार के पीड़ित देशों में है। ऐसे में हमें यह विशेष दिन याद दिलाता है कि स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या अस्पतालों का विषय भर नहीं है बल्कि इसका रिश्ता समाज के हर व्यक्ति, समाज की सभी संस्थाओं और सरकार से भी है। इसलिए अब स्वास्थ्य को अतिरिक्त फोकस के साथ देखे जाने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआतः विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 7 अप्रैल 1948 को इस विशेष दिन की शुरुआत हुई थी, क्योंकि इसी दिन इस वैश्विक संगठन की भी स्थापना हुई थी। इसी कारण साल 1950 से हर साल पूरी दुनिया में यह दिन मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य संबंधी सहयोग बढ़ाना तथा नई स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस सबके अलावा मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को भी इस दिन के साथ जोड़कर देखा जाता है, जिससे उनसे लड़ने की बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। जहां तक अपने देश में स्वास्थ्य दिवस के महत्व की बात है, तो हमारे यहां दुनिया के अन्य देशों से इसका महत्व इसलिए ज्यादा है, क्योंकि हमारे यहां अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं ही चुनौती बनी हुई हैं। आज भी अपने देश में डॉक्टर और रोगी अनुपात बेहद असंतुलित है। रोगियों की बहुत बड़ी तादाद में डॉक्टरों की बेहद कमी है। भारत में एक तो जनसंख्या के अनुपात को देखते हुए डॉक्टरों की संख्या बहुत कम है और जो हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा डॉक्टर शहरों में केंद्रित हैं। छोटे शहरों और कस्बों में ही बड़े शहरों के मुकाबले डॉक्टर बहुत कम हैं। इसलिए डॉक्टर-रोगी अनुपात को संतुलित करने के लिए लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए और जीवनशैली संबंधी बीमारियों को बताने के लिए इस दिन लोगों को विशेष तौर पर शिक्षित, प्रशिक्षित किए जाने के अलावा उन्हें इसके लिए मोटिवेट भी किया जाता है।

इस साल हेल्थ-डे की थीमः विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक साल 2026 के लिए हेल्थ-डे की थीम है- टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस यानी, स्वास्थ्य के लिए हम साथ हैं और विज्ञान का समर्थन करें। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के लिए यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की आधिकारिक थीम है। इसका निहितार्थ यही है कि हम न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सभी प्रयास करें, अपने घर-परिवार के अन्य सदस्यों, विशेष तौर पर बुजुर्गों और बच्चों की हेल्थ का भी पूरा ध्यान रखें। कोई समस्या होने पर डॉक्टर से कंसल्टेशन में देरी न करें। फिजिकल एक्टिविटीज को अपने रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। अगर हम या हमारी फैमिली का कोई सदस्य स्ट्रेस या डिप्रेस्ड फील कर रहा है तो उसे मेडिकल कंसल्टेशन में देरी न करें। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अच्छी जीवनशैली से बीमार होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। और अगर बीमार हो भी जाएं तो समय रहते हेल्थ प्रॉब्लम को पहचानने से उसका ट्रीटमेंट संभव है।

ऐसे सेलिब्रेट करते हैं यह दिनः वर्ल्ड हेल्थ-डे को लेकर महत्वपूर्ण बात यह है कि हर साल आने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस का जश्न कैसे मनाएं, जिससे दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य संबंधी सजगता के दायरे में आएं। आमतौर पर इस दिन को तीन तरह से मनाया जाता है, सरकारी संस्थानों के जरिए, विभिन्न संस्थाओं के जरिए और आम लोगों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर। इस दिन आमतौर पर सभी स्कूल, कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थानों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार, रैलियां और हेल्थ कैंप आदि के आयोजन किए जाते हैं।

इस दिन तमाम अस्पताल और निजी क्लीनिक मरीजों को फ्री चेकअप की सुविधाएं देते हैं। कई बार इसके लिए कैंप्स लगाए जाते हैं। आमतौर पर मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविरों में लोगों की ब्लड प्रेशर, बीएमआई और शुगर संबंधी समस्याओं की जांच होती है। वर्ल्ड हेल्थ-डे को सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ सेलिब्रेट किया जाता है, जहां लोग आपस में हेल्थ टिप्स, अनुभव और जागरूकता संदेश साझा करते हैं। इस दिन विभिन्न प्रकार की फिटनेस गतिविधियां भी संपन्न होती हैं। योग, मैराथन, साइकिलिंग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कई देशों में इस दिन नई स्वास्थ्य योजनाओं या सुधारों की घोषणा होती है और पिछली योजनाओं, नीतियों का इस दिन आकलन भी किया जाता है। *

स्वस्थ जीवन के सात सरल सूत्र

इस हेल्थ-डे पर यहां बताए जा रहे सात सरल सूत्रों को अगर अपनाने का संकल्प कर लें तो आपका तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेगा।

- प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद को प्राथमिकता दें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास या एक्सरसाइज करें।
- अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करें, क्योंकि इससे डिजिटल थकान बढ़ती है। इस समय दुनिया की यह सबसे बड़ी समस्या है और इसका असर आंखों और दिमाग दोनों पर पड़ता है।
- संतुलित आहार का सेवन करें। जंक फूड का कम से कम सेवन करें। अपने आहार में सभी जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करें।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान दें। इसके लिए मेडिटेशन करें। लोगों के साथ अलग-अलग विषयों पर बातें करें। हंसी-मजाक करें और अपनी रुचि के साथ काम करें।
- बीमारी का इंतजार न करके हर छह महीने बाद अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराएं। इससे पता चलता है कि हम किस स्थिति में हैं।
- अपने आस-पास की स्वच्छ हवा, पानी और वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनें। इसके लिए जरूरी प्रयास भी करें।

पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम ये दो आदतें आज सिर्फ हमारे स्वास्थ्य से ही नाता नहीं रखतीं बल्कि करियर को ऊंचाई देने वाले सबसे प्रभावी लाइफस्टाइल टूल भी बन गए हैं। ये क्यों इतने इंपॉर्टेंट बन गए हैं, इसके पीछे कौन से साइंटिफिक कारण हैं, बता रहे हैं डिटेल में।

हैप्पी-सक्सेसफुल लाइफ के टूल्स अच्छी नींद-रेग्युलर एक्सरसाइज

{ लाइफस्टाइल / नरेंद्र कुमार }

अपने करियर को ऊंचाई देने वाले, लाइफ को हैप्पी बनाने के लिए प्रभावी टूल के रूप में जहां अभी तक हमारी न्यू टेक स्किल को जरूरी माना जाता था, वहीं आज इसमें हमारी सेहत भी महत्वपूर्ण हो गई है और अच्छी सेहत बिना पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम के संभव नहीं है। इसीलिए आज हैप्पी लाइफ के साथ करियर में सफलता के लिए भी व्यायाम और पर्याप्त नींद को लाइफस्टाइल टूल की तरह देखा जा रहा है। अगर ये दोनों चीजें सही हैं, तभी हम बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं और यही आज कॅरियर में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत आधार है।

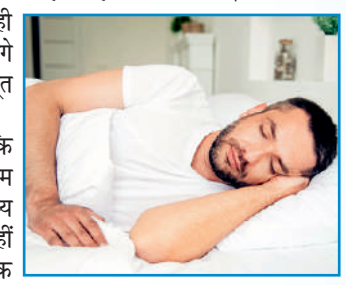

यही कारण है कि आज नियमित व्यायाम तो केवल स्वास्थ्य साधन के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि करियर ग्रोथ के प्रभावी टूल की तरह भी देखा जा रहा है और इसके वैज्ञानिक आधार हैं। न्यूरोसाइंस, साइकोलॉजी और हेल्थ रिसर्च लगातार यह साबित कर रहे हैं कि अच्छी नींद और फिट शरीर आज हमारे लिए पूंजी के सरीखे हैं और करियर के आईने में ये तेज रफ्तार ग्रोथ का आधार निर्मित करते हैं।

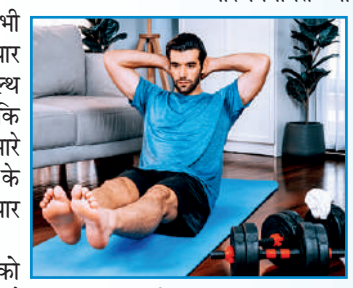

नींद-दिमाग को रिसेट करती हैः नींद को अकसर आराम का विषय माना जाता है, लेकिन यह आराम से ज्यादा सक्रियता प्रदान करने के लिए तरोताजगी प्रदान करता है। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग दिनभर की जानकारियों को व्यवस्थित करता है, अनावश्यक सूचना को हटाता है और महत्वपूर्ण यादों को मजबूत करता है। इसके हमें करियर ग्रोथ के रूप में कई लाभ होते हैं। सबसे पहले तो हमारी निर्णय लेने की क्षमता न सिर्फ बढ़ती है बल्कि प्रभावी होती है। दुनिया के अनेक प्रबंधन सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो सीईओ रात में पर्याप्त नींद लेते हैं, उनके निर्णय अधिक स्पष्ट, ज्यादा संतुलित और ताजगी भरे होते हैं। वास्तव में थका हुआ दिमाग का मतलब होता है, हमारी नींद डिस्टर्ब है और जब नींद डिस्टर्ब होने से हमारा दिमाग थका होता है, तो हमारे निर्णय गलत साबित होते हैं।

सीखने की रफ्तार बढ़ती हैः पर्याप्त नींद लेने और नियमित व्यायाम करने से हमें सिर्फ निर्णय लेने में ही सहूलियत नहीं होती बल्कि नई तकनीक सीखने में भी हमारी गति, सामान्यतः तेज होती है। नींद की कमी से सीखने की क्षमता में 30 से 40 फीसदी तक का असर पड़ता है। जिन्हें नियमित रूप से अच्छी नींद आती है, उनका किसी भी विषय पर फोकस बेहतर होता है। आज के डिस्ट्रेक्शन भरे माहौल में भी वह अपना ध्यान जरूरी कामों और बातों पर केंद्रित कर पाते हैं। साथ ही उनका भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है, क्योंकि नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्सा बढ़ता है, जो घर में ही नहीं कार्यस्थल पर भी हमें प्रभावित करता है। हमारे निजी और प्रोफेशनल रिश्तों को भी स्पष्टता देते हैं, जो कि करियर के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है और हमारी रचनात्मकता भी निखर करके आती है।

हाई परफॉर्मेंस का सीक्रेटः कॉरपोरेट जगत में हम हाई परफॉर्मेंस सिर्फ अपनी स्किल और जानकारियों के आधार पर ही नहीं संभव कर पाते। इसके लिए शांत दिमाग और स्वस्थ शरीर भी बहुत जरूरी है और इन दोनों चीजों के लिए पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम आधार का काम करते हैं। जब नींद और व्यायाम के नतीजे को एक साथ देखा जाता है, तो यह हाई परफॉर्मेंस सिस्टम के सीक्रेट का सबसे मजबूत आधार होते हैं। अच्छी नींद और नियमित व्यायाम जब हमारी लाइफस्टाइल का हिस्सा होते हैं, तो हम हाई परफॉर्मेंस मोड पर होते हैं। जब कोई व्यक्ति 7 से 8 घंटे की नियमित और अच्छी नींद लेता है तथा हर दिन 30 मिनट का व्यायाम करता है, तो वह बहुत तेजी से सीखता है, बेहतर निर्णय लेता है, लंबे समय तक किसी भी समस्या या विषय पर अपना ध्यान फोकस करके रख सकता है और इन सबका नतीजा बेहतर कार्यक्षमता, हैप्पी फीलिंग, ज्यादा उत्पादन और ज्यादा से ज्यादा करियर रिवार्ड होता है। इसलिए कॉरपोरेट जगत की नए दस मूल्यवान सीक्रेट्स में नियमित व्यायाम और अच्छी नींद जरूरी हिस्सा बन गए हैं। डिजिटल थकान जो आज हमारी मेंटल फटीग का सबसे बड़ा कारण है, उस डिजिटल थकान से बचने का सौ फीसदी तरीका यही है कि हम नियमित रूप से हर दिन व्यायाम करें और हर रात अच्छी नींद सोएं। इसके लिए जो भी संभव उपाय हैं, उन्हें अपनाने में कोताही न बरतें। *

अपनाएं ये कारगर तरीके

सवाल है अच्छी नींद और नियमित व्यायाम का अनुशासन कैसे हासिल करें? पर्याप्त नींद के लिए जरूरी है कि हम हर रोज एक तय समय पर ही सोने की आदत डालें और एक निश्चित समय पर ही उठें। सोने से कम से कम एक-डेढ़ घंटे पहले मोबाइल स्क्रीन से खुद को पूरी तरह से दूर कर लें। रात का खाना सूरज डूबने के एक घंटे के पहले ही खा लें।

नियमित व्यायाम के लिए हर दिन नियम से 30 मिनट पैदल चलें, 10 मिनट दौड़ें और कम से कम दो योगासन रोज करें। अगर यह रोज संभव नहीं है तो सप्ताह में कम से कम पांच दिन जरूर करें, जिसमें हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी शामिल हो और इस सबके लिए सुबह का समय ही सर्वश्रेष्ठ है। जरूरी नहीं है कि शुरुआत में ही आपको ये बदलाव दिख जाएंगे। पर यह सच है कि छह महीने तक अगर आपने यह रूटीन कड़ाई से पालन कर लिया तो जिंदगी भर के लिए यह हैबिट बन जाएगी।

{ कविता / देवांशु }

युद्ध

युद्ध में
अगर तुम जीत गए
तो कहलाओगे शक्तिशाली
अपनी देश की सीमा रेखा को
और आगे बढ़ाओगे
दुनिया तुमको सलाम करेगी।
युद्ध में
अगर तुम हार गए
तो दुनिया की नजर में
कमजोर कहलाओगे
भूख, बीमारी और गरीबी से
बरसों-बरस लड़ते रहोगे।
युद्ध सिर्फ क्रूरता, अमानवीयता
मानसिक नपुंसकता को दर्शाता है
मनुष्य बनो—
मनुष्य बनने के लिए
अपने हिंसक विचारों से युद्ध करो
अगर जीत गए
सचमुच मनुष्य कहलाओगे।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

लाइफ में लिफाफे का होना लाजिमी

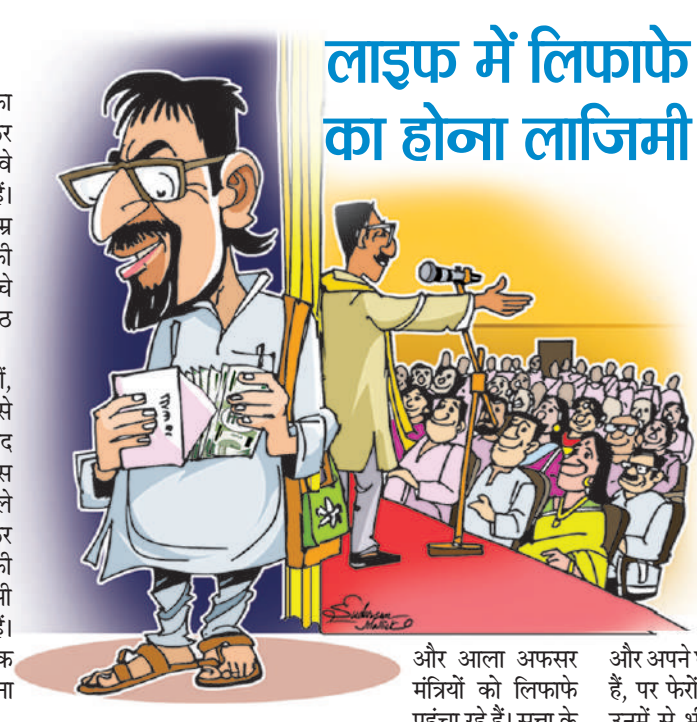

कवि सम्मेलन से लौटा हूं। पारिश्रमिक का मोटा लिफाफा जेब से मुंह निकालकर बाहर झांक रहा है। बच्चे बड़े हो चुके हैं। वे सब भी लिफाफों की इंपॉर्टेंस समझने लगे हैं। हालांकि इनमें से कोई भी आठ साल से ज्यादा उम्र का नहीं है, तथापि मोबाइल और टीवी चैनलों की असमय अनुकंपा से सब वयस्क हैं। पहले के बच्चे अठारह साल में एडल्ट हुआ करते थे। आज आठ साल में हो लेते हैं।

पत्नी को भी पता है, घर का खर्च पति से नहीं, लिफाफे से चलता है। वह जानती है कि पति से महत्त्वपूर्ण पत्रम्-पुष्पम् है। यों भी एक उम्र के बाद पति की औकात भी पत्ती-फूल अर्थात घास-फूस जितनी ही रह जाती है। मेरा स्थान भी लिफाफा ले चुका है। मैं कवि सम्मेलनों में रात-रात भर जागकर खुद भी लिफाफा बन चुका हूं। आज मंचों की कविता जितनी कमजोर हुई है, लिफाफे उसी अनुपात में मोटे हुए हैं। काव्य-रुचियां विकृत हुई हैं। चुटकुले सुनाकर हजारों रुपयों का पारिश्रमिक उगाहने वाले मंचीय कवियों के साथ तालमेल रखना सार्थक कवियों की मजबूरी बन चुका है।

मंचीय कविता ही क्यों, हमारी सकल जीवनशैली ही लिफाफामय हो गई है। काम नहीं बन पा रहा हो, लिफाफा पकड़ा दो। बाबू अफसरों को, अफसर आला अफसरों को और आला अफसर मंत्रियों को लिफाफे पहुंचा रहे हैं। सत्ता के ठेकेदारों के हाथों से फिसलता हुआ एक मोटा-सा लिफाफा मेज-दर-मेज सरकता हुआ अंततः मंत्री की आलीशान कोठी में प्रवेश कर जाता है।

इस लाइफ में यह लिफाफा नहीं, तो कुछ भी नहीं। किसी के यहां से उनके बच्चे के नाम का इनविटेशन आया है। बर्थ डे है। उपहार की जगह लिफाफा दे दो। जैसी पार्टी हो, वैसा लिफाफा होगा। शादी है। निमंत्रण पत्र मिला है। गिफ्ट क्या देना? सभी लोग देंगे ही। लिफाफा दे दो। ऐसा सादा वाला नहीं। वह वाला, जिस पर एक रुपए का चमचमाता हुआ सिक्का चिपका होता है। हालांकि आज एक रुपए की कोई वैल्यू नहीं, पर शगुन के लिए एक रुपया जरूरी है। एक सौ एक या पांच सौ एक देकर अपना भी शगुन हो लेता है। विद फैमिली दावत खाने को मिलती है। लिफाफा दिया है, तो वसूल भी तो करना है। आज के दौर में शादी-ब्याह, रिश्ते-नाते सब लिफाफों में सिमटकर रह गए हैं।

पिछले साल शादी के सीजन में पचासों बारातों में गया। विवाह एक नहीं देखा। इधर जयमाल की रस्म अदायगी हुई, उधर अपन दावत पर टूट पड़े। खाया, लिफाफा पकड़ाया और अपने घर भागे। आज शादियों में बाराती तो पांच सौ जाते हैं, पर फेरों के टाइम बमुश्किल बारह-चौदह लोग होते हैं। उनमें से भी अनिवार्य रूप से दो तो वे ही हुआ करते हैं, जिनको उस रोज दूल्हा-दुल्हन कहा जाता है। अब विवाह के समय लड़का-लड़की के पिता लोग सात फेरे नहीं, लिफाफे गिनते हुए मिलते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मासूम मन की लघुकथाएं

हम सब जिस समय में जी रहे हैं, वो बहुरूपी जटिलताओं से भरा हुआ है। ऐसे जटिल समय की छवियां किस तरह हमारे नौनिहालों के मासूम मन को प्रभावित करती हैं, इसका अनुमान लगाना सरल नहीं है। लेकिन हाल में मृदुल त्यागी के संपादन में छपकर आई संकलित लघुकथाओं की पुस्तक 'मासूम मन' को इस दिशा में किया गया गंभीर प्रयास कहा जा सकता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा तैयार की गई इस पुस्तक में वरिष्ठ, मध्य और नई पीढ़ी के कुल 94 रचनाकारों की लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं हमें ऐसी पगडंडियां मुहैय्या कराती हैं, जिनके जरिए हम वर्तमान दौर के बच्चों के मनोजगत में प्रवेश कर सकते हैं। इन लघुकथाओं से गुजरते हुए बच्चों के भीतर उठने वाले सवाल, उनके मन में व्याप्त चिंताएं, उनके भय, उनकी आकांक्षाएं और उनकी कोमल संवेदनाओं से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो पुस्तक की अधिकांश लघुकथाएं अच्छी हैं लेकिन कुछ लघुकथाएं ऐसी हैं, जो हमें झकझोरती हैं और आत्मविवेचन के लिए बाध्य भी करती हैं। मिसाल के तौर पर हमारे भीतर के पाखंड को 'छुटकी का प्रश्न' उजागर करती है तो सामाजिक विसंगतियों से संघर्ष का मासूम सा हौसला 'काश' में देखा जा सकता है। उपेक्षा के मनोविज्ञान को 'मैं कहां हूं' प्रकट करती है। नन्हे बच्चे से एक गिलहरी के रिश्ते की मार्मिक कथा को 'रिश्ता' में व्यक्त किया गया है तो 'सीधी रेखा' में एक बच्चे के कोमल मन पर लगे आघात को प्रभावी तरीके से प्रकट किया गया है। *

पुस्तकः मासूम मन (लघुकथा संकलन), प्रधान संपादकः कांता रॉय, संपादकः मृदुल त्यागी, मूल्यः 325 रुपए
प्रकाशकः अपना प्रकाशन, भोपाल

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

असली चेहरा

एक दिन वैभव ने जैसे ही टीवी ऑन किया, उसमें खबर चल रही थी कि एक वृद्ध मकान मालकिन की हत्या उसके किराएदार ने कर दी। कारण था कि वो उनसे पिछले छह महीने का बकाया किराया मांग रही थी। 'स्वाति इधर आओ जल्दी... ये खबर देखी!' वैभव ने पत्नी को आवाज लगाई। स्वाति दौड़कर वहां आई। समाचार देख-सुन कर वह फूट-फूटकर रो पड़ी, 'मां...मेरी मां..ये सब कैसे हो गया?' वह बिलखने लगी। 'किस मां के लिए रो रही हो तुम... वो मां, जिन्होंने हमें अपनाया नहीं। तुम्हें भागकर मुझसे शादी करनी पड़ी।' वैभव तेज आवाज में बोला। 'तो क्या हुआ, कोई विधवा मां कभी नहीं चाहेगी कि उसकी इकलौती बेटी अपने समाज से अलग जाकर शादी करे। उसकी सोच गलत नहीं थी। पर मेरी मां को इस तरह से मार दिया गया...।' वह फिर जमीन पर बैठकर रोने लगी। 'चुप हो जाओ... और जल्दी चलो मां के घर।' वैभव ने उसे उठाते हुए कहा। 'क्या कह रहे हो तुम...। जब मैं कहती थी कि मां से मिलकर आते हैं, तब तुम कहते थे कि मैं मरते दम तक उस घर में कदम नहीं रखूंगा और अब अचानक...।' स्वाति ने हैरानी से पूछा। 'पगली...अब मैं इसलिए कह रहा हूं कि मां के जाने के बाद उस करोड़ों के मकान की तुम इकलौती वारिस हो। अगर देर कर दी तो...' वैभव ने ललचाई जुबान में कहा। 'वाह वैभव वाह...। बहुत दूर की सोचते हो तुम...। तुम्हें इस समय कहना चाहिए था कि मां के हत्यारों को सजा दिलवाकर छोड़ेंगे...।' स्वाति ने आंसू पोंछते हुए बोली। 'सजा तो उसे अब भी मिलेगी...कम या ज्यादा, लेकिन मकान हाथ से निकल गया तो...। सजा हमें मिलेगी...। जिंदगी भर इस किराए के मकान में रहने की...।' वैभव निष्ठुर भाव से बोला। स्वाति आज वैभव का असली चेहरा देख रही थी, वो चेहरा जो कभी उसकी मां दिखाने की कोशिश करती तो वह उसे देखना पसंद नहीं करती थी। *

सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों की परीक्षा

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को आईपीएल में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था, जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं और इसलिए वह मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

एलएसजी का अभियान नहीं रहा अच्छा

एलएसजी की टीम पिछले कुछ वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रही है। इस बार भी उसका अभियान अच्छा नहीं रहा है। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम आईपीएल के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान इकाना में 141 रन पर आउट हो गई, जिससे टीम की कई गंभीर समस्याएं उजागर हुईं। टीम के लिए बल्लेबाजी क्रम में रणनीतिक फेरबदल भी काम नहीं आया।

सनराइजर्स ने की लय हासिल

जहां तक सनराइजर्स की बात है तो उसने अपने पहले मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार के बाद लय हासिल कर ली है। केकेआर के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी इकाई ने शानदार प्रदर्शन किया। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की फॉर्म में वापसी उसके लिए अच्छे संकेत हैं। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि हेनरिक क्लासेन का अनुभव उसके मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करता है।

दूसरी जीत की तलाश में आरसीबी, सीएसके के लिए बॉलिंग चुनौती

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है।

आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है।

आज शाम 7.30 बजे से दोनों टीमों में मुकाबला

सीएसके के गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत

जहां तक सीएसके का सवाल है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने पहले दो मैचों में 30.5 ओवर में सिर्फ सात विकेट लेकर 338 रन लुटा दिए। उसके स्पिनर नूर अहमद और राहुल चाहर शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ बुरी तरह फ्लॉप रहे। चेपॉक में ओस का नामोनिशान नहीं होने के बावजूद दोनों ने मिलकर आठ ओवरों में 84 रन लुटाए। तेज गेंदबाज मैट हेनरी, खलील अहमद और अंशुल कंबोज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

आरसीबी ने किया गेंदबाजी में सुधार

आरसीबी ने अपनी गेंदबाजी में बहुत ज्यादा सुधार किया है। कभी उसकी गेंदबाजी को कमजोर माना जाता था लेकिन उसने कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल करके इसे पूरी तरह से बदल दिया है। आरसीबी को जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से काफी नुकसान होने की उम्मीद थी, लेकिन जैकब डफी ने सहजता से उनकी जगह ली और तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। आरसीबी की टीम इस मैच के लिए अभिनंदन सिंह की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को टीम में शामिल करने पर भी विचार कर सकती है।

खबर संक्षेप

प्रणवी और अवनी ने कट में बनाई जगह

लास वेगास। भारत की शीर्ष खिलाड़ी अदिति अशोक ने अरामको गोल्फ चैंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि प्रणवी उर्स और अवनी प्रशांत ने भी कट में जगह बनाई। हीरो महिला इंडियन ओपन सहित पांच बार की एलईटी विजेता अदिति ने दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष 15 में जगह बनाई। पहले दौर में उन्होंने 73 का स्कोर बनाया था। कट हासिल करने वाली अन्य दो भारतीय खिलाड़ी प्रणवी (76-75) और अवनी (75-76) हैं। यह दोनों सात ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 59वें स्थान पर हैं।

इंटरनेशनल सीरीजः कोचर शीर्ष पांच में बरकरार

चीबा। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर ने इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला, जिससे वह खिसककर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए। पहले दो दिन कोचर ने बोगी मुक्त 67 और 65 के कार्ड खेले थे। तीसरे दिन हवा भरे दिन में वह पांच बोगी कर बैठे और तीन बर्डी ही लगा सके। अब वह आठ अंडर के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं जबकि दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए थे।

युवा भारतीय बल्लेबाज विशेष प्रतिभा के धनीः पोंटिंग

चेन्नई। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम में शामिल भारतीय खिलाड़ियों को विशेष प्रतिभा का धनी करार देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य इन खिलाड़ियों को लेकर टीम को नए सिरे से तैयार करना था। पोंटिंग ने कहा, ' हमारे युवा भारतीय खिलाड़ी विशेषकर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विशेष प्रतिभा के धनी हैं। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के कुछ खिलाड़ियों को लेकर टीम तैयार करने के लिए नीलामी (2024) से पहले हमारी स्पष्ट रणनीति थी कि हम इस पूरी टीम को नए सिरे से तैयार करेंगे, एक फ्रेंचाइजी के रूप में बदलाव लाएंगे और अलग पहचान बनाएंगे।'

आईपीएल : रोमांचक मुकाबले में आरआर ने गुजरात टाइटंस को 6 रन से हराया

गुजरात के जबड़े से जीत छीन ले गए रॉयल्स देशपांडे का तूफानी स्पेल बना गेमचेंजर

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

तुषार देशपांडे के सटीक आखिरी ओवर की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के बेहद रोमांचक मुकाबले में शनिवार को गुजरात टाइटंस को 6 रन से हरा दिया। रॉयल्स की यह लगातार दूसरी जीत और गुजरात की लगातार दूसरी हार थी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल्स ने ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल के अर्धशतकों के दम पर छह विकेट पर 210 रन बनाए थे लेकिन साइ सुदर्शन की 73 रन की पारी के बावजूद गुजरात की टीम 8 विकेट पर 204 रन ही बना सकी। एक समय 7 विकेट 161 रन पर गिर गए थे लेकिन कैगिसो रबाडा (नाबाद 23) और कार्यवाहक कप्तान राशिद खान (24) टीम को जीत के करीब ले गए और आखिरी ओवर में दस रन की ही जरूरत थी। ऐसे में रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने नांद्रे बर्गर की बजाय तुषार देशपांडे को गेंद सौंपकर सभी को चौंका दिया। गेंदबाज ने हालांकि अपने कप्तान के भरोसे पर खरे उतरते हुए पहली वाइड गेंद के अलावा सभी सटीक गेंदें डालीं। इस ओवर में 4 रन ही बन सके और छक्का लगाने के प्रयास में राशिद सीमारेखा के पास जोफ्रा आर्चर को कैच दे बैठे।

गिल नहीं उतरे मैदान में

मांसपेशी में ऐंठन के कारण इस मैच से बाहर शुभमन गिल की जगह खेलने वाले कुमार कुशाग्र ने 14 गेंद में 18 रन बनाए। उन्होंने सुदर्शन (44 गेंद में 73 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े। सुदर्शन ने अपनी पारी में 3 छक्के और 9 चौके लगाए। गुजरात का स्कोर सुदर्शन के आउट होने से पहले एक विकेट पर 107 रन था लेकिन अचानक पांच विकेट पर 133 रन और सात विकेट पर 161 रन हो गया। राशिद और रबाडा ने हालांकि वापसी की कोशिश की लेकिन आखिरी ओवर में बाजी पलट गई।

अशोक शर्मा ने फेंकी सीजन की सबसे तेज गेंद

आईपीएल 2026 के 9वें मैच में गुजरात टाइटंस के गेंदबाज अशोक शर्मा ने सबसे तेज गेंद फेंकते हुए एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्होंने एनरिक नॉर्खिया को पीछे छोड़ते हुए 154.2 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी। यह इस सीजन की सबसे तेज गेंद है। इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए नॉर्खिया ने 150.9 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। आईपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड शॉन टेट के नाम है। उन्होंने 157.71 की रफ्तार से गेंद 2011 में फेंकी थी। 15 साल से उनका यह रिकॉर्ड अभी तक टूटा नहीं है। वहीं भारतीयों की बात करें तो उमरान मलिक के नाम 157.00 की रफ्तार से गेंद फेंकने का रिकॉर्ड 2022 में दर्ज हुआ था।

जुरेल और जायसवाल ने खेली शानदार पारी

इससे पहले जुरेल के 42 गेंद में 75 रन और जायसवाल के अर्धशतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने 6 विकेट पर 210 रन बनाए। जायसवाल ने 36 गेंद में 55 रन बनाए जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 18 गेंद में 31 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 6.2 ओवर में 70 रन बना डाले। जुरेल ने तीसरे नंबर पर उम्दा बल्लेबाजी करते हुए 150 से ऊपर की स्ट्राइक रेट के बावजूद बेहतरीन शॉट्स खेले। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाए।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल बो रबाडा	55	36	6	3
सूर्यवंशी का फिलिप्स बो राशिद	31	18	5	1
जुरेल का बटलर बो सिराज	75	42	5	5
पराग का कुशाग्र बो प्रसिद्ध	8	4	0	1
हेटमायर का सिराज बो शर्मा	18	8	1	2
फरेरा का फिलिप्स बो रबाडा	1	3	0	0
जडेजा नाबाद	7	7	1	0
आर्चर नाबाद	1	2	0	0
अतिरिक्त : 14 रन, योग : 20 ओवर में 210/6 रन				
विकेट पतन : 1-70 , 2-126 , 3-135 , 4-165 , 5-166 , 6-205				
गेंदबाजी : सिराज 4-0-48-1, रबाडा 4-0-42-2, शर्मा 4-0-37-1, प्रसिद्ध 4-0-43-1, राशिद 4-0-39-1				
गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का देशपांडे बो बिश्नोई	73	44	9	3
कुशाग्र का हेटमायर बो पराग	18	14	3	0
जोस बटलर का संदीप बो बर्गर	26	14	5	0
फिलिप्स का आर्चर बो बिश्नोई	3	4	0	0
सुंदर का जडेजा बो बिश्नोई	4	2	1	0
तेवतिया का जुरेल बो बिश्नोई	12	6	1	1
शाहरुख खान रन आउट	11	4	1	1
राशिद का आर्चर बो देशपांडे	24	18	3	0
केगिसो रबाडा नाबाद	23	16	1	2
अशोक शर्मा नाबाद	0	1	0	0
अतिरिक्त : 10 रन, योग : 20 ओवर में 204/8 रन				
गेंदबाजी: आर्चर 4-0-38-0, बर्गर 3-0-29-1, शर्मा 3-0-34-0, देशपांडे 3-0-24-1, जडेजा 2-0-25-0, पराग 1-0-11-1, बिश्नोई 4-0-41-4				

दिल्ली की लगातार दूसरी जीत, रिजवी के तूफान के आगे मुंबई इंडियंस पस्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल के मौजूदा सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मुंबई इंडियंस को अपने घर में पटखनी दे दी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 162 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाया था, जिसे दिल्ली ने 18.2 ओवरों में ही 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। दिल्ली की जीत के सबसे बड़े नायक समीर रिजवी रहे। रिजवी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मुंबई के गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। रिजवी ने मात्र 51 गेंदों में 90 रन बनाए, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके शामिल थे। उन्होंने डेविड मिलर के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 78 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। यह रिजवी का इस आईपीएल सीजन का तीसरा और लगातार दूसरा अर्धशतक है, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म और सकारात्मक खेल शैली को दर्शाता है।

रोहित ने हासिल की बड़ी उपलब्धि : आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पहले दो पोजीशन पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने आईपीएल में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाए हैं। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 61 और कोलकाता के खिलाफ 54 छक्के लगाए हैं। वहीं उसके बाद रोहित शर्मा का नाम है, उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 51 छक्के लगाए हैं। इसके बाद लिस्ट में एमएस धोनी का नाम है, उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका से जीती वनडे सीरीज, मैडी ग्रीन लगाया शतक

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

मैडी ग्रीन के करियर के तीसरे शतक और तेज गेंदबाज रोजमैरी मायर के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 66 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से जीती। ग्रीन ने 128 गेंद पर नाबाद 141 रन बनाए, जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। अपनी पारी में 15 चौके लगाने वाली ग्रीन ने ब्रूक हालीडे (124 गेंद पर 98 रन, 13 चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए रिकॉर्ड 211 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से उबारा। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने तीन रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन ग्रीन और हालीडे की पारियों की मदद से वह सात विकेट पर 306 रन का मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा।

दक्षिण अफ्रीकी टीम 240 रन पर आउट

इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 46.1 ओवर में 240 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान लॉरा वूलफार्ट (68 गेंदों पर 69 रन) और अनेरी ड्रैकसन (52 गेंदों पर 47 रन) ही कुछ योगदान दे पाई। न्यूजीलैंड की तरफ से मायर ने 50 रन देकर पांच विकेट लिए, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमिलिया केर ने 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला मैच दो विकेट से जीता था जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे दो विकेट से जीतकर वापसी की थी। न्यूजीलैंड ने इससे पहले इन दोनों टीम के बीच पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 4-1 से जीती थी।

पंजाब के कप्तान अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

पिछली बार के उपविजेता पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आईपीएल के अनुसार, 'पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।' इसमें कहा गया है, 'इंपैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल खिलाड़ियों पर छह लाख रुपए या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से, जो भी कम हो,का जुर्माना लगाया गया।'

टेनिस

अगस्टिन ने शेल्टन पर की जोरदार जीत हासिल

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने ह्यूस्टन में यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में टॉप सीड बेन शेल्टन को हरा दिया। थियागो ने पहले सेट में हारने के बाद शेल्टन पर जीत दर्ज की। टिरांटे ने पहला सेट 7-6 (5) से हारने के बाद जोरदार वापसी की और मैच पर नियंत्रण स्थापित किया और अगले दो सेट 6-3, 6-4 से जीत लिए।

अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने सर्व में परफेक्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने शांत और अच्छे प्रदर्शन के साथ अपने सभी 16 सर्विस गेम अपने नाम किए। शेल्टन के लिए हार मुश्किल दौर की तरह है। फरवरी में डलास ओपन में टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ टाइटल जीतने के बाद से वह राउंड ऑफ 16 से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। ह्यूस्टन में हुए दूसरे मैचों में, अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी सीड लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया, जबकि टॉमी पॉल ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 6-2 से हराकर आगे बढ़े। दूसरी सीड फ्रांसेस टियाफो ने लगभग तीन घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में एलेक्सी पोपिरिन को 3-6, 6-4, 7-6 (6) से हराया। टियाफो का सामना एक ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल में पॉल से होगा, जबकि बुरुचागा का सामना एक ऑल-अर्जेंटीना मैचअप में टिरांटे से होगा।

मार्को ट्रुंगेलिटी ने कोरेंटिन मौटेट को हराया

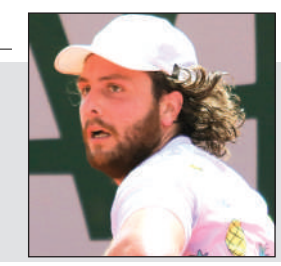

अर्जेंटीना के मार्को ट्रुंगेलिटी ने तीसरी सीड कोरेंटिन मौटेट को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया, जिसमें उन्होंने छह एस के साथ आठ डबल फॉल्ट किए। साथी अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कैराबेली ने भी तीन सेट का मुकाबला जीता, जिसमें उन्होंने लुका वैन एश को 0-6, 6-3, 6-2 से हराया। स्पेन के राफेल जोडार एलेक्जेंडर मुलर के 6-2, 2-0 से पीछे रहने के बाद रिटायर होने के बाद आगे बढ़े। लुसियानो डार्डेरी भी यानिक हनफमैन के खिलाफ वॉकओवर की वजह से आगे बढ़े।

भारत ने सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया

18 साल की पायल ने शीतल को हराकर किया उलटफेर

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की, जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया। 18 साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की।

बैंकॉक पैरा तीरंदाजी में शीर्ष पर भारत

पायल की शीतल पर दूसरी जीत

पायल की यह एक साल से थोड़े ज्यादा समय में शीतल पर दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2025 में जयपुर में हुए पैरा राष्ट्रीय खेलों में भी शीतल को हराया था। दुबई 2025 एशियाई युवा पैरा खेलों में पदार्पण करने के बाद पायल अपने दूसरे ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने दबाव के बावजूद जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने से ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी को मात दी। पायल ने एक परफेक्ट '10' के साथ शुरुआत की और पहला दौर 27-25 से अपने नाम किया। इसके बाद शीतल ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। दूसरे दौर के बाद स्कोर 54-54 से बराबर था।

प्रवासी मजदूर की बेटी हैं पायल

शीतल के बचपन के कोच कुलदीप वेदवान से प्रशिक्षण लेने वाली पायल की अब तक की यात्रा किसी चमत्कार से कम नहीं रही है। ओडिशा के बोलांगीर जिले के एक प्रवासी मजदूर की बेटी पायल ने 2015 में ईंट-भट्ठे पर बिजली के एक नंगे तार के संपर्क में आने के बाद अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए थे। उन्होंने 2023-24 के दौरान कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड खेल परिसर में शीतल के साथ ही ट्रेनिंग की थी। इसके बाद शीतल सोनीपत चली गई थीं। बिना हाथों वाली शीतल भारत की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली पैरा तीरंदाज बन गई हैं।

जेवलिन और शॉटपुट में दमदार प्रदर्शन, युवा प्रतिभाओं ने दिखाया अपना हुनर

इंडियन एथलेटिक्स सीरीज- 1 में मप्र अकादमी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, 3 स्वर्ण व 1 रजत पदक पर किया कब्जा

अंडर-20 और सीनियर वर्ग में उत्कृष्ट उपलब्धियां, खेल मंत्री सारंग ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बेंगलुरु में 4 अप्रैल को आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज–1 में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 4 पदक 3 स्वर्ण एवं 1 रजत अपने नाम किए। प्रतियोगिता में प्रदेश के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाया।

युवा प्रतिभाओं ने दिखाई निरंतर प्रगति

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने स्पष्ट किया कि राज्य की खेल अकादमियों में दिए जा रहे प्रशिक्षण का स्तर उच्च है और खिलाड़ी निरंतर प्रगति कर रहे हैं। विशेष रूप से अंडर-20 वर्ग के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत दिए हैं।

जेवलिन थ्रो में शानदार प्रदर्शन

अकादमी के खिलाड़ी कृष्णा चंद्र ने अंडर-20 बालक वर्ग के जेवलिन थ्रो में 70.68 मीटर के प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं अंडर-20 बालिका वर्ग में शिवानी पटेल ने 43.76 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया। दोनों खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट तकनीक और आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा में अपनी श्रेष्ठता साबित की।

शॉटपुट में मध्यप्रदेश का दबदबा

शॉटपुट स्पर्धा में भी खिलाड़ियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। समरदीप सिंह गिल ने पुरुष वर्ग में 19.74 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं वादिक तिवारी ने अंडर-20 बालक वर्ग में 16.70 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक अर्जित किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का दबदबा स्थापित किया।

सफलता खिलाड़ियों की मेहनत का परिणामः मंत्री सारंग

मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी पदक विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उत्कृष्ट खेल सुविधाओं का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि मध्यप्रदेश के ये खिलाड़ी आने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

4 से 16 साल तक के बच्चे तीन कैटेगरी में लेंगे हिस्सा

आईपीएस में स्केटिंग कॉम्पटीशन आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अमर रोलर्स स्केटिंग एकेडमी द्वारा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में 5 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से 7 बजे तक एक भव्य स्केटिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन तीन कैटेगरी में होगा - फुआर्ड, इनलाइन, और टेना सिटी, जिसमें 4 से 16 साल के बच्चे हिस्सा लेंगे। अमर रोलर्स स्केटिंग एकेडमी के कोच अमर और अनिल के निर्देशन में 2005 से चल रही इस एकेडमी ने पिछले कई वर्षों से स्केटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यहां के बच्चे न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना नाम कमा रहे हैं। इस कॉम्पीटीशन में पांच साल के कृष्णा त्रिपाठी ने स्केटिंग में अपनी दिलचस्पी दिखाई और इस कॉम्पीटीशन में हिस्सा भी लिया है। एकेडमी के कोच अमर और अनिल ने कहा, हमारा उद्देश्य बच्चों को स्केटिंग के माध्यम से एक नई दिशा देना है। हम उन्हें न केवल स्केटिंग सिखाते हैं, बल्कि जीवन के मूल्यों और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा देते हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि अमर रोलर स्केटिंग ऑर्गनाइजेशन के स्केटर्स उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल करेंगे और शहर का नाम रोशन करेंगे।

स्व. कैलाश नारायण सारंग स्मृति 9वां ऑल इंडिया मास्टर्स कप क्रिकेट टूर्नामेंट

विभागीय ग्रुप में डीजीपी इलेवन ने एमपी पोस्टल को हराकर किया खिताब पर कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्व. कैलाश नारायण सारंग (बाबूजी) की स्मृति में आयोजित 9वीं मास्टर्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता में विभागीय ग्रुप के तहत शनिवार को ग्रुप का फ़ाइनल मैच एमपी पोस्टल और डीजीपी इलेवन के मध्य खेला गया, जिसमें डीजीपी इलेवन ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 211 रन बनाए। इनमें हिमांशु तिवारी ने नाबाद 95 बनाए, जबकि नरेंद्र राय कुमार ने 38, प्रज्ञा बालरे ने 24, विनय वर्मा ने 22 और दिशांत खरे ने 14 रन का योगदान दिया।

एमपी पोस्टल के महेंद्र मिश्रा ने 3 विकेट लिए, जबकि मयंक जैन 2 विकेट लिए। प्रियांशु, मनोज शेट्टी ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में एमपी पोस्टल की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 145 रन ही बना पाई और यह मैच 66 रन से हार गई। इनमें प्रियांशु ने 40, नितिन ने 19, महेंद्र मिश्रा ने 16, मयंक जैन 14 और अभिषेक भंडारी ने 13 रन बनाए। वहीं असद कमल और आदित्य ने 11-11 रन का योगदान दिया। डीजीपी इलेवन के प्रज्ञा बालरे ने3 विकेट लिए, जबकि नरेंद्र रायकवार ने 2, शुभम, अरुण, हिमांशु और अंकुश ने 1-1 विकेट लिया।

हिमांशु चुने गए प्लेयर ऑफ द फाइनल

प्लेयर ऑफ द फ़ाइनल हिमांशु तिवारी को चुना गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में बीडीसीए के उपाध्यक्ष डॉ. सुशील सिंह ठाकुर, वरिष्ठ क्रिकेटर और एनआईएस कोच शैलेश शुक्ला, वरिष्ठ क्रिकेटर और डीजीपी इलेवन के कोच श्याम मूर्ति, सादउद्दीन, बीडीसीए के सहसचिव मुजीबउद्दीन, वरिष्ठ क्रिकेटर अमिताभ वर्मा, वरिष्ठ क्रिकेटर और एडवोकेट संदीप कुरापा, सुहाग सिंह सोलंकी समेत अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में यह रहे सर्वश्रेष्ठ

- टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी : मयंक जैन, एमपी पोस्टल
- सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज : हिमांशु तिवारी, डीजीपी 11
- सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज : महेंद्र मिश्रा, एमपी पोस्टल
- सर्वश्रेष्ठ विकेट कीपर : विजय परोचे, कमिश्नर 11
- सर्वश्रेष्ठ फील्डर : असद कमाल, एमपी पोस्टल
- अनुशासित टीम : सीजीएसटी

वेटरन ग्रुप में आईपीसीए ने कनारा क्लब विदिशा को 6 विकेट से हराया

वेटरन ग्रुप में शनिवार का दूसरा मैच कनारा क्रिकेट क्लब विदिशा और आईपीसीए के मध्य खेला गया, जिसमें कनारा क्रिकेट क्लब विदिशा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाए। इनमें नीलेश ने 35, गुंजन सक्सेना ने 26, शिवमंगल सिंह ने 25, शरद शर्मा ने 15 और बबलेश ने नाबाद 11 रन का योगदान दिया। आईपीसीए के गेंदबाज सनी भटनागर ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम की। सनी ने 8 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि लक्ष्मण ने 24 रन देकर 2 विकेट लिए। मुक्तदिर ने 1 विकेट लिया। जवाब में आईपीसीए की टीम ने सनी भटनागर के नाबाद 39 और सय्यद ज़ामरान के 36, समीर कुरैशी के 19 रन, जेपी यादव के 12 और अकील और जावेद अख्तर के 11-11 रन की बदौलत 16.5 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 128 रन बनाकर यह मैच 6 विकेट से जीत लिया। सनी भटनागर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें कनारा क्रिकेट क्लब के वरिष्ठ सदस्य दीपू वर्मा, लकी अरोरा और पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर जेपी यादव ने पुरस्कृत किया।

अंडर-17 जिला स्तरीय कुश्ती खिलाड़ियों का सिलेक्शन ट्रायल 10 अप्रैल को

भोपाल। आगामी 28 से 30 अप्रैल तक छत्रपति संभाजी नगर 'औरंगाबाद' (महाराष्ट्र) में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय अंडर-17 बालक/बालिका कुश्ती प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश कुश्ती दल की भागीदारी के लिए मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ द्वारा (सागर) में अंडर-17 राज्य स्तरीय बालक/बालिका कुश्ती प्रतियोगिता 12 से 13 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। विश्वामित्र अवॉर्डी एवं सचिव भोपाल जिला कुश्ती संघ शाकिर नूर ने बताया कि उपरोक्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भोपाल ज़िले के कुश्ती खिलाड़ियों को सम्मिलित कराने 10 अप्रैल को अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल में ज़िला स्तरीय सिलेक्शन ट्रायल आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि सिलेक्शन ट्रायल में केवल वे ही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनका जन्म वर्ष 2009-10 के बीच हुआ एवं उनकी आयु 16 से 17 वर्ष हो। वहीं खिलाड़ियों की सीधी भागीदारी एवं 15 वर्ष (2011) वाले पहलवानों के लिए (मेडिकल या पेरेंट्स का सहमति पत्र सांथ ही जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं मूल निवासी प्रमाण पत्रों की (मूल्य एवं छाया प्रितियां सांथ लाना अनिवार्य होगा। नूर के मुताबिक बालक=एफएस एवं जीआर के वजन वर्ग हैं 45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92 एवं 110 किलोग्राम। वहीं बालिका वर्ग एफएस में-40, 43, 46, 49, 53, 57 ,61, 65, 69 एवं 73 किलोग्राम होगा। नूर ने बताया कि पंजीयन एवं वज़न के लिए पहलवानों को 10 अप्रैल शाम 4 बजे अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 12 से 13 अप्रैल तक सागर में होगी

सागर में 24 से 26 मार्च तक आयोजित की गई प्रतियोगिता

डॉ. बृजेश चौरसिया ने शतरंज में दोहरी चैंपियनशिप पर किया कब्जा

राज्यस्तरीय चैंपियनशिप को लगातार 28वीं बार जीतने वाले अकेले शिक्षक हैं डॉ. चौरसिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा 24 से 26 मार्च तक आयोजित एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय सागर में आयोजित उच्च शिक्षा विभाग की राज्यस्तरीय शतरंज विधा की चैंपियनशिप शासकीय राज्यस्तरीय विधि महाविद्यालय के डॉ बृजेश कुमार चौरसिया ने दोहरी चैंपियनशिप पर कब्जा किया । डॉ चौरसिया ने उच्च शिक्षा विभाग की राज्यस्तरीय चैंपियनशिप को लगतार 28वीं बार जीतने वाले अकेले शिक्षक हैं।

उन्होंने आज तक अपराजेय रहते हुए सतत रूप से चैंपियनशिप पर अपना कब्जा बरकरार रखा है । हमेशा की तरह इस बार भी उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम चैंपियनशिप का भी पदक अपने नाम किया । डॉ चौरसिया सबसे अधिक उम्र में प्रतियोगिता को जीतने का भी गौरव प्राप्त किया। डॉ. चौरसिया प्रतियोगिता में अकेले ऐसे व्यक्ति थे जिनकी ईएलओ रेटिंग 2137, रैपिड रेटिंग 2042 एवं ब्लिट्ज रेटिंग 2037 थी। डॉ. चौरसिया विश्व के सक्रिय खिलाड़ियों में 14649 वीं भारत में 466वीं एवं एशिया महाद्वीप में 2007 वीं रैंकिंग प्राप्त खिलाड़ी हैं।

इस तरह एक के बाद एक बाजी जीतते गए डॉ. चौरसिया

डॉक्टर चौरसिया ने व्यक्तिगत चैंपियनशिप में प्रथम चक्र में डॉ. सुदीप यादव, द्वितीय चक्र में डॉ. विनोद सनोढिया, तृतीय चक्र में डॉ. आरएल जमोरिया एवं चतुर्थ चक्र में चतुर खिलाड़ी डॉ. बीके अम्ब को अपने खेल से धराशाई किया। इसके अलावा टीम प्रतियोगिता में भी भोपाल की शतरंज टीम ने डॉ. चौरसिया के नेतृत्व में प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम के खिलाड़ी संजीव राठौड़ एक्सीलेंस कॉलेज भोपाल, सुनील राय एमव्हीएम कॉलेज भोपाल एवं मोहम्मद इश्तियाक थे।

मयंक चतुर्वेदी अकादमी का ग्रीष्म क़ालीन प्रशिक्षण शिविर 8 मई से

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी का ग्रीष्म क़ालीन प्रशिक्षण शिविर 8 मई से ओल्ड कैम्पियन मैदान पर शाम 4-30 बजे से आयोजित होगा। शिविर में खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान देने के साथ विशेषज्ञ कोचेज़ प्रशिक्षण देंगे। अकादमी द्वारा हर वर्ष खिलाड़ियों को खेल की बारीकियां सिखाने यह शिविर आयोजित किया जाता है, जिसमें खिलाड़ियों को बॉलिंग मशीन द्वारा भी प्रशिक्षित किया जाता है। शिविर में हिस्सा लेने खिलाड़ी कोच केडी गुप्ता (9993367777) व डॉ. सुशील सिंह ठाकुर (9827059094) से संपर्क कर सकते हैं।

विधायक कप अंडर 12 बीडीसीए क्रिकेट टूर्नामेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गौतम नगर के खेल मैदान पर खेले जा रहे विधायक कप (विश्वास सारंग) अंडर 12 बीडीसीए क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को अरेरा अकादमी और मयंक क्रिकेट अकादमी के बीच मैच खेला गया। अरेरा क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाज़ी करने का निर्णय लिया और वो सही साबित हुआ। मयंक अकादमी 19.2 ओवर में 60 रन पर ऑल आउट हो गई। मयंक के विराट ने 8 अमोघ ने 8 रन बनाए। अरेरा के गेंदबाज़ संस्कार ने 3 और जय ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरेरा अकादमी ने जरुरी रन 1 विकेट के नुकसान पर बना लिए। इनमें अनिका के 26 और ऋतुल ने 11 रन बनाए। मयंक की ओर से एक विकेट अमोद ने लिया संस्कार को मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार दिया गया। कल मैच लेगसी और संजय गुप्ता क्रिकेट अकादमी के मध्य मुकाबला खेला जाएगा।

अरेरा अकादमी ने मयंक चतुर्वेदी अकादमी को 9 विकेट से हराया

भोपाल

जंग और एलपीजी संकट पर पार्टी लाइन से हटकर बोल रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, अब कमलनाथ ने किया मोदी सरकार का बचाव

राहुल गांधी इस मुद्दे पर मोदी सरकार पर लगातार हमलावर

बोले-गैस की कमी नहीं है, वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था का नतीजा, जिससे भ्रम पैदा हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ देश में एलपीजी गैस और पेट्रोलियम की क्राइसिस को लेकर पहली दफा खुलकर बोले।

पूर्व सीएम ने मोदी सरकार का बचाव करते हुए कहा कि देश में गैस की परेशानी नहीं है, केवल व्यवस्था की गड़बड़ी है। क्राइसिस का माहौल बना दिया है। छिंदवाड़ा में कमलनाथ ने कहा कि गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है। यह सिर्फ वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था का नतीजा है, जिससे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि सप्लाई पर्याप्त है, लेकिन सही तरीके से वितरण नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौर हो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस विषय में मोदी सरकार की लगातार आलोचना कर रहे हैं।

शशि थरूर

मनीष तिवारी

आनंद शर्मा

कमलनाथ

थरूर, मनीष व आनंद भी कर चुके मोदी सरकार की तारीफ

इससे पहले कांग्रेस के आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और शशि थरूर इस मुद्दे पर सरकार को समर्थन दे चुके हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने भारत के डिप्लोमैटिक तरीके की तारीफ करते हुए इसे मैच्योर और स्किलफुल बताया।

सिंधिया ने कहा- कांग्रेस नेता अब खुद मान रहे कोई क्राइसिस नहीं

कमलनाथ के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी रिएक्शन दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस के नेता खुद मान रहे हैं कि देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कमी नहीं है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930